केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

असफलता और कुछ नहीं, बल्कि इस तथ्य को इंगित करती है कि सफलता के लिए आवश्यक प्रयास सावधानी और इच्छाशक्ति की कमी थी..

वर्ष : 16 अंक : 278 | उज्जैन, शनिवार 21 मार्च 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

मातृभूमि की रक्षा की लिए रानी अवंतीबाई का बलिदान सदियों तक रहेगा अविस्मरणीय : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

रानी अवंतीबाई की स्मृति में डिंडोरी में एक करोड़ रूपए से निर्मित संग्रहालय का किया लोकार्पण

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश वीरांगनाओं की धरती है। रानी दुर्गावती से लेकर रानी कमलापति और रानी अवंतीबाई तक हमारी लोकनायिकाओं और वीरांगनाओं ने विदेशी आक्रांताओं के छक्के छुड़ा दिए थे। मातृभूमि की रक्षा के लिए रानी अवंतीबाई ने जो बलिदान दिया, वह सदियों-सदियों तक अविस्मरणीय रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को रानी अवंतीबाई के बलिदान दिवस के अवसर पर डिंडोरी जिले में आयोजित कार्यक्रम को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रानी अवंतीबाई के अटल साहस और अमर त्याग को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए उनकी स्मृति में डिंडोरी में एक करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित भव्य संग्रहालय का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संग्रहालय हमें रानी अवंतीबाई के बल और बलिदान की याद दिलाता रहेगा। इस संग्रहालय में उनकी फोटो गैलरी और उनके शस्त्र हमारी आने वाली पीढ़ियों को युगों-युगों तक प्रेरित करते रहेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम विरासत से विकास की ओर बढ़ते हुए अपने नायकों के पराक्रम को भी याद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि रानी अवंतीबाई का जन्म तत्कालीन सिओनी (वर्तमान सिवनी) जिले के मनकेहणी गांव में हुआ था। कहते हैं कि रणभूमि में उनकी तलवार जब चलती थी, तो अंग्रेजों के हौसले पस्त हो जाते थे। सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में डिंडोरी में रानी अवंतीबाई की भूमिका ठीक वैसी ही थी, जैसी झांसी में रानी लक्ष्मीबाई की। जब अंग्रेजों ने राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह को तोप से उड़ाकर कायरता दिखाई, तब इस पूरे क्षेत्र में क्रांति की मशाल रानी अवंती बाई ने अपने हाथ में ली थी। सन् 1857 की क्रांति में रानी अवंतीबाई ने रेवांचल में मुक्ति आंदोलन में बड़ी भूमिका निभाई। इसके बाद सन् 1858 में जब अंग्रेजों ने एक विशाल सेना के साथ उन पर हमला किया, त?ब भी रानी ने झुकना स्वीकार नहीं किया। अपने मान-सम्मान और देश की अस्मिता के लिए उन्होंने लड़ते-लड़ते, हंसते-हंसते अपने प्राणों की आहुति दे दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने रानी अवंती बाई की शहादत को अविस्मरणीय बनाए रखने के लिए सागर में उनके नाम पर विश्वविद्यालय की स्थापना कर श्रद्धांजलि दी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि डिंडोरी जिला उनके हृदय के करीब है। उन्होंने प्रसन्नता जताई कि एनीमिया मुक्त भारत के संकल्प के साथ जिला प्रशासन डिंडोरी ने एक ही दिन में 50 हजार से ज्यादा महिलाओं और बेटियों की स्वास्थ्य जांच की। इस उपलब्धि के लिए डिंडोरी का नाम %एशिया बुक ऑफ रिकार्ड्स% और %इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स% में दर्ज हुआ है। यह हमारे लिए गौरव की बात है। 14 से 15 साल की बेटियों को टीकाकरण (एचपीवी अभियान) में भी डिंडोरी जिला प्रदेश में प्रथम स्थान पर आया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियों के सपनों को पंख देने के लिए डिंडोरी जिले में %पंखिनी अभियान% चलाया जा रहा है। इसमें बेटियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की निश्शुल्क तैयारी कराई जा रही है। यह एक अभिनव प्रयास है। मुख्यमंत्री ने इस अभियान के लिए जिला प्रशासन डिंडोरी को बधाई भी दी।

डिंडोरी जिले के ग्राम बालपुर में हुए रानी अवंती बाई बलिदान दिवस कार्यक्रम में क्षेत्रीय लोकसभा सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते, विधायक श्री ओमप्रकाश धुर्वे, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री रूदेश परस्ते, उपाध्यक्ष श्रीमती अंजू ब्यौहार, जनपद पंचायत डिंडोरी की अध्यक्ष श्रीमती आशा सिंह, उपाध्यक्ष श्रीमती राजकुमारी बाई ठाकुर, जिलाध्यक्ष श्री चमरू सिंह नेताम, श्री नरेन्द्र राजपूत सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

न्यूज ब्रीफ

सिर्फ 4 फीसदी लोग ही भरवाते हैं प्रीमियम पेट्रोल, आम उपभोक्ताओं पर नहीं पड़ेगा असर

नई दिल्ली/ जीएनएस। मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव और वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच सरकारी तेल कंपनियों ने शुक्रवार को प्रीमियम (उच्च ग्रेड) पेट्रोल और औद्योगिक उपयोग वाले बल्क डीजल की कीमतों में वृद्धि की है। हालांकि, सामान्य पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। उद्योग सूत्रों के अनुसार, 95-ऑक्टेन प्रीमियम पेट्रोल की कीमत में 2 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। राजधानी दिल्ली में इसकी कीमत 99.89 रुपये से बढ़कर 101.89 रुपये प्रति लीटर हो गई है। वहीं, औद्योगिक उपभोक्ताओं को बेचे जाने वाले बल्क डीजल की कीमत में भारी उछाल आया है। इसकी दर 87.67 रुपये से बढ़कर 109.59 रुपये प्रति लीटर हो गई है, यानी करीब 22 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि। इसके विपरीत, आम उपभोक्ताओं द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले सामान्य पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर हैं। दिल्ली में सामान्य पेट्रोल 94.77 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.67 रुपये प्रति लीटर पर ही बना हुआ है। बल्क डीजल में एकमुश्त की गई 22 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि बताती है कि तेल मार्केटिंग कंपनियां (ओएमसी) लागत निकालने को लेकर भारती दबाव में हैं। वर्ष 2010 में जब केंद्र सरकार ने डीजल की कीमत को बाजार आधारित कर दिया था, तभी से देश में डीजल की एक ही खुदरा कीमत लागू हो रही है। जब नियंत्रित व्यवस्था थी तब आम जनता व औद्योगिक खपत के लिए डीजल की अलग अलग कीमत होती थी लेकिन तब इसकी ब्लैकमार्केटिंग का समस्या भी काफी ज्यादा थी। सामान्य डीजल को औद्योगिक इस्तेमाल में गैरकानूनी तरीके से इस्तेमाल किया जाता था। जानकारों का कहना है अब जबकि दोनों की कीमतों में 22 रुपये प्रति लीटर का अंतर है तो यह समस्या फिर पैदा हो सकती है।

जनता बदलाव के लिए तैयार..., राहुल गांधी ने केरल में वामपंथी सरकार की विदाई का किया दावा

नई दिल्ली/ जीएनएस। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने केरल में बदलाव की बयार बहने का दावा करते हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की अगुवाई वाली यूडीएफ गठबंधन की जीत के लिए अपनी पूरी ताकत झोंकने की प्रतिबद्धता जाहिर की है। यूडीएफ के सभी उम्मीदवारों को सूबे की जनता की उम्मीदों की आवाज बताते हुए कांग्रेस नेता ने राज्य की वामपंथी गठबंधन सरकार की विदाई का अपनी तरफ से सियासी बिगुल बजा दिया है। केरल चुनाव के लिए कांग्रेस समेत यूडीएफ के सभी उम्मीदवारों के एलान के बाद चुनावी अभियान को पूरी शिद्दत से चलाने के पार्टी के इरादे साफ करते हुए राहुल गांधी ने शुक्रवार को एक्स पोस्ट में कहा टीम यूडीएफ ही टीम केरलम है। यूडीएफ का हर उम्मीदवार केरलम के लोगों की आवाज, उनकी उम्मीदों और उनके भरोसे को दिखाता है। यह अनुभवी नेताओं और युवा बदलाव लाने वाले ऐसे पुरुषों और महिलाओं की एक मजबूत टीम है जो उन निर्वाचन क्षेत्रों की बारीकियों को समझते हैं जिनका वे प्रतिनिधित्व करते हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में केरल के वायनाड से सांसद बनने के अपने पुराने जुड़ाव की ओर इशारा करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि मेरे लिए केरलम मेरा घर है और यहां के लोग मेरा परिवार हैं। मैं लोगों का बहुत ऋणी हूं उन सभी बातों के लिए जो उन्होंने मुझे सिखाई हैं और जिस प्यार और अपनापन के साथ मुझे अपनाया है उसके लिए भी। और हमेशा आपका साथी रहूंगा। राज्य में वामपंथी नेतृत्व वाले यूडीएफ की सत्ता से विदाई तय बताते हुए राहुल गांधी ने कहा कि केरलम से संदेश साफ है लोग बदलाव के लिए तैयार हैं और वे ऐसी सरकार चाहते हैं जो लोगों की बात सुने, समझे और पूरी ईमानदारी से अपना काम करे।

ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स 2026: सबसे निचले स्तर पर पाकिस्तान, भारत की स्थिति में सुधार; रिपोर्ट ने जताई नई चिंता

नई दिल्ली/ जीएनएस। ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स 2026 की रिपोर्ट में एक ओर जहां दुनिया भर में आतंकवाद से होने वाली मौतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है, वहीं दूसरी ओर दक्षिण एशिया समेत कई क्षेत्रों में बढ़ते तनाव ने भविष्य को लेकर चिंता भी बढ़ा दी है। रिपोर्ट के मुताबिक यह सुधार ज्यादा समय तक टिकेगा या नहीं, इस पर सवाल बना हुआ है।

रिपोर्ट के अनुसार साल 2025 में पाकिस्तान आतंकवाद से सबसे ज्यादा प्रभावित देश बन गया है। यहां 1,139 लोगों की मौत हुई और 1,045 आतंकी घटनाएं दर्ज की गईं, जो पिछले एक दशक में सबसे ज्यादा हैं। यह बदलाव अचानक नहीं बल्कि लंबे समय से बढ़ती समस्या का नतीजा है। खासकर अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद पाकिस्तान की सीमा पर सुरक्षा हालात और बिगड़े हैं। तेहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान जैसे आतंकी संगठनों ने अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल हमलों के लिए किया। 2025 में टीटीपी के हमले 24त्न बढ़कर 595 हो गए और 637 लोगों की मौत हुई।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान तनाव- रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान और भारत के बीच मई 2025 में तनाव भी बढ़ा, जब भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के शहरों पर मिसाइल कार्रवाई की, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई हुई।

फरवरी 2026 में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के खिलाफ युद्ध जैसी स्थिति घोषित कर दी। रिपोर्ट चेतावनी देती है कि इस तरह के हालात से सीमाएं कमजोर होती हैं और आतंकी संगठनों को फायदा मिलता है। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने भी बड़े हमले किए, जिसमें क्वेटा के पास ट्रेन हाईजैक कर 442 लोगों को बंधक बनाया गया।

भारत इस सूची में 13वें स्थान पर है और दक्षिण एशिया में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बाद तीसरे स्थान पर है। हालांकि भारत के लिए राहत की बात यह है कि 2025 में आतंकी घटनाओं में 43त्न की कमी आई।

पिछले 10 सालों में भारत के स्कोर में लगातार सुधार हुआ है। दक्षिण एशिया के अन्य देशों की तुलना में भारत की स्थिति बेहतर रही है। बांग्लादेश में 2025 में कोई आतंकी हमला नहीं हुआ, जबकि नेपाल में लगातार तीसरे साल भी एक भी घटना दर्ज नहीं हुई।

दुनिया में आतंकवाद में गिरावट- रिपोर्ट के अनुसार 2025 में दुनिया भर में आतंकवाद से होने वाली मौतों में 28त्न की कमी आई। मौतों की संख्या 7,714 से घटकर 5,582 रह गई, जो अब तक का सबसे कम स्तर है।

आतंकी हमलों की संख्या भी 22त्न घटकर 2,944 हो गई। 81 देशों में स्थिति सुधरी, जबकि सिर्फ 19 देशों में हालात खराब हुए। सबसे ज्यादा मौतों के लिए चार संगठन जिम्मेदार रहे इस्लामिक स्टेट, जेएनआईएम, टीटीपी और अल-शबाब जिनसे कुल 70त्न मौतें हुईं।

अफ्रीका और पश्चिमी देशों में बदलता खतरा- सब-सहारा अफ्रीका अब आतंकवाद का सबसे बड़ा केंद्र बना हुआ है। यहां दुनिया की आधी से ज्यादा मौतें होती हैं। हालांकि कुछ देशों में कमी भी देखी गई है।

दिव्यांग व्यक्तियों के लिए कैब में व्हीलचेयर या सहायक उपकरण ले जाने के लिए हो जगहः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिव्यांग व्यक्तियों की सहायता के तरीके खोजने की आवश्यकता पर जोर दिया। शीर्ष न्यायालय ने सुझाव दिया कि टैक्सी सेवाओं में उनके लिए व्हीलचेयर और अन्य सहायक उपकरणों की सुविधा होनी चाहिए। यह टिप्पणी जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने दिव्यांगों के लिए फर्स्ट-माइल और लास्ट-माइल कनेक्टिविटी से संबंधित एक याचिका पर सुनवाई के दौरान की। पीठ ने कहा कि बड़े महानगरों में हर जगह कैब उपलब्ध हैं। इसलिए, कैब को भी दिव्यांग व्यक्तियों की व्हीलचेयर या सहायक उपकरणों को समायोजित करने के लिए कहा जाना चाहिए। पीठ ने अलग तरह की कैब रखने का विचार प्रस्तावित किया। ये कैब दिव्यांग व्यक्तियों के लिए विशेष रूप से संशोधित की गई हों। न्यायालय ने यह भी कहा कि ऐप में ऐसे विशिष्ट कैब के लिए प्रविधान हो सकता है, जिन्हें इन व्यक्तियों के लिए उनके अनुसार संशोधित किया गया हो। याचिकाकर्ता के वकील ने कैब में सवार होते समय दिव्यांगों को होने वाली कठिनाइयों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि अधिकांश कैब सीएनजी वाली होती हैं, जिससे जगह कम हो जाती है और पीछे व्हीलचेयर ले जाना संभव नहीं होता।

ऑनलाइन जुआ और सट्टेबाजी के खिलाफ सरकार ने चलाया डंडा, 300 वेबसाइट-एप्स ब्लॉक

नई दिल्ली/ जीएनएस। केंद्र सरकार ने ऑनलाइन अवैध जुआ और सट्टेबाजी पर सख्त कार्रवाई करते हुए इनका संचालन करने वाली ऐसी 300 वेबसाइटों और एप्स को ब्लॉक कर दिया है।

ब्लॉक की गई वेबसाइटें और एप्स आनलाइन स्पोर्ट्स बेटिंग प्लेटफार्म से संबंधित हैं जो ऑनलाइन जुआ के लिए मार्केटप्लेस की तरह काम करते हैं।

सरकारी सूत्रों ने बताया कि जिन अवैध वेबसाइटों तथा एप्स पर पाबंदी लगाई गई है उसमें स्पोर्ट्स सट्टेबाजी प्लेटफार्म के साथ ही ऑनलाइन कैसीनो भी शामिल हैं जो स्लाट, रूलेट और लाइव डीलर टेबल की सुविधा देते हैं।

कैसे काम करता है नेटवर्क- सट्टेबाजी का यह एक्सचेंज पी2पी (पीयर-टू-पीयर) सट्टेबाजी मार्केटप्लेस की तरह काम करता है।

ईरान के खिलाफ पेश प्रस्ताव को भारत ने दिया समर्थन, होर्मुज में जहाजों पर हमले पर जताई नाराजगी

नई दिल्ली/ जीएनएस। इजराइल-ईरान संघर्ष के बीच फारस की खाड़ी में बढ़ते तनाव और होर्मुज जलमार्ग पर वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने ईरान पर दबाव बनाने की रणनीति को भारत ने अपना पूरा समर्थन दिया है।

अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आइएमओ) की लंदन में हुई 36वीं असाधारण परिषद बैठक में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) द्वारा पेश ड्राफ्ट घोषणा को भारत समेत 115 से अधिक सदस्य देशों ने सह-प्रायोजित किया। इससे ज्यादा 120 देशों ने भाग लिया। भारत ने इस प्रस्ताव का मजबूत समर्थन किया, जिसमें ईरान के हमलों और होर्मुज जलमार्ग को बंद करने की कोशिशों की कड़ी निंदा की गई है। पश्चिम एशिया युद्ध की शुरुआत से ही भारत सउदी अरब, कतर, यूएई व अन्य देशों पर ईरान की तरफ से हो रहे हमले की निंदा करने की नीति पर कायम है।

पीएम मोदी ने की बहरीन के शाह से बात, पश्चिम एशिया के हालात पर हुई चर्चा

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को बहरीन के शाह हमद बिन ईसा अल खलीफा से बात की। इस दौरान दोनों ने पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की और क्षेत्र में ऊर्जा व असैन्य बुनियादी ढांचे पर हुए हमलों की निंदा की। प्रधानमंत्री ने बहरीन के शासक से टेलीफोन पर हुई बातचीत के दौरान नौवहन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने और जहाजरानी मार्गों को खुला एवं सुरक्षित रखने के महत्व पर जोर दिया।

मोदी ने कहाकि बहरीन के शाह हमद बिन ईसा अल खलीफा के साथ सार्थक चर्चा हुई। मैंने उन्हें और बहरीन के लोगों को ईद-उल-फितर की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मोदी ने 'एक्स?' पर एक पोस्ट में कहाकि हमने पश्चिम एशियाई क्षेत्र की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की। हमने क्षेत्र में ऊर्जा व असैन्य बुनियादी ढांचे पर हुए हमलों की निंदा की और वैश्विक खाद्य, ईंधन और उर्वरक सुरक्षा पर उनके प्रतिकूल प्रभाव को रेखांकित किया।

प्रधानमंत्री ने बहरीन में भारतीय समुदाय की भलाई को लेकर निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद भी दिया। अमेरिका और इजराइल द्वारा 28 फरवरी को ईरान पर हमले के बाद यह दूसरी बार था, जब मोदी ने बहरीन के शासक से बात की।

इस्लामिक गणराज्य ने भी अपने कई खाड़ी पड़ोसी देशों पर हमला कर जवाबी कार्रवाई की। संघर्ष शुरू होने के बाद से प्रधानमंत्री सऊदी अरब, जॉर्डन, यूएई, फ्रांस, मलेशिया, इजराइल और ईरान सहित कई अन्य विश्व नेताओं से भी बात कर चुके हैं।

शिक्षा मंत्रालय का राष्ट्रव्यापी अभियानः स्कूलों से दूर बच्चों को एनआइओएस से मिलेगा शिक्षा का अवसर

नई दिल्ली/ जीएनएस। स्कूली शिक्षा से दूर बच्चों को पहचानने और उन्हें ओपन स्कूल के जरिए पढ़ाने के लिए शिक्षा मंत्रालय अब नए शैक्षणिक सत्र से राज्यों के साथ मिलकर एक राष्ट्व्यापी अभियान शुरू करेगा।

इस दौरान ऐसे बच्चों को खोजकर उन्हें ब्लॉक स्तर पर ही एनआइओएस (राष्टीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान) के जरिए पढ़ाया जाएगा। मंत्रालय का लक्ष्य इस पहल के जरिए 2030 तक स्कूली शिक्षा में माध्यमिक स्तर तक शत-प्रतिशत नामांकन हासिल करना है।

शिक्षा मंत्रालय ने यह योजना तब बनाई है, जब एक रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया है कि देश के 14 से 18 वर्ष की आयु के करीब दो करोड़ बच्चे स्कूल नहीं जा रहे है, वहीं देश के तीन से आठ वर्ष की उम्र के भी 11 प्रतिशत बच्चे भी स्कूलों से बाहर है। जबकि देश के करीब पांच लाख बच्चे हर साल दसवीं व बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं में असफल होने के बाद पढ़ाई छोड़ दे रहे है। मंत्रालय के मुताबिक, इस दौरान यह भी ध्यान रखा जा रहा है कि यदि कोई बच्चा आर्थिक दिक्कतों के चलते दोबारा बोर्ड परीक्षाओं में शामिल नहीं हो रहा है, तो उसकी फीस का भी बंदोबस्त राज्यों के जरिए कराया जाएगा। शिक्षा मंत्रालय ने पिछले दिनों से इसे लेकर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ विस्तृत योजना साझा की है, जिसमें ऐसे सभी बच्चों को पहचानने के बाद उन्हें ब्लॉक स्तर पर पढ़ाया जाएगा।

वैसे तो एनआइओएस के देश भर में मौजूदा समय में करीब 10,800 अध्ययन व परीक्षा केंद्र है। इसके बाद भी जरूरत पड़ने पर प्रत्येक ब्लॉक के पीएम-श्री व सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में नए अध्ययन व परीक्षा केंद्र खोले जाएंगे। राज्यों से इसके प्रस्ताव भी मांगे गए है।

करण औजला के कॉन्सर्ट को लेकर इंदौर में ट्रैफिक डायवर्जन, दोपहर 2 बजे से रात 12 बजे तक बदले रहेंगे रूट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के बायपास स्थित सी-21 इस्टेट ग्राउंड पर 21 मार्च 2026 को पंजाबी सिंगर करण औजला के म्यूजिक कॉन्सर्ट के मद्देनजर यातायात पुलिस ने विशेष ट्रैफिक डायवर्जन प्लान लागू किया है। यह व्यवस्था दोपहर 2 बजे से कार्यक्रम समाप्ति तक, यानी रात 12 बजे तक प्रभावी रहेगी।

कॉन्सर्ट में आने वाली भीड़ को देखते हुए विभिन्न मार्गों से आने वाले वाहनों के लिए अलग-अलग रूट और पार्किंग की व्यवस्था तय की गई है। कनाडिया, रेडिसन चौराहा और देवास की ओर से आने वाले वाहनों को निर्धारित मार्गों से होकर आरई-2 रोड के जरिए पार्किंग स्थल तक पहुंचाया जाएगा। वहीं वीआईपी वाहनों के लिए अलग व्यवस्था की गई है।

यातायात व्यवस्था के तहत शहर में चलने वाली बसों के रूट में भी बदलाव किया गया है। रेडिसन की ओर से आने वाली बसें स्टार चौराहा से डायवर्ट होकर एडवांस एकेडमी और बेस्ट प्राइस के रास्ते बायपास पहुंचेंगी। तीन इमली और व्हाइट चर्च की ओर से संचालित बसों के मार्ग भी परिवर्तित किए गए हैं, जिससे मुख्य मार्गों पर दबाव कम किया जा सके।

इसके अलावा भारी वाहनों के लिए भी अलग डायवर्जन प्लान बनाया गया है, जिसमें उन्हें वैकल्पिक मार्गों से होकर शहर में प्रवेश और निकासी की अनुमति दी जाएगी, ताकि कार्यक्रम के दौरान यातायात सुचारू बना रहे।

यातायात पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने वाहन केवल निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़े करें। मुख्य मार्गों पर पार्किंग करने वाले वाहनों को क्रेन के माध्यम से हटाया जाएगा और जुर्माना भी लगाया जाएगा। पुलिस ने सभी से यातायात व्यवस्था में सहयोग करने और वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की अपील की है।

त्योहारों के मद्देनजर देपालपुर में पुलिस का फ्लैग मार्च, असामाजिक तत्वों को दी चेतावनी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी चैत्र नवरात्रि और ईद पर्व को ध्यान में रखते हुए देपालपुर में शुक्रवार को पुलिस प्रशासन द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया। इस दौरान पुलिस ने नगरवासियों को सुरक्षा का भरोसा दिलाते हुए असामाजिक तत्वों को सख्त चेतावनी दी। फ्लैग मार्च पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया और एसडीओपी संघ प्रिय सम्राट के निर्देशन में तथा थाना प्रभारी रंजीत सिंह बघेल के नेतृत्व में निकाला गया। मार्च थाना परिसर से प्रारंभ होकर इंदौर नाका, चमन चौराहा, विजय स्तंभ चौक और बस स्टैंड सहित नगर के प्रमुख मार्गों से होकर पुनः थाना परिसर में समाप्त हुआ। मार्च में देपालपुर थाना पुलिस बल के जवान बड़ी संख्या में शामिल रहे। इस दौरान पुलिस की मौजूदगी से पूरे क्षेत्र में सुरक्षा का माहौल नजर आया। थाना प्रभारी रंजीत सिंह बघेल ने बताया कि त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने नागरिकों से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील भी की।

पीथमपुर सागौर मार्ग पर रोड ओवर ब्रिज 236ए का लोकार्पण, आवागमन होगा सुगम

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल की इंदौर- दाहोद नई रेल लाइन परियोजना के अंतर्गत पीथमपुर- सागौर मार्ग पर निर्मित रोड ओवर ब्रिज क्रमांक 236ए का लोकार्पण शुक्रवार को संपन्न हुआ। इस अवसर पर केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर, धार विधायक नीना विक्रम वर्मा तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

यह ब्रिज दो लेन का है, जिसका निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है और अब इसे आम नागरिकों के लिए खोल दिया गया है। लगभग 43 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह ओवर ब्रिज सड़क उपयोगकर्ताओं को सुरक्षित और निर्बाध आवागमन की सुविधा प्रदान करेगा।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार के अनुसार, इस पुल के प्रारंभ होने से न केवल स्थानीय यातायात सुगम होगा, बल्कि इंदौर- दाहोद नई रेल लाइन परियोजना के कार्यों में भी तेजी आएगी।

करीब 784 मीटर लंबा यह रोड ओवर ब्रिज सागौर और कुटटी क्षेत्र को जोड़ता है, जिससे क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मजबूत होगी और आमजन को बड़ी राहत मिलेगी।

किराए की कार हड़पने वाले शातिर आरोपी से दो और वाहन जब्त, रावजी बाजार पुलिस की कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। किराए पर कार लेकर उन्हें हड़पने वाले आदतन शातिर बदमाश संजय कालरा के खिलाफ रावजी बाजार थाना पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर दो और कारें जब्त कर ली हैं। इस कार्रवाई से पीड़ितों को राहत मिली है और उन्होंने पुलिस का आभार जताया है।

यह कार्रवाई संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में इंदौर पुलिस द्वारा की जा रही है। जानकारी के अनुसार, आरोपी संजय कालरा लोगों से कार किराए पर लेकर कुछ समय तक किराया देता था और बाद में भुगतान बंद कर देता था। जब वाहन मालिक अपनी कार वापस मांगते, तो वह उन्हें धमकाता और अवैध गतिविधियों में फंसाने की बात कहकर डराता था।

वर्ष 2019 में ब्रजेश मंत्री निवासी स्कीम नंबर 71 और अनुज माहेश्वरी निवासी लालाराम नगर ने आरोपी को क्रमशः हुंडई वरना और हुंडई आई20 कार किराए पर दी थीं। आरोपी ने कुछ महीनों तक किराया देने के बाद भुगतान बंद कर दिया और बाद में कार लौटाने से भी इनकार कर दिया। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया।

पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर दोनों कारों को ग्वालियर और देवास से बरामद कर जब्त किया है। मामले में विवेचना के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। करीब सात वर्षों से परेशान पीड़ितों को जब अपनी कार वापस मिलने की जानकारी मिली तो वे तुरंत थाने पहुंचे और पुलिस की कार्रवाई की सराहना करते हुए धन्यवाद दिया। पीड़ितों ने बताया कि वे लंबे समय से मानसिक तनाव में थे, लेकिन पुलिस की तत्परता से उन्हें न्याय मिला है।

इंदौर में RRR थीम स्ट्रीट फैशन वॉक आज, फैशन के मंच से दिया जाएगा स्वच्छता और सस्टेनेबिलिटी का संदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को लेकर चलाए जा रहे घर की सफाई अभियान के तहत निगम प्रशासन द्वारा एक अनूठा आयोजन किया जा रहा है। 21 मार्च को शाम 5 बजे 56 दुकान पर RRR थीम पर आधारित स्ट्रीट फैशन वॉक का आयोजन होगा, जिसमें फैशन के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया जाएगा। स्वास्थ्य प्रभारी अश्विनी शुक्ल ने बताया कि यह आयोजन महापौर पुष्यमित्र भार्गव और आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार नगर निगम और DSIFD के सहयोग से किया जा रहा है। इसका उद्देश्य शहर में सस्टेनेबिलिटी और स्वच्छता के प्रति जागरूकता को बढ़ाना है। अपर आयुक्त प्रखर सिंह ने जानकारी दी कि अभियान के अंतर्गत घरों से निकलने वाले अनुपयोगी सामान को निगम के माध्यम से एकत्र कर वेस्ट से बेस्ट तैयार किया जा रहा है। फैशन वॉक में इसी वेस्ट सामग्री और रीसायकल्ड कपड़ों से बने आकर्षक परिधान मुख्य आकर्षण होंगे, जो यह संदेश देंगे कि कचरा भी रचनात्मकता के जरिए उपयोगी और आकर्षक बन सकता है। इस आयोजन में बड़ी संख्या में युवा, छात्र और नागरिक भाग लेंगे और इंदौर को पुनः देश का सबसे स्वच्छ शहर बनाने का संकल्प भी लिया जाएगा। यह कार्यक्रम केवल एक फैशन शो नहीं, बल्कि एक जन-जागरूकता अभियान के रूप में आयोजित किया जा रहा है।

होलकर रियासत में उत्सव की तरह मनाया जाता था गुड़ी पड़वा पर्व

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। होलकर रियासत काल में इंदौर में गुड़ी पड़वा यानी हिंदू नववर्ष की शुरुआत का पर्व उत्सव की तरह धूमधाम से मनाया जाता था। 1732 में इंदौर कस्बा होलकर राज्य के मल्हारराव होल्कर को पेशवा द्वारा जागीर में प्राप्त होने के बाद उन्होंने इंदौर को राज्य की गतिविधियों का केंद्र बनाना आरंभ किया था। परंतु इंदौर का सर्वाधिक विकास 1818 में राजधानी बनने के बाद हुआ। चूंकि होलकर मराठा थे और महाराष्ट्र से जुड़े थे, इसलिए सामाजिक रीति रिवाज और संस्कृति में इंदौर पर महाराष्ट्र का प्रभाव था। गुड़ी पड़वा चैत्र माह की शुक्ल प्रतिपदा को मनाया जाता है, इसी दिन से नए पंचांग और नववर्ष का आरंभ माना जाता है। यह पर्व मुख्य रूप से इस बात का प्रतीक है कि हिंदू नव वर्ष आरंभ हो गया है। गुड़ी पड़वा पर सुबह जल्दी घर के मुख्य द्वार पर विजय पताका (गुड़ी) फहराकर पारंपरिक तरीके और उल्लास से यह पर्व मनाया जाता है।

यह पर्व महाराष्ट्रीयन परिवारों द्वारा ही नहीं वरन सभी समुदाय के लोगों द्वारा नववर्ष के रूप में मनाया जाता है। इसे मनाए जाने के अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग तरीके हैं। राज्य भवन पर भव्य गुड़ी बांधी जाती थी।

इंदौर में शक्ति अवार्ड 2026 सम्पन्न, न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला ने नारी शक्तियों को किया सम्मानित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में वुमेन्स प्रेस क्लब, मध्यप्रदेश द्वारा 18 मार्च को जाल सभागृह में ÷शक्ति अवार्ड 2026÷ का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। इस गरिमामय समारोह में प्रदेशभर से आई प्रतिभाशाली महिलाओं को विभिन्न क्षेत्रों में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विजय कुमार शुक्ला और विशेष अतिथि राखी सहाय उपस्थित रहीं। इस मंच ने पिछले दस वर्षों से समाज में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं को पहचान देने की परंपरा को निरंतर आगे बढ़ाया है। कार्यक्रम के दौरान आयोजित टॉक शो में न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला ने कहा कि बोलियां हमें हमारी संस्कृति से जोड़ती हैं, जबकि भाषा समाज और राष्ट्र से जोड़ने का कार्य करती है। उन्होंने महिलाओं के अधिकारों और कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी अपने विचार साझा किए।

विशेष अतिथि राखी सहाय ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन महिलाओं के आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं और उन्हें समाज में सशक्त भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करते हैं। वहीं समाजसेवी डॉ. संध्या चौकसे ने भारतीय परंपराओं की मजबूती पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आधुनिकता के प्रभाव के बावजूद हमारी सांस्कृतिक जड़ें बेहद मजबूत हैं।

त्योहारों से पहले इंदौर पुलिस की सख्ती, 5 बदमाश जिलाबदर, 11 पर निर्बंधन आदेश जारी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा आदतन अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में कुल 16 शातिर बदमाशों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए गए हैं।

कार्रवाई के तहत पांच कुख्यात बदमाशों को जिलाबदर करते हुए उन्हें इंदौर शहर और उससे लगे सीमावर्ती जिलों की राजस्व सीमा से निर्धारित अवधि के लिए निष्कासित किया गया है। वहीं 11 अन्य बदमाशों पर निर्बंधन आदेश जारी कर उन्हें नियमित रूप से संबंधित थानों में हाजिरी देने के लिए बाध्य किया गया है।

पुलिस के अनुसार ये सभी आरोपी आदतन अपराधी हैं और इनके खिलाफ शहर के विभिन्न थानों में गंभीर धाराओं के तहत कई मामले दर्ज हैं। पूर्व में की गई प्रतिबंधात्मक कार्रवाई के बावजूद इनके द्वारा लगातार आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा था, जिससे क्षेत्र में कानून-व्यवस्था प्रभावित हो रही थी।

इन्हीं गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 के तहत कार्रवाई करते हुए प्रकरण पुलिस आयुक्त के समक्ष प्रस्तुत किए गए। जांच और विचारण के बाद पांच बदमाशों को जिलाबदर करने और अन्य 11 को शर्तों के साथ पाबंद करने के आदेश जारी किए गए।

निर्बंधन आदेश के तहत संबंधित बदमाशों को निर्धारित समय पर थाने में हाजिरी देना अनिवार्य होगा और वे किसी भी अवैधानिक गतिविधि में शामिल नहीं हो सकेंगे। साथ ही उन्हें लोकशांति भंग करने वाले किसी भी कार्य से दूर रहने की सख्त हिदायत दी गई है। आदेश का उल्लंघन करने पर उनके खिलाफ कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि त्योहारों के दौरान शहर में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव जयपुर में उद्योग जगत के साथ औद्योगिक निवेश पर करेंगे संवाद

राज्य के निवेश समर्थक दृष्टिकोण का होगा प्रस्तुतीकरण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश की औद्योगिक क्षमता को राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में मजबूती से स्थापित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 21 मार्च को जयपुर के आईटीसी राजपूताना में इंटरएक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट ऑपर्च्युनिटीज इन मध्यप्रदेश में उद्योग जगत के शीर्ष प्रतिनिधियों के साथ निवेश पर विस्तृत चर्चा करेंगे। इस सेशन में राज्य की नीतिगत स्पष्टता, प्रशासनिक तत्परता और निवेश समर्थक दृष्टिकोण को देश के प्रमुख औद्योगिक समूहों के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

जयपुर में होने वाले सेशन में मध्यप्रदेश की औद्योगिक नीति, क्षेत्रवार प्रोत्साहन, विकसित औद्योगिक क्षेत्रों की उपलब्धता, अधोसंरचना विस्तार, लॉजिस्टिक नेटवर्क, कौशल विकास तंत्र और त्वरित स्वीकृति प्रणाली का समग्र प्रस्तुतीकरण किया जाएगा।

प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह राज्य में उपलब्ध निवेश अवसरों की विस्तृत जानकारी देंगे। कार्यक्रम में प्रमुख औद्योगिक समूहों के प्रतिनिधि भी अपने विचार रखेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव उद्योग जगत के साथ सीधे संवाद में राज्य सरकार की प्राथमिकताओं को स्पष्ट करेंगे और बताएंगे कि मध्यप्रदेश निवेश के लिए स्थिर नीति वातावरण, पारदर्शी प्रक्रिया और समयबद्ध निर्णय व्यवस्था सुनिश्चित कर रहा है। वे निवेश को रोजगार सृजन, कौशल उन्नयन और औद्योगिक विस्तार से जोड़ने की राज्य की प्रतिबद्धता को सामने रखेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मुख्य संबोधन राज्य की औद्योगिक दिशा और दीर्घकालिक विकास दृष्टि को केंद्र में रखेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव चयनित उद्योगपतियों के साथ वन-टू-वन मीटिंग में प्रस्तावित परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा करेंगे।

जयपुर में आयोजित यह निवेश संवाद मध्यप्रदेश की औद्योगिक प्रगति और निवेश संभावनाओं को राष्ट्रीय उद्योग समुदाय से सीधे जोड़ने की एक महत्वपूर्ण और दूरदर्शी पहल साबित होगा।

पुराने टर्मिनल को भी नए एयरपोर्ट से जोड़ा, 24 मार्च को होगा लोकार्पण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट परपुराने टर्मिनल भवन का लोकार्पण 24 मार्च को किया जाएगा। नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस टर्मिनल का उद्घाटन करेंगे। यह टर्मिनल भी नए एयपोर्ट का हिस्सा रहेगा। नए टर्मिनल के शुरू होने के बाद एयरपोर्ट की कुल क्षमता बढ़कर सालाना 50 लाख यात्रियों तक पहुंच जाएगी। इससे एयरपोर्ट पर बढ़ते दबाव को कम करने में मदद मिलेगी।

सांसद शंकर लालवानी ने बताया कि 50 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस टर्मिनल को तैयार किया जा रहा है। इसमें करीब 400 यात्रियों के बैठने की व्यवस्था, 14 चेक-इन काउंटर, आगमन और प्रस्थान क्षेत्र में आरक्षित लाउंज तथा दिव्यांगजनों के लिए विशेष चेक-इन सुविधा उपलब्ध कराई गई है। साथ ही बड़ी पार्किंग की भी व्यवस्था विकसित की गई है।

यात्रियों की सुरक्षा और समय की बचत के लिए टर्मिनल में तीन एक्स-रे मशीनें लगाई गई हैं, जिससे चेकिंग प्रक्रिया तेज होगी। विंटर शेड्यूल के अनुसार 16 एटीआर विमान सेवाओं को इस टर्मिनल से संचालित किया जाएगा। जिससे प्रतिदिन लगभग तीन हजार से ज्यादा यात्रियों का आवागमन होगा। नए टर्मिनल उड़ान यात्री कैफे शामिल है, जहां किफायती फूड आइटम्स उपलब्ध होंगे।

घरेलू सिलेंडर की हो रही पर्याप्त आपूर्ति

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति व्यवस्था सुदृढ़ बनी हुई है। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा द्वारा विगत 10 दिनों में घरेलू सिलेंडर आपूर्ति एवं प्राप्त शिकायतों के निराकरण की समीक्षा हेतु आज रेसिडेंसी कोठी में बैठक आयोजित की गई। बैठक में इंडियन ऑयल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन तथा भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के सेल्स अधिकारी, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के अधिकारी तथा गैस एजेंसियों के डीलर उपस्थित रहे।

समीक्षा के दौरान पाया गया कि पिछले 10 दिनों में घरेलू उपभोक्ताओं को लगभग 3 लाख 63 हजार गैस सिलेंडरों की होम डिलीवरी की गई, जो सामान्य दिनों की तुलना में एक रिकॉर्ड है। सामान्यतः इसी अवधि में लगभग 2 लाख 60 हजार सिलेंडरों की आपूर्ति होती है।

कलेक्टर श्री वर्मा ने निर्देश दिए कि अस्पतालों एवं शैक्षणिक संस्थानों को, जिन्हें कमर्शियल सिलेंडर हेतु विशेष छूट प्रदान की गई है, उनकी आपूर्ति निर्बाध रूप से जारी रहे। साथ ही एस वी कनेक्शन, गैस बैंक एवं मैनिफोल्ड प्रणाली के अनुरूप ही सिलेंडरों का वितरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी ऑयल कंपनियों को निर्देशित किया कि हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों का निराकरण हर हाल में 24 घंटे के भीतर किया जाए तथा इसकी दैनिक रिपोर्ट जिला आपूर्ति कार्यालय को उपलब्ध कराई जाए।

बैठक में अवंतिका गैस पाइपलाइन के माध्यम से दिए जा रहे कनेक्शनों की भी समीक्षा की गई। जानकारी दी गई कि पिछले 10 दिनों में लगभग 600 घरेलू एवं 111 कमर्शियल पाइपलाइन कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। कलेक्टर श्री वर्मा ने निर्देश दिए कि जहां-जहां पाइपलाइन उपलब्ध है, वहां प्राथमिकता से कनेक्शन देकर सिलेंडर निर्भरता कम की जाए। साथ ही आवेदन के एक सप्ताह के भीतर कनेक्शन प्रदान करने की प्रक्रिया को और तेज किया जाए। आपूर्ति विभाग द्वारा विगत 10 दिनों में 92 प्रकरण दर्ज कर लगभग 300 सिलेंडर जब्त किए गए हैं तथा कुछ मामलों में अभियोजन की कार्रवाई भी की गई है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि इस प्रकार की कार्रवाई निरंतर जारी रखी जाए तथा शिकायतों के त्वरित निराकरण पर विशेष ध्यान दिया जाए।

ब्रजेश्वरी अग्निकांड -पहले कार में, फिर बिजली पोल से होते हुए दूसरी मंजिल तक पहुंची थी आग

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के ब्रजेश्वरी अग्निकांड में आग लगने के कारणों को लेकर अलग-अलग दावे सामने आ रहे हैं। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कार के चार्जिंग प्वाइंट में लगी आग से मकान जला, जबकि मृतक मनोज पुगलिया के बेटे सौरभ का दावा है कि कार चार्ज नहीं हो रही थी और बिजली के पोल के कारण आग लगी। बिजली कंपनी का कहना है कि यदि पोल से आग लगी होती तो पहले धमाका होता और इलाके की बिजली गुल हो जाती, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। पोल के पास कार खड़ी थी, जिससे पोल की केबलें जलीं और चिंगारियां उठीं। प्रारंभिक वीडियो में पहले कार जलती हुई दिखाई दे रही है और उसके बाद पोल में आग लगती नजर आती है। पोल की आग से पहली मंजिल पर जालियों पर लगा प्लास्टिक जला और आग दूसरी मंजिल तक पहुंच गई। फिलहाल इस अग्निकांड की जांच जारी है और रिपोर्ट अभी सामने नहीं आई है, लेकिन यह स्पष्ट है कि आग पर काबू पाने के प्रयासों में कई स्तरों पर लापरवाही सामने आई है। पुलिस और फायर ब्रिगेड की शुरुआती जांच में मकान में आग लगने की मुख्य वजह इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) की चार्जिंग के दौरान हुआ शॉर्ट सर्किट माना गया है। चार्जिंग के समय अचानक चिंगारी भड़की, जिससे वाहन में आग लगी और कार की बैटरी में भी विस्फोट हुए। हालांकि सौरभ का कहना है कि कार चार्जिंग पर नहीं थी और आग बिजली के पोल के कारण लगी। बिजली कंपनी के कार्यपालन यंत्री डी.के. तिवारी के अनुसार ट्रांसफार्मर ऑनलाइन सर्वर से जुड़ा है और डेटा के अवलोकन में यह पाया गया कि आग पहले बिजली पोल पर नहीं लगी। यदि ऐसा होता तो शॉर्ट सर्किट से ट्रांसफार्मर का फेज उड़ जाता और क्षेत्र की बिजली स्वतः बंद हो जाती, जबकि ऐसा नहीं हुआ। मकान में आग लगने के बाद ही बिजली विभाग ने आपूर्ति बंद की। वहीं पुलिस की फोरेंसिक जांच में ईवी कार और चार्जिंग से जुड़े साक्ष्य जुटाए गए हैं, हालांकि आग बुझाने के दौरान कई सबूत नष्ट हो गए।

इन लापरवाहियों के कारण फैली आग-मकान में अग्नि सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे, जिससे समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जा सका। चारों तरफ लगी लोहे की जालियों के कारण दमकलकर्मियों को भीतर पहुंचने में कठिनाई हुई।

फायर ब्रिगेड की गाड़ियां देरी से पहुंचीं और शुरुआत में केवल एक दमकल ही मौके पर थी, जबकि आग काफी बड़ी थी।

आग लगने के बाद स्थानीय लोग करंट के डर से बुझाने के प्रयास नहीं कर सके।

गली में खड़ी गाड़ियों को समय पर नहीं हटाया गया, जिससे राहत और बचाव कार्य प्रभावित हुआ।

बेमौस बारिश ने शहरवासियों को चौंकाया, तापमान गिरा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आमतौर पर चैत्र नवरात्रि के बाद गर्मी तेज पड़ती है, लेकिन इंदौर में पहले दिन बेमौसम बारिश ने शहरवासियों को चौंका दिया। रात दस बजे से पहले शहर के कई इलाकों में तेज बारिश हुई। फिर बूंदाबांदी होने लगी। इसके बाद दस मिनट तक तेज बारिश हुई। सड़कें खाली हो गई और लोग बारिश से बचने के लिए इधर-उधर भागे। इस कारण इंदौर में रात का तापमान भी गिर गया। रात को कई परिवारों को घरों में कूलर-एसी चलाने की ज़रूरत महसूस नहीं हुई। शुक्रवार सुबह भी सूर्य देवता ने दर्शन नहीं दिए और आसपास में बादल छाए हुए हैं।

मौसम विभाग का कहना है कि देश के कई हिस्सों में मौसम बदला हुआ है और दो दिन से बारिश भी हो रही है। अभी तक उत्तर भारत में ऐसा मौसम था, अब पश्चिमी मध्य प्रदेश में भी बादल छाए हुए हैं। यह मौसमी बदलाव एक चक्रवात के कारण हुआ है। वह अभी उत्तर भारत के हिस्से में है। गुरुवार को इंदौर संभाग के कई जिलों में बारिश हुई। खंडवा, रतलाम, धार के कई ग्रामीण इलाकों में ओले भी गिरे हैं। मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले तीन-चार दिनों तक मौसम इसी तरह का रहेगा। कहीं बादल रहेंगे तो कहीं हवाएं चलेंगी। गरज-चमक के साथ बूंदें भी बरस सकती हैं।

मंदसौर में भक्ति और उत्साह के साथ मना चेटीचंड महोत्सव, उमड़ा सिंधी समाज का जनसैलाब

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पूज्य सिंधी जनरल पंचायत एवं वरुण देव मंदिर समिति के संयुक्त तत्वावधान में सिंधी समाज के आराध्य देव भगवान श्री झूलेलाल का पावन जन्मोत्सव 'चेटीचंड' अत्यंत श्रद्धा, हर्षोल्लास और भव्यता के साथ मनाया गया। इस महापर्व के उपलक्ष्य में मंदसौर के सिंधी समाज द्वारा आयोजित विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने पूरे नगर को भक्तिमय कर दिया। कार्यक्रमों की इस भव्य श्रृंखला की शुरुआत प्रतिदिन प्रातःकाल निकलने वाली प्रभात फेरियों से हुई, जो लगातार पांच दिनों तक श्रद्धा का केंद्र बनी रहीं। यह प्रभात फेरी प्रतिदिन सुबह 6 बजे स्थानीय हेमू कालाणी चौराहे से प्रारंभ होकर समाज के विभिन्न क्षेत्रों और गलियों से गुजरी, जहां भजन-कीर्तन और 'आयोलाल झूलेलाल' के जयघोष के साथ घर-घर जाकर भगवान का अलख जगाया गया। प्रभात फेरी के अंतिम दिन यात्रा हेमू कालाणी चौराहे से प्रारंभ होकर वरुणदेव मंदिर पहुंची, जहां इसका विधि-विधान से समापन हुआ। इस दौरान मातृशक्ति, युवा वर्ग और वरिष्ठ जनों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

उत्सव की कड़ी में शुक्रवार, 20 मार्च को प्रातः काल एक विशाल वाहन रैली का युवा संगठन अध्यक्ष नितेश सतीदासानी (चिपू) के नेतृत्व आयोजन किया गया। इस रैली में समाज के युवाओं और महिलाओं ने केसरिया और श्वेत ध्वजों के साथ बढ़-चढ़कर भाग लिया। नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरी इस रैली का जगह-जगह पुष्प वर्षा और स्वल्पाहार के साथ भव्य स्वागत किया गया, जिससे आपसी भाईचारे और एकता का अनुपम दृश्य निर्मित हुआ। रैली के पश्चात दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक स्थानीय माहेश्वरी धर्मशाला में विशाल भंडारे (प्रसाद) का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पंक्तिबद्ध होकर प्रसाद ग्रहण किया। सेवा का यह क्रम अनवरत जारी रहा और रात्रि 8 बजे पुनः आम भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के हर वर्ग ने एक साथ बैठकर भोजन किया।

सायंकाल वरुणदेव मंदिर से एक भव्य चल समारोह निकाला गया, जो इस पूरे महोत्सव का मुख्य आकर्षण रहा। इस चल समारोह में शामिल भगवान झूलेलाल की आकर्षक झांकियों ने भक्तों का मन मोह लिया। चल समारोह की भव्यता बढ़ाने के लिए पंजाब के विशेष नगाड़े, आधुनिक डीजे और सुप्रसिद्ध बैंड-बाजे बुलाए गए थे, वहीं अहमदाबाद से आई शहनाइयों की गूंज ने वातावरण को पूरी तरह आध्यात्मिक बना दिया। चल समारोह में बच्चे राधा-कृष्ण और अन्य पौराणिक पात्रों की मनमोहक वेशभूषा में सजे हुए थे, वहीं समाज की महिलाएं एक समान 'ड्रेस कोड' में शामिल हुईं, जिससे आयोजन में अनुशासन और एकजुटता की झलक दिखाई दी।

संपूर्ण मार्ग में सिंधी समाज के साथ-साथ अन्य समाजों के प्रतिनिधियों द्वारा भी चल समारोह का भव्य स्वागत किया गया, जिसने आयोजन की गरिमा को और अधिक बढ़ा दिया। इस विशाल और सफल आयोजन को संपन्न कराने में पूज्य सिंधी जनरल पंचायत के अध्यक्ष वासुदेव सेवानी एवं महासचिव राजेश चाहूंजा की विशेष सक्रियता, कुशल प्रबंधन और महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम के समापन पर महासचिव राजेश चाहूंजा ने समस्त समाजजनों और नगरवासियों का आभार व्यक्त करते हुए इस आयोजन को श्रद्धा और एकता का प्रतीक बताया। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी कैलाश मनवानी ने दी।

25 मार्च से लगेगा पुस्तक मेला, तैयारियां जारी

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्वालियर जिले में संचालित विभिन्न स्कूलों में अध्ययनरत बच्चों को सस्ती दर पर किताबें, यूनीफॉर्म व स्टेशनरी उपलब्ध कराने के लिये ग्वालियर में 25 मार्च से 03 अप्रैल तक पुस्तक मेला (बुक फेयर) लगने जा रहा है। प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप यह बुक फेयर जिला प्रशासन द्वारा ग्वालियर मेला में सूर्य नमस्कार तिराहा के समीप स्थित शिल्प बाजार में लगाया जा रहा है। पुस्तक मेला की तैयारियां जारी हैं। पुस्तक मेले को लेकर पुस्तक विक्रेताओं, अभिभावकों व बच्चों में उत्साह देखने को मिल रहा है। पुस्तक मेले में सीबीएसई, आईएसई एवं एमपी बोर्ड से संबंध सभी निजी स्कूलों के पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकें व यूनीफॉर्म उपलब्ध रहेंगी।

जिला प्रशासन द्वारा बच्चों व उनके अभिभावकों के हित को ध्यान में रखकर लिए गए पुस्तक मेला लगाने के निर्णय का पुस्तक प्रकाशकों (पब्लिशर्स) व डीलर्स ने स्वागत किया है। पुस्तक विक्रेताओं को जिले के विभिन्न स्कूलों के पाठ्यक्रम उपलब्ध करा दिए गए हैं। साथ ही उनसे कहा गया है कि निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकों के सेट बच्चों एवं उनके अभिभावकों को उपलब्ध कराएं। वेंडर्स यानि पुस्तक विक्रेताओं द्वारा पहले से ही स्पष्ट कर दिया गया है कि पुस्तक मेला मे किताबें, स्टेशनरी व ड्रेस खरीदने वाले अभिभावकों को विशष छूट दी जायेगी। पुस्तक मेला लगने से अनाधिकृत पुस्तकें बेचने की प्रवृत्ति पर भी प्रभावी रोक लगेगी।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने स्पष्ट किया कि पुस्तक मेला अवधि के दौरान बाजार में किसी भी पुस्तक की दुकान से स्कूली पुस्तकें व स्टेशनरी नहीं बेची जा सकेंगीं। इस पर पुस्तक विक्रेताओं एवं एसोसिएशन के अधिकारियों ने भी सामूहिक रूप से सहमति जताई है।श्री अतुल सिंघल, श्री सचिन अग्रवाल व श्री धनराज तिवारी सहित अन्य पुस्तक विक्रेताओं का कहना है कि पुस्तक मेला को लेकर हम सब उत्साहित हैं।

उनका कहना है कि पुस्तक मेले में दुकानदार किताबों, स्टेशनरी व यूनीफॉर्म की बिक्री पर आकर्षक छूट देंगे। प्रभारी कलेक्टर श्री कुमार सत्यम ने जिला शिक्षा अधिकारी व डीपीसी सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को सभी पुस्तक विक्रेताओं को सूचित कर समय से दुकान लगवाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही मेला सचिव एवं नगर निगम के अधिकारियों को पुस्तक मेला परिसर में साफ-सफाई एवं अन्य व्यवस्थायें सुनिश्चित करने के लिये निर्देशित किया है।

इसी तरह विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों को पुस्तक मेला की अवधि में विद्युत आपूर्ति सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। पुस्तक मेला परिसर में पेयजल व्यवस्था एवं फूड स्टॉल लगवाने के लिये भी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों के लिये बनेगा बुक बैंक- आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के जरूरतमंद बच्चों को निःशुल्क पुस्तकें उपलब्ध कराने के लिये पुस्तक मेला परिसर में बुक बैंक भी स्थापित किया जायेगा।

जिले में अनेक स्थानों पर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत अनेक जल संरक्षण गतिविधियां आयोजित

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन के निर्देशानुसार प्रदेश के साथ ही सीहोर जिले मे 19 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जनभागीदारी के माध्यम से कुओं, तालाओं, नदियों एवं अन्य जल स्त्रोतों की साफ सफाई एवं गहरीकरण का कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही आमजन को जल संरक्षण के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है। अभियान के तहत जल स्त्रोतों के जीर्णोद्धार के लिए जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं नागरिक मिलकर श्रमदान कर रहे हैं, ताकि जल स्त्रोतों का संरक्षण हो सके। इसी क्रम जल संरक्षण गतिविधियों के अंतर्गत 20 मार्च को बुधनी के वार्ड क्रमांक 07 में पुराने बोरवेल की सफाई की गई और मोटर पंप डालकर बोर को चालू किया गया, जिससे वहां के नागरिकों को सुलभ पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। उल्लेखनीय है कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले में जल संरक्षण एवं संवर्धन से संबंधित खेत, तालाब, अमृत सरोवर, परकोलेशन टैंक, डगवेल, तालाब जीर्णोद्धार, जनभागीदारी के कार्य, कूप एवं बाउंड्री मरम्मत के कार्य किए जा रहे हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रमुख उद्देश्य जनभागीदारी से जल संरक्षण तथा संवर्धन सुनिश्चित करना है। इस अभियान के अंतर्गत समाज की भागीदारी तथा और विभिन्न सहयोगी विभागो की समेकित पहल से जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण, भूजल संवर्धन, पूर्व से मौजूद जल संग्रहण संरचनाओं की साफ सफाई एवं जीर्णोद्धार का कार्य किया जा रहा है। अभियान के तहत जल संरक्षण जागरूकता के लिए अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया भी किया जा रहा है।

सलकनपुर मंदिर परिसर में सुचारू रूप से संचालित हो रही हैं सभी व्यवस्थाएं

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। चैत्र नवरात्रि पर विजयासन देवी के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का सलकनपुर आगमन हो रहा है। श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना एवं दर्शन में किसी तरह की कोई परेशानी न हो इसके लिए कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार प्रशासन द्वारा सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त पार्किंग, पेयजल, साफ-सफाई तथा पर्याप्त बिजली की व्यवस्था की गई है। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के सुगम आगमन एवं निर्गमन के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। इसके साथ ही मेला स्थल पर दुकानों को व्यवस्थित ढंग से लगाया गया है, जिससे किसी प्रकार की असुविधा न हो। ट्रैफिक नियंत्रण के लिए भी पर्याप्त संख्या में पुलिस एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए हेल्थ कैंप लगाया गया हैं। जिससे श्रद्धालुओं को चिकित्सा की आवश्यकता पड़ने पर तत्काल रूप से मेडिकल सहायता प्रदान की जा रही है। इसके साथ ही इमरजेंसी सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण स्थानों पर एंबुलेंस की व्यवस्था भी की गई है। बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को मंदिर परिसर में कोई परेशानी न हो, इसके लिए मुख्य स्थानों पर हेल्प डेस्क बनाए गए हैं। इसके साथ ही मंदिर परिसर में कन्ट्रोल रूम भी बनाए गए हैं, जिससे ड्यूटी के दौरान सभी अधिकारी-कर्मचारी सतत संपर्क में हैं और पूरी मुस्तैदी से ड्यूटी कर रहे हैं।

प्रेस वार्ता : श्री तीन छत्री बालाजी धाम पर होगा पांच दिवसीय आयोजन, प्रतिदिन 27 जोडे यज्ञ शाला में बैठेंगे

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्री हनुमंत जन्मोत्सव के पावन उपलक्ष्य में पंचदिवसीय श्री हनुमान महायज्ञ का आयोजन श्री तीन छत्री बालाजी धाम परिसर पर हो रहा है। कार्यक्रम हेतु एक प्रेस वार्ता का आयोजन 20 मार्च शुक्रवार को श्री तीन छत्री बालाजी धाम परिसर पर किया गया जिसमें आयोजनों को लेकर विस्तृत जानकारी श्री श्री 108 श्री महंत श्रीरामकिशोर दास जी महाराज (श्री तीन छत्री बालाजी धाम, मन्दसौर), यज्ञाचार्य जी श्री विष्णु शर्मा (रठाना), श्री राघव गौड़ ने दी।

प्रेस वार्ता में श्री श्री 108 श्री महंत श्रीरामकिशोर दास जी महाराज ने श्री तीन छत्री बालाजी धाम की महता को बताते हुए कहा कि यह तीर्थ अत्यंत चमत्कारिक है। इस तीर्थ पर जो भी मनोकामना मांगी जाती है वह भगवान बालाजी पूर्ण करते है। आयोजनों के बारे में जानकारी देते हुए गुरूजी ने बताया कि महाभारत के शांति पर्व की यज्ञः सर्वस्य धारणम् यह सूक्ति कहती है की यज्ञ ही सभी विषयों को धारण करता हैं। हमारे जीवन में यज्ञ का अत्यधिक महत्व बताया गया सनातनी परम्परा में यज्ञ हमारे जीवन का अभिन्न अंग है। इसलिए प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्री हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर श्री तीन छत्री बालाजी धाम, मन्दसौर पर पांच दिवसीय आयोजन किये जा रहे है। जो 29 मार्च से प्रारंभ होगे और 2 अप्रैल को इसका समापन होगा। आयोजनों के अंतर्गत 29 मार्च रविवार को प्रातः 8 बजे कलश यात्रा निकाली जायेगी एवं पांच दिवसीय यज्ञ प्रारंभ होगे। 30 मार्च 2026,सोमवार को रात्री - 8 बजे से भव्य भजन संध्या होगी। 31 मार्च 2026, मंगलवार को रात्री - 8 बजे से सुन्दरकाण्ड का पाठ होगा। 1 अप्रैल को यज्ञ अनुष्ठान होगे, वही यज्ञ पूणार्हुति 02 अप्रेल 2026 गुरुवार को होगी। पूर्णाहूति के अवसर पर महाप्रसादी / भण्डारा का आयोजन सायं 5 बजे से प्रभु इच्छा तक रहेगा। इन कार्यक्रमों के अंतर्गत हनुमंत जन्मोत्सव पर ध्वजा यात्रा - दि. 2 अप्रेल 2026 गुरूवार, प्रातः 8 बजे, श्री बड़े बालाजी बस स्टेण्ड से प्रारंभ होगी जो विभिन्न मार्गो से होती हुई तीन छत्री बालाजी धाम पर पहुंचेगी। यज्ञाचार्य जी श्रीविष्णु शर्मा ने बताया कि प्रतिदिन 27 जोडे यज्ञ शाला में बैठेंगे। राघव गौड़ ने बताया कि यज्ञ में बैठने हेतु निर्धारित शुल्क रखा गया है लेकिन वह स्वैच्छिक है बिना शुल्क के भी यज्ञ में बैठा जा सकता है।

विकास के नाम पर विनाश नीमच-सिंगोली रोड निर्माण और डीकैन क्वाष्ट की बदहाली ने बढ़ाई जनता की मुसीबत

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच-सिंगोली मार्ग पर चल रहा सड़क निर्माण कार्य आमजन के लिए सुविधा के बजाय मुसीबत का सबब बन गया है। निर्माण एजेंसी और ठेकेदार की घोर लापरवाही के कारण यह मार्ग अब दुर्घटनाओं का हॉटस्पॉट बन चुका है। धूल के गुबार और सुरक्षा मानकों की अनदेखी के चलते आए दिन दोपहिया और चार पहिया वाहन चालक गंभीर सड़क हादसों का शिकार हो रहे हैं। ठेकेदार की मनमानीः न संकेतक, न सुरक्षा सड़क निर्माण के दौरान ठेकेदार द्वारा सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए हैं। मोड़ों पर रेडियम संकेतक या चेतावनी बोर्ड न होने से रात के समय वाहन अनियंत्रित होकर पलट रहे हैं। धूल को दबाने के लिए पानी का छिड़काव न होना भी वाहन चालकों की दृश्यता को प्रभावित कर रहा है, जिससे टकराने की घटनाएं बढ़ गई हैं। सिस्टम की मारः 108 नदारद निजी वाहनों का सहारा विडंबना देखिए, एक तरफ सड़क पर लोग लहूलुहान हो रहे हैं, तो दूसरी तरफ 108 एम्बुलेंस समय पर उपलब्ध नहीं हो पा रही है। डीकैन क्षेत्र में खुद की एम्बुलेंस सुविधा न होने से घायलों को घंटों सड़क पर तड़पना पड़ता है। मजबूरी में परिजनों को हजारों रुपये खर्च कर महंगे निजी वाहनों से घायलों को नीमच रेफर करना पड़ रहा है। मध्यम और गरीब वर्ग के लिए यह दोहरी मार साबित हो रही है। नगर परिषद डीकैन और जनप्रतिनिधि मौन क्षेत्र का सबसे बड़ा स्वास्थ्य केंद्र होते हुए भी डीकैन में आपातकालीन सेवाओं का अभाव जनप्रतिनिधियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि न तो निर्माण कार्य की गुणवत्ता और सुरक्षा पर कोई अधिकारी ध्यान दे रहा है और न ही अस्पताल में एम्बुलेंस की मांग को लेकर कोई ठोस पहल की जा रही है। क्षेत्रीय जनता ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि सड़क निर्माण में सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित कर ठेकेदार पर कड़ी कार्रवाई की जाए। डीकैन क्वाष्ट पर तत्काल एम्बुलेंस की स्थाई व्यवस्था की जाए ताकि सड़क हादसों में घायल होने वालों को समय पर गोल्डन ऑवर में इलाज मिल सके।

स्वामित्व योजना को लागू करने तथा शस्त्र लाइसेंस शुल्क में राहत की मांग

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा से स्वामित्व योजना लागू करने और शस्त्र लाइसेंस शुल्क में छूट की मांग जनसंघ पार्टी के प्रदेश महासचिव धर्मेन्द्र सिंह सिसोदिया द्वारा की गई। मध्य प्रदेश शासन को एक आवेदन के माध्यम से ध्यानाकर्षण मांग की गई, जिसमें प्रदेश की महत्वपूर्ण स्वामित्व योजना जिसमें ड्रोन सर्वे के पश्चात राजस्व विभाग द्वारा रिकार्ड तैयार कर आनलाइन उपलब्ध कराया गया है, उसमें वारिस नामांतरण, पंजीकृत विक्रय नामांतरण में त्रुटियों के साथ नाम उपनाम सहित अलग-अलग त्रुटियां रह गई है। जिससे नामांतरण आदि कार्य प्रारंभ नहीं हो पा रहा है। इन्हें शीघ्र दुरस्ती के आदेश दिए जाते है तो प्रशासन को नामांतरण बंटवारे आदि कार्य में आसानी होगी और आम जनता को इस महत्वाकांक्षी योजना का लाभ प्राप्त होगा। वहीं धर्मेन्द्र सिंह सिसोदिया ने एक ओर पत्र में मध्य प्रदेश सरकार से मांग की है कि जागीरदारों, राजा, महाराजाओं के जमाने की पुश्तैनी शस्त्र विरासत में मिली है वह उनकी अमूल्य धरोहर है, परंतु अन्य राज्यों की तुलना में अधिक लायसेंस शुल्क होने से लाइसेंसी हथियार धारकों को बहुत महंगा पड़ता है। चुनावी वर्ष में यह शस्त्र थानों में जमा रहते हैं अतः इसके लाइसेंस फीस को कम किया जाए। साथ ही आखेट पर प्रतिबंध तो उचित है, परंतु फसलों को नुक़सान पहुंचाने वाले वन्य प्राणियों को डराने और उत्सव आदि में आवाज वाले कारतुस इस्तेमाल करने की भी छूट दी जाना चाहिए।

राज्य स्तरीय इंग्लिश ओलंपियाड प्रतियोगिता के लिए जिले के चार विद्यार्थियों का हुआ चयन

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल द्वारा हर साल आयोजित की जाने वाली राज्य स्तरीय ओलंपियाड प्रतियोगिता में सीहोर जिले के चार छात्र-छात्राओं ने चयनित होकर जिले को गौरवान्वित किया है। राज्य स्तरीय इंग्लिश ओलंपियाड में जिले के इन प्रतिभावान टॉपर विद्यार्थियों को राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में सम्मानित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि जिला स्तरीय ओलंपियाड अंग्रेजी परीक्षा में भैरूंदा के ग्राम हाथीघाट नदीपार के शासकीय प्राथमिक स्कूल की कक्षा 03 की छात्रा कुमारी नंदिनी, कक्षा 04 के छात्र आर्यंस और कक्षा 02 के छात्र दक्ष टॉपर रहे हैं। इसी प्रकार भैरूंदा के ही ग्राम नंदगांव के शासकीय माध्यमिक शाला की कक्षा 05 की छात्रा कुमारी अल्फिया खान ने भी परीक्षा के उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इसके साथ ही अब इन बच्चों को राज्य स्तरीय ओलंपिक प्रतियोगिता के लिए चयन हो गया है। इन सभी टॉपर बच्चों को उनके अभिभावकों एवं मार्गदर्शी शिक्षकों के साथ 22 एवं 23 मार्च को ग्वालियर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में सम्मानित किया जाएगा। इन सभी बच्चों की इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए कलेक्टर श्री बालागुरू के. और जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव सहित जिला शिक्षा अधिकारी श्री संजय सिंह तोमर, डीपीसी श्री रमेश राम उइके, एपीसी श्री सुरेंद्र सिंह यादव ने बच्चों, अभिभावकों और उनके मार्गदर्शी शिक्षकों को हार्दिक बधाई दी हैं।

मनासा के खेड़ी दायमा गांव में श्मशान घाट की बदहाली, अंतिम संस्कार से पहले ग्रामीणों ने खुद की झाड़ियों की सफाई

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के मनासा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खेड़ी दायमा में शुक्रवार को एक मार्मिक और चिंताजनक घटना सामने आई। गांव के श्मशान घाट की बदहाली के कारण शोक संतप्त परिवार और ग्रामीणों को अंतिम संस्कार से पहले खुद ही कंटीली झाड़ियों को साफ करना पड़ा। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

जानकारी के अनुसार, गांव में एक व्यक्ति की मृत्यु के बाद परिजन शव लेकर श्मशान घाट पहुंचे। वहां का नजारा किसी जंगल से कम नहीं था। परिसर में घनी झाड़ियां और अव्यवस्था के कारण दाह संस्कार संभव नहीं था। ग्रामीणों ने करीब एक घंटे तक मेहनत कर झाड़ियों को हटाया, तब जाकर अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी हो सकी।

ग्रामीणों ने कहा कि कई बार इस समस्या की शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इस घटना ने न केवल प्रशासनिक लापरवाही को उजागर किया, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं की अनदेखी का भी जीता-जागता उदाहरण पेश किया।

गांव में घटना के बाद आक्रोश का माहौल है और लोग जल्द से जल्द श्मशान घाट की साफ-सफाई और समुचित व्यवस्था की मांग कर रहे हैं।

यह सवाल अब भी गंभीर रूप से उठता है कि आखिर कब तक ग्रामीणों को अपनी मूलभूत सुविधाओं के लिए खुद संघर्ष करना पड़ेगा, जबकि जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ते रहेंगे।

पिपलिया में चेटीचंड जुलूस दौरान मधुमक्खियों का हमला, 10 लोग घायल

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिपलिया में चेटीचंड महोत्सव के अवसर पर सिंधी समाज द्वारा निकाले जा रहे जुलूस के दौरान शुक्रवार को मधुमक्खियों के अचानक हुए हमले से अफरा-तफरी मच गई। इस घटना में करीब 10 लोग घायल हो गए, जिनमें महिला, पुरुष एवं बच्चे शामिल हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार दोपहर करीब 12 बजे पुराना अस्पताल रोड स्थित जैन धर्मशाला के पास चेटीचंड पर्व के उपलक्ष्य में सिंधी समाज का जुलूस निकाला जा रहा था। जुलूस में बड़ी संख्या में समाजजन उत्साहपूर्वक शामिल थे और धार्मिक गीतों व जयकारों के साथ आगे बढ़ रहे थे। इसी दौरान अचानक मधुमक्खियों का झुंड सक्रिय हो गया और जुलूस में शामिल लोगों पर हमला कर दिया। मधुमक्खियों के हमले से मौके पर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई और लोग इधर-उधर भागने लगे। कुछ ही देर में स्थिति को संभाला गया और घायलों को तत्काल पास के निजी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार किया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मधुमक्खियां आकार में छोटी थीं, जिससे हमले में किसी को गंभीर चोट नहीं आई। सभी घायलों की स्थिति सामान्य बताई जा रही है। घटना के बाद कुछ समय के लिए जुलूस को रोका गया, बाद में स्थिति सामान्य होने पर कार्यक्रम पुनः प्रारंभ किया गया।

राशन हितग्राहियों को एकमुश्त प्रदान की जाएगी दो-दो माह की राशन सामग्री

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन द्वारा सभी पात्र राशन हितग्राहियों को मार्च-अप्रैल एवं मई-जून दो-दो माह की राशन सामग्री एक साथ वितरित करने के निर्देश दिए गए हैं। जारी निर्देशानुसार सभी पात्र परिवारों को मार्च-अप्रैल की राशन सामग्री 10 मार्च से 15 अप्रैल के बीच और मई-जून की राशन सामग्री 01 मई से 31 मई के बीच एक मुश्त प्रदान की जाएगी।

पीओएस मशीन में मार्च एवं अप्रैल माह की राशन सामग्री के माहवार वितरण की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। हितग्राही को राशन प्राप्त करने के लिए माहवार पीओएस मशीन पर बायोमेट्रिक सत्यापन करना होगा। अर्थात हितग्राही को दो माह का राशन एक साथ प्राप्त करते समय पीओएस मशीन पर दो बार अंगूठा लगाना होगा।

ईद, नवरात्रि व रामनवमी को लेकर नीमच पुलिस की बलवा परेड ओर मॉक ड्रिल,156 जवानों ने किया दंगा नियंत्रण का अभ्यास

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी ईद-उल-फितर, नवरात्रि एवं रामनवमी जैसे महत्वपूर्ण पर्वों को देखते हुए जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से नीमच पुलिस द्वारा शुक्रवार को पुलिस लाइन कनावटी में व्यापक स्तर पर बलवा परेड एवं मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस अभ्यास में जिले के कुल 156 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लेकर दंगा नियंत्रण की तैयारियों को परखा।मॉक ड्रिल के दौरान पुलिस बल ने संभावित बलवा (दंगे) की स्थिति से निपटने के विभिन्न तरीकों का प्रदर्शन किया। इसमें बलवाईयों को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज, टीयर गैस के गोले छोड़ना एवं फायरिंग जैसे कदमों का अभ्यास किया गया। ड्रिल के दौरान परिदृश्य को वास्तविक बनाने के लिए 5 बलवाईयों के घायल होने की स्थिति भी दर्शाई गई,जिससे जवानों की प्रतिक्रिया क्षमता का परीक्षण किया जा सके।इस बलवा परेड एवं मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य त्योहारों के दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति में पुलिस बल की तत्परता, समन्वय और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करना रहा। अभ्यास के दौरान पुलिस अधिकारियों ने भीड़ नियंत्रण, आपात स्थिति में रणनीतिक निर्णय और बल प्रयोग के संतुलित उपयोग का प्रशिक्षण लिया।कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवल सिंह सिसोदिया ने मौके पर पहुंचकर ड्रिल का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वहीं, पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को त्योहारों के दौरान पूर्ण मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करने और लगातार ऐसे मॉक ड्रिल आयोजित करने के निर्देश दिए।इस अवसर पर नगर पुलिस अधीक्षक किरण चौहान, एसडीओपी जावद रोहित राठौर, एसडीओपी मनासा निकिता सिंह सहित जिले के अधिकांश थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी एवं अन्य पुलिस बल उपस्थित रहे।नीमच पुलिस की इस बलवा परेड और मॉक ड्रिल ने यह संदेश दिया कि त्योहारों के दौरान शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क और तैयार है।

सम्पादकीय

ईद का सच - खुशी बाँटने में मिलती है, रखने में नहीं

ईद-उल-फ़ित्र केवल एक सामान्य उत्सव नहीं, बल्कि आत्मसंयम, धैर्य और आध्यात्मिक शक्ति की सर्वोच्च विजय का अनुपम प्रतीक है। रमज़ान की तपस्या ने शरीर को शुद्ध किया, मन को स्थिर और अडिग बनाया, और आत्मा में गहरी संतुलन और ताकत भर दी। परिवार और मित्रों के साथ गले मिलना, मिठाइयाँ बाँटना, जरूरतमंदों की मदद करना और नमाज़ पढ़ना केवल परंपरा नहीं, बल्कि समाज में प्रेम, सौहार्द और एकजुटता का सजीव संदेश है। ईद यह सिखाती है कि असली स्वतंत्रता केवल अनुशासन, आत्मसंयम और सामाजिक जिम्मेदारी में निहित है, और यही मूल्य जीवन को सार्थक, स्थिर और पूर्ण बनाते हैं। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि वास्तविक खुशी बाहरी भोग-भंडार में नहीं, बल्कि आंतरिक शक्ति, साझा संवेदनाओं और मानवता की गहन समझ में है।

ईद-उल-फ़ित्र वह क्षण है जब आत्मा और मन का पुनर्जागरण अपनी पूर्णता पर पहुँचता है। पूरे महीने की अनुशासित दिनचर्या ने दिमाग और आत्मा को संयम, धैर्य और संतुलन का पाठ पढ़ाया है। यह दिन आज की डिजिटल और तुलना-प्रधान दुनिया में वास्तविक मानवीय संबंधों और गहरे संवाद की याद दिलाता है। परिवार और मित्रों के साथ बिताया गया समय, बिना किसी स्क्रीन के खुला संवाद, और दुआएँ जो केवल व्यक्तिगत नहीं बल्कि पूरे समाज और मानवता के कल्याण के लिए होती हैं, भीतर से शांति और नई ऊर्जा भरती हैं। माफी और क्षमा का संदेश इस दिन और भी स्पष्ट रूप से प्रकट होता है, जो हर व्यक्ति के भीतर नई शुरुआत, आत्मविश्वास और जीवन की सच्ची शक्ति जगाता है।

ईद-उल-फ़ित्र केवल त्योहार नहीं, बल्कि रमज़ान के अनुशासन के साथ-साथ आज के समय में पर्यावरण संरक्षण और सतत जीवन के महत्व का भी प्रेरणादायक संदेश है। इस दिन तैयार होने वाले भोजन को आवश्यकता के अनुसार रखना और अनावश्यक बर्बादी से बचना इस्लामी शिक्षाओं (इसराफ़ न करने) के अनुरूप है। नए कपड़े पहनने की परंपरा न केवल उत्सव की खुशी बढ़ाती है, बल्कि पुराने कपड़ों को दान कर जरूरतमंदों तक पहुँचाने का संदेश भी देती है, जो सस्टेनेबल फैशन को प्रोत्साहित करता है। फितरा और ज़कात गरीबों और अनाथों को शामिल करने का अवसर प्रदान करते हैं, जबकि घर पर और प्राकृतिक तरीके से बनाई गई मिठाइयाँ प्रोसेस्ड फूड के प्रति सतर्कता की प्रेरणा देती हैं। ईद हमें यह सिखाती है कि लालच से दूर रहकर, संसाधनों का सम्मान करके और सामूहिक संतोष अपनाकर, जीवन और समाज में संतुलन कायम किया जा सकता है।

ईद-उल-फ़ित्र युवाओं के लिए केवल त्योहार नहीं, बल्कि आत्मिक और मानसिक सशक्तिकरण का अवसर है। यह दिन उन्हें वर्चुअल दुनिया से बाहर निकलकर असली रिश्तों और संवाद में निवेश करने की प्रेरणा देता है। तनाव और चिंता से जूझ रहे युवाओं के लिए ईद अनुशासन और संयम की ताकत याद दिलाती है, जिससे आत्मविश्वास और साहस बढ़ता है। खेल, मिलन समारोह और सामाजिक गतिविधियाँ टीम भावना, सहयोग और सामूहिक समझ का संदेश देती हैं। असली खुशी सोशल मीडिया में नहीं, बल्कि वास्तविक कनेक्शन और साझा अनुभव में निहित है। यह त्यौहार युवाओं को नई ऊर्जा और उत्साह देता है, ताकि वे अपने सपनों और करियर की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ सकें।

ईद-उल-फ़ित्र वैश्विक एकता और मानवता का प्रतीक भी है। यह दिन पूरी दुनिया में एकसाथ मनाया जाता है, जो दर्शाता है कि मानवता की सीमाएँ किसी देश या धर्म से बड़ी हैं। युद्ध और विभाजन के समय में यह प्रेम, भाईचारे और सहयोग का संदेश फैलाती है। गिफ्ट्स का आदान-प्रदान केवल वस्तुएँ नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और भावनात्मक पुल बनाता है। हर धर्म और समुदाय इसके संदेश से प्रेरित होकर बलिदान, त्याग और एकजुटता का महत्व समझ सकता है। ईद की नमाज़ वैश्विक प्रार्थना है, जो शांति, सहिष्णुता और सहयोग की कामना करती है और सिद्ध करती है कि छोटी परंपराएँ भी बड़े बदलाव की नींव रख सकती हैं।

ईद-उल-फ़ित्र जीवन में सफलता, संतोष और खुशहाली की राह दिखाती है। यह बताती है कि अनुशासन, धैर्य और सामूहिकता ही जीवन को सार्थक बनाते हैं। यह त्योहार हर अंधेरे के बाद रोशनी का प्रतीक है और मानव जीवन को नई दिशा देता है।

चैतन्य की गहनता, अनुभूति व उपयोग को समझें सहज योग से - करें नवरात्रि को सार्थक

हमारे अंदर स्थित सुक्ष्म शरीर का ज्ञान और अपने अंतर्शक्ति का आभास हमें तब होगा जब हम इस शक्ति को समझने की शुद्ध और दृढ़ इच्छाशक्ति रखेंगे। जिस प्रकार जिस समय सृष्टि का निर्माण हुआ धरती के अंदर निर्माण की शक्ति निहित थी। वैसे ही, मनुष्य के सृष्टि के पूर्व उनके अंदर भी एक शक्ति स्थापित कर दी गई। यह हमारे अंदर की कुंडलिनी शक्ति है, यही आदिशक्ति? का प्रतिबिंब है, इसे आदि कुंडलिनी कह सकते हैं। आदिशक्ति और आदि कुंडलिनी में अंतर यह है कि आदि कुंडलिनी कुंडलिनी शक्ति का प्रतिनिधित्व करती है और आदिशक्ति परम चैतन्य का। कुंडलिनी शक्ति हमारे रीढ़ की हड्डी के नीचे स्थित सेक्रम बोन अर्थात् त्रिकोणाकार अस्थि में स्थित है, जो मानव? में प्रतिबिंबित होता है और इसके जागृत होते ही आदिशक्ति का परम चैतन्य हमारी हथेली से प्रवाहित होने लगता है।

आदि कुंडलिनी के नीचे श्री गणेश को बिठाया गया है जो अपनी माँ आदि कुंडलिनी के संरक्षक हैं। हमारी त्रिकोणाकार अस्थि के नीचे मूलाधार चक्र है और यही श्री गणेश का स्थान है। जब तक मूलाधार चक्र स्वच्छ नहीं होगा, श्री गणेश का गुण अबोधिता और सत् सत् विवेक बुद्धि मानव के अंदर प्रस्थापित नहीं होगा तब तक माँ कुंडलिनी जागृत नहीं होगी। आदिशक्ति के परम चैतन्य से एकाकारिता पाने के लिए हमारे अंदर की कुंडलिनी शक्ति की जागृति होनी चाहिए। नवरात्र के शुभ अवसर पर साधक इस ओर प्रयास कर सकते हैं। सहज योग के सेंटर्स? हर शहर और लगभग हर गांव में हैं, जहाँ जाकर सहज योग से जुड़ा जा सकता है। इसके अलावा ऑनलाइन भी सहज योग का ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। सहज योगी साधक आत्मसाक्षात्कारी कहलाते हैं क्योंकि उन्होंने ईश्वरीय शक्ति का आभास अपने हथेली और सिर के तालु भाग पर महसूस कर लिया है।

सहज योग में आया साधक यह महसूस करने लगता है कि वो वास्तव में एक अच्छा इंसान है। चैतन्य लहरियों के कार्यरत होते ही हम सभी इच्छाओं और आकांक्षाओं से उपर उठकर एक आनंद लोक के सदस्य बन जाते हैं। हमें इस संसार के भीड़ के अंग मात्र बनकर नहीं रह जाना है अपितु अपने विवेक को जागृत कर ईश्वरीय साम्राज्य में प्रवेश करना है।

चैतन्य लहरियॉं हमारा विकास करती है, हमारे अंदर सद्गुण स्थापित करती है, अंतर्दर्शन से हमारे अंदर की समस्त नकारात्मकता नष्ट हो जाती है, चैतन्य लहरियों से हम अपने और अन्यों के चक्रों को समझने लगते हैं। चैतन्य लहरियॉं हमें ज्योतिर्मय करती हैं और यह अनुभूति हमारी दैवीय शक्ति से एकाकारिता को पूर्णत्व प्रदान करती है। हम अपनी चैतन्य लहरियों से दूसरों का दुख दूर कर सकते हैं। क्योंकि यहाँ हमारी शुद्ध इच्छा कार्य करती है। ईश्वर से जुड़े होने के कारण हमारी प्रार्थनायें सहज स्वीकार कर ली जाती है।

हमारे जीवन में, हमारी भाव भंगिमाओं में, हमारे स्वाभाव में और दूसरों के प्रति हमारे व्यवहार में सुंदर बदलाव आने लगता है। आज समाज में हर कोई पूर्ण संतुष्टि, शांति और धैर्य से जीवन जीना चाहता है और आत्मसाक्षात्कार? पाने की शुद्ध इच्छा शक्ति से हम इस स्थिति को पा सकते हैं।

सृष्टि संतुलन के लिये वनों की पुकार सुननी होगी

21 मार्च को प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस केवल एक प्रतीकात्मक उत्सव नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के सामने खड़ी एक गंभीर चुनौती की ओर संकेत करने वाला अवसर है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2012 में इस दिवस की घोषणा इस उद्देश्य से की गई थी कि विश्व समुदाय वनों के महत्व को समझे, उनके संरक्षण के लिए संगठित प्रयास करे और प्रकृति के साथ संतुलित सह-अस्तित्व की दिशा में आगे बढ़े। आज जब पृथ्वी अभूतपूर्व पर्यावरणीय संकटों से जूझ रही है, तब इस दिवस की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। वर्ष 2026 की थीम ÷वन और भोजन÷ यह स्पष्ट करती है कि वन केवल हरित आच्छादन नहीं, बल्कि वैश्विक खाद्य सुरक्षा के मूल स्तंभ हैं।

वर्तमान समय में पर्यावरणीय असंतुलन अपने चरम पर है। जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में वृद्धि, अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती आवृत्ति ने मानव जीवन को संकटग्रस्त कर दिया है। इन परिस्थितियों में वन एक ऐसे प्राकृतिक तंत्र के रूप में सामने आते हैं, जो पृथ्वी के संतुलन को बनाए रखने में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। वे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर वैश्विक तापवृद्धि को नियंत्रित करते हैं, जल चक्र को संतुलित रखते हैं और मृदा अपरदन को रोकते हैं। इसके बावजूद, विडंबना यह है कि मानव अपनी तात्कालिक आवश्यकताओं और आर्थिक विकास की अंधी दौड़ में वनों का अंधाधुंध दोहन कर रहा है। यही कारण है कि आज वन महोत्सव जैसे आयोजनों की आवश्यकता केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक जागरण के रूप में महसूस की जा रही है।

वनों की उपयोगिता का दायरा केवल पर्यावरणीय संतुलन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आर्थिक और सामाजिक जीवन से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। 2026 में प्रस्तावित ÷वनों और अर्थव्यवस्था÷ थीम इस तथ्य को रेखांकित करती है कि वन सतत आर्थिक विकास के आधार हैं। लाखों लोगों की आजीविका सीधे तौर पर वनों पर निर्भर है। लघु वनोपज, औषधीय पौधे, रेजिन, गोंद, शहद और बांस जैसे उत्पाद न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाते हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इसके साथ ही, इको-टूरिज्म के माध्यम से भी रोजगार के नए अवसर उत्पन्न हो रहे हैं।

इस प्रकार वन एक ऐसे आर्थिक संसाधन के रूप में सामने आते हैं, जो विकास और संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित कर सकते हैं। वनों का सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व भी कम नहीं है। विशेष रूप से स्वदेशी और आदिवासी समुदायों के लिए वन जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। उनकी परंपराएँ, आस्थाएँ और जीवनशैली वनों से ही संचालित होती हैं। वन उनके लिए केवल संसाधन नहीं, बल्कि अस्तित्व का आधार हैं। इसी कारण, वन संरक्षण केवल पर्यावरणीय मुद्दा नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और सांस्कृतिक संरक्षण का भी विषय है। वन महोत्सव जैसे आयोजन समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर लाकर इस साझा जिम्मेदारी का बोध कराते हैं कि वनों की रक्षा केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है।

भारत के संदर्भ में वनों का महत्व और भी अधिक व्यापक और बहुआयामी है। यहाँ वन केवल प्राकृतिक संपदा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक हैं। भारतीय परंपरा में वृक्षों को देवतुल्य माना गया है। पीपल, वट और नीम जैसे वृक्ष केवल जैविक इकाइयाँ नहीं, बल्कि जीवनदायी शक्ति के रूप में पूजे जाते हैं। भारत की समृद्ध जैव विविधता वनों पर ही निर्भर है, और इसका संरक्षण देश की पारिस्थितिक सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। वन देश की जलवायु को संतुलित रखने, वर्षा चक्र को नियंत्रित करने और कृषि उत्पादन को स्थिर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारत में वनों की उपयोगिता का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि वे ग्रामीण और आदिवासी जीवन की आधारशिला हैं। देश के लाखों लोग अपनी आजीविका के लिए वनों पर निर्भर हैं। भोजन, ईंधन, चारा और औषधीय आवश्यकताओं की पूर्ति वनों के माध्यम से होती है। इसके अतिरिक्त, वन जल संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिससे नदियों और जल स्रोतों का अस्तित्व बना रहता है। आज जब देश के कई हिस्सों में जल संकट गहराता जा रहा है, तब वन संरक्षण की आवश्यकता और भी अधिक स्पष्ट हो जाती है।

वर्तमान शासनकाल में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वन संरक्षण और हरित विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण पहलें की गई हैं। ÷हरित भारत मिशन÷ के तहत बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य देश के वन क्षेत्र को बढ़ाना और पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखना है। ÷नमामि गंगे÷ परियोजना के माध्यम से नदियों के किनारे वृक्षारोपण कर जल संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण के प्रयास किए गए हैं। इसके साथ ही, कैम्पा फंड के प्रभावी उपयोग से वन पुनर्स्थापन और संरक्षण कार्यों को गति मिली है। सरकार ने शहरी क्षेत्रों में भी हरित आवरण बढ़ाने के लिए मियावाकी पद्धति को प्रोत्साहित किया है, जिससे छोटे-छोटे स्थानों में घने वन विकसित किए जा रहे हैं। इन पहलों के माध्यम से यह स्पष्ट होता है कि वर्तमान समय में विकास और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ लेकर चलने का प्रयास किया जा रहा है। सरकार की नीतियाँ यह दर्शाती हैं कि यदि सही दृष्टिकोण अपनाया जाए, तो आर्थिक विकास और पर्यावरणीय संतुलन के बीच सामंजस्य स्थापित किया जा सकता है। हालांकि, यह भी आवश्यक है कि इन प्रयासों में जनसहभागिता को और अधिक बढ़ाया जाए, क्योंकि वनों की सुरक्षा केवल सरकारी योजनाओं से संभव नहीं, बल्कि समाज के सामूहिक प्रयासों से ही सुनिश्चित की जा सकती है।

अंततः वन महोत्सव और अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस हमें यह संदेश देते हैं कि प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखना ही मानव सभ्यता की स्थिरता का आधार है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम वनों को केवल संसाधन के रूप में न देखें, बल्कि उन्हें अपने जीवन का अभिन्न अंग मानें। जब तक यह दृष्टिकोण विकसित नहीं होगा, तब तक पर्यावरणीय संकटों का समाधान संभव नहीं है। यदि हम सचमुच अपने भविष्य को सुरक्षित रखना चाहते हैं, तो हमें वनों की रक्षा को अपनी प्राथमिकता बनाना होगा। यही वन महोत्सव की वास्तविक सार्थकता है और यही अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस का मूल संदेश भी।

-ललित गर्ग

एक नया भारत, जहां हर नन्हीं सांस सुरक्षित कल की नींव रखती है

भारत ने इतिहास रच दिया है– और इस बार यह उपलब्धि किसी युद्ध, अर्थव्यवस्था या तकनीक की नहीं, बल्कि मानवता की सबसे कोमल धरोहर, हमारे बच्चों की सुरक्षा से जुड़ी है। वह देश, जहां कभी हर हजार में सैकड़ों बच्चे पांच साल की उम्र तक पहुंचने से पहले ही जिंदगी हार जाते थे, आज उसी भारत में बचपन पहले से कहीं ज्यादा सुरक्षित और आश्वस्त नजर आता है। लगभग तीन दशकों में बाल मृत्यु दर में 79 प्रतिशत की ऐतिहासिक गिरावट केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों की आंखों में लौटी मुस्कान और अनगिनत सपनों की नई शुरुआत है। संयुक्त राष्ट्र की ताजा रिपोर्ट ने इस परिवर्तन को न केवल स्वीकारा है, बल्कि भारत की खुले दिल से सराहना करते हुए इसे वैश्विक उदाहरण बताया है। यह वह क्षण है जब हर भारतीय को गर्व से भर जाना चाहिए।

बीते तीन दशकों में भारत ने जो बदलाव देखा है, वह किसी चमत्कार से कम नहीं है। 1990 में जहां हर 1000 में से 127 बच्चों की मौत पांच साल से पहले हो जाती थी, वहीं 2024 तक यह आंकड़ा घटकर सिर्फ 27 रह गया है। नवजात शिशुओं की मृत्यु दर भी 57 से घटकर 17 प्रति 1000 हो गई है। ये आंकड़े केवल संख्या नहीं, बल्कि उन असंख्य जीवनों की कहानी हैं जिन्हें समय रहते बचाया गया। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट इन तथ्यों की पुष्टि करती है, जिससे यह उपलब्धि और भी विश्वसनीय और महत्वपूर्ण बनती है। यह परिवर्तन दिखाता है कि मजबूत इच्छाशक्ति और सटीक नीतियों के साथ असंभव भी संभव हो सकता है।

भारत की प्रगति को 2025 की यूएन आईजीएमई रिपोर्ट ने प्रभावशाली ढंग से रेखांकित किया है। इसके अनुसार, अंडर-5 मृत्यु दर में 79 प्रतिशत और नवजात मृत्यु दर में लगभग 70 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है। दक्षिण एशिया में भी भारत ने अग्रणी भूमिका निभाते हुए कुल कमी में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वैश्विक स्तर पर जहां कई देशों की प्रगति धीमी पड़ रही है, वहीं भारत ने निरंतर सुधार बनाए रखते हुए खुद को 'एक्जेम्पलर' यानी आदर्श के रूप में स्थापित किया है। इतनी बड़ी और विविध आबादी के बावजूद यह उपलब्धि दिखाती है कि सही रणनीति और समर्पण से बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं।

इन बदलावों के पीछे भारत सरकार की योजनाओं और नीतियों का मजबूत तंत्र सक्रिय रहा है। जननी सुरक्षा योजना और जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम ने संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देकर प्रसव के दौरान होने वाली जटिलताओं को कम किया। यूनिवर्सल इम्यूनाइजेशन प्रोग्राम के जरिए बच्चों को समय पर टीकाकरण मिला, जिससे कई घातक बीमारियों पर नियंत्रण संभव हुआ। स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट्स और टेली-एसएनसीयू जैसी पहलों ने दूरदराज क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई। साथ ही आईएमएनसीआई जैसी योजनाओं ने बच्चों के बीमार होने पर त्वरित और प्रभावी इलाज सुनिश्चित किया।

-कृति आरके जैन

अली लारिजानी की हत्या से अमेरिका इजरायल के बीच बिगड़ते कूटनीतिक समीकरण

इज़रायल द्वारा अली लारिजानी की कथित हत्या ने मध्य-पूर्व के भू-राजनीतिक परिदृश्य को एक ऐसे मोड़ पर ला खड़ा किया है, जहाँ पहले से सुलग रहा ईरान इजरायल संघर्ष अब खुली ज्वाला में परिवर्तित होता दिखाई दे रहा है। लगभग बीस दिनों से जारी इस संघर्ष ने अब केवल सैन्य सीमाओं को नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के संतुलन को भी बुरी तरह प्रभावित करना शुरू कर दिया है। ऊर्जा बाजारों में भारी उतार-चढ़ाव, तेल और गैस की कीमतों में उछाल, और अंतरराष्ट्रीय व्यापार की अनिश्चितता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यह युद्ध केवल क्षेत्रीय नहीं रहा, बल्कि वैश्विक संकट का रूप ले चुका है। अमेरिका का यह दावा है कि इज़रायल ने बिना पूर्व अनुमति के यह कार्रवाई की है, रणनीतिक साझेदारी में दरार का संकेत देता है, और यही दरार अब अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनती जा रही है। डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले अमेरिकी दृष्टिकोण को यदि उनके दोनों कार्यकालों के संदर्भ में देखा जाए तो एक दिलचस्प विरोधाभास सामने आता है।पहले कार्यकाल में ट्रम्प की नीति आक्रामक होते हुए भी नियंत्रित थी, जहाँ उन्होंने ईरान पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाए, ईरान न्यूक्लियर डील से बाहर निकलकर दबाव की राजनीति को अपनाया, लेकिन साथ ही प्रत्यक्ष बड़े युद्ध से बचने की रणनीति भी बनाए रखी, वे ÷अधिकतम दबाव÷ की नीति के माध्यम से ईरान को झुकाना चाहते थे, न कि सीधे सैन्य टकराव में उलझना। इसके विपरीत दूसरे कार्यकाल में परिदृश्य अधिक जटिल और अनियंत्रित प्रतीत होता है, जहाँ सहयोगी देशों के बीच भी समन्वय की कमी सामने आ रही है, इज़रायल द्वारा बिना सूचना के की गई इस कार्रवाई ने यह दर्शा दिया है कि अब अमेरिका की पकड़ अपने सहयोगियों पर पहले जैसी नहीं रही, और निर्णय अधिक बिखरे हुए तथा आक्रामक हो गए हैं। अली लारीजानी को ईरान के भीतर एक संतुलित और संवाद समर्थक नेता माना जाता रहा है, उनकी अनुपस्थिति ने ईरान की राजनीति में कठोर रुख रखने वाले धड़ों को और अधिक प्रभावशाली बना दिया है, जिससे किसी भी प्रकार के युद्धविराम या समझौते की संभावना लगभग समाप्त हो गई है, वहीं इजरायल की रणनीति अब स्पष्ट रूप से निर्णायक सैन्य बढ़त हासिल करने की दिशा में बढ़ती दिख रही है, जिसमें कूटनीति के लिए बहुत कम स्थान बचा है। इस संघर्ष का विस्तार तब और स्पष्ट हो गया। कतर में स्थित गैस और तेल भंडारों पर हमलों की खबरें सामने आईं, यह केवल सैन्य शक्ति प्रदर्शन नहीं, बल्कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को नियंत्रित करने की रणनीतिक चाल भी है, जिसका प्रभाव यूरोप, एशिया और विशेषकर विकासशील अर्थव्यवस्थाओं पर गहराई से पड़ रहा है। ट्रम्प के दोनों कार्यकालों की तुलना इस पूरे संकट को समझने में महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रदान करती है।पहले कार्यकाल में उन्होंने शक्ति और कूटनीति के बीच एक संतुलन बनाए रखने की कोशिश की, जहाँ दबाव के साथ संवाद की संभावना जीवित रही, लेकिन दूसरे कार्यकाल में परिस्थितियाँ अधिक अस्थिर और अप्रत्याशित हो गई हैं, सहयोगी देशों की स्वतंत्र कार्रवाइयाँ, क्षेत्रीय शक्तियों की आक्रामकता, और कूटनीतिक संवाद का लगभग समाप्त हो जाना यह संकेत देता है कि अब वैश्विक व्यवस्था अधिक विखंडित हो चुकी है।

आज की स्थिति में सबसे बड़ा संकट केवल युद्ध नहीं, बल्कि संवाद के सभी रास्तों का बंद हो जाना है, जब बातचीत की संभावनाएँ समाप्त होती हैं तो युद्ध ही एकमात्र भाषा बन जाती है, और यही भाषा अंततः मानवता के लिए सबसे अधिक विनाशकारी सिद्ध होती है, वर्तमान परिदृश्य यह चेतावनी दे रहा है कि यदि शीघ्र ही कोई संतुलित और दूरदर्शी कूटनीतिक पहल नहीं हुई, तो यह संघर्ष एक व्यापक क्षेत्रीय युद्ध से आगे बढ़कर वैश्विक संकट का रूप ले सकता है, जिसकी कीमत पूरी दुनिया को चुकानी पड़ेगी।

मन के पेड़ में संवेदना के पल

चलो, आज धूप के आंगन में
कुछ कोमल पल बिछा दें,
माँ चूल्हे की आँच बचाकर
अगले दिन की रोटी के लिए
थोड़ी-सी तपिश रख लेती ।
ये जो मन के पेड़ पर
धीरे-धीरे पकते
संवेदना के पल,
इन्हें जोर से मत तोड़ो,
इनकी त्वचा पर
समय की ओस लगी है।
एक पल
पिता की खामोश चिंता,
जो रात के अँधेरे में
छत की दरारों को ताकती
और सुबह बन जाती
हमारी हिम्मत।
एक पल
बेटी की हँसी,
जो आँगन में उगती
और घर को
घर होने का अर्थ देती है।
एक पल
किसी की पीड़ा देखकर
भीतर उठती हल्की-सी टीस,
जो बताती
कि हम अब भी मनुष्य हैं।
इन्हें लोभ की
टोकरी में न रखें,
न ही बाज़ार में सजाएँ,
ये बिकने की नहीं
ये आत्मा की बगिया में
धीरे-धीरे पनपने वाली
विश्वास की मिठास हैं।
जब दुनिया
पत्थरों के बीच
रास्ता खोजने लगे,
तब यही पल
हमारी हथेलियों में
कोमलता की ओस बनेंगे।
चलो,
नाज़ुक संवेदनात्मक पलों को
सहेज कर रखे
कि आने वाली पीढ़ी
जब विपरीत समय की
धूप में प्यासी हो,
तो इन्हीं पलों से
उन्हें आस मिले,
वे जान सकें
मनुष्य होना
अब भी आसान
और सरल है।

-संजीव ठाकुर

अविश्वास का खतरनाक विस्तार

राज्यसभा के सभापति रहे जगदीप धनखड़, फिर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव के बाद अब मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के विरुद्ध महाभियोग का नोटिस सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच अविश्वास के खतरनाक विस्तार का ही संकेत है। चुनाव केंद्रित संसदीय राजनीति में दलगत विरोध अप्रत्याशित नहीं हैं। अतीत में भी कई बार किसी मुद्दे पर सत्तापक्ष और विपक्ष में टकराव के चलते कई-कई दिन संसद नहीं चल पाई।

पूरा सत्र ही गतिरोध की भेंट चढ़ जाने के उदाहरण भी हैं, लेकिन 2014 के बाद राजनीतिक टकराव परंपराएं और लक्ष्मण रेखाएं लांघता दिख रहा है। 2024 के अंत में राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव प्रक्रियागत और तकनीकी त्रुटियों के चलते नोटिस से आगे नहीं बढ़ पाया था। उपसभापति हरिवंश ने अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस नियमानुसार 14 दिन पहले न देने के आधार पर खारिज करते हुए बताया था कि जगदीप धनखड़ के नाम की स्पेलिंग भी गलत लिखी गई थी।

अतीत में भी तीन बार लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव आया और हर बार गिरा भी, क्योंकि उनका चयन ही बहुमत से होता है। अल्पमत विपक्ष उन्हें हटा ही नहीं सकता, जब तक कि सत्तापक्ष में विभाजन की नौबत न आए। लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पारित हो जाने का सीधा अर्थ है कि बहुमत खो चुकी सरकार को भी जाना पड़ेगा। अल्पमत विपक्ष द्वारा अविश्वास प्रस्ताव का उद्देश्य स्पीकर के प्रति असंतोष की अभिव्यक्ति ही होता है। तथ्यात्मक गलतियां ओम बिरला के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव में भी थीं, पर उन्होंने स्वयं उन्हें ठीक कराते हुए पेश होने दिया।

ओम बिरला के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव गंभीर आरोप-प्रत्यारोप और टकराव की हद तक चला गया तो उसके मूल में पिछली लोकसभा की कटुता भी रही, जब बिरला ही स्पीकर थे। तब रिकार्ड संख्या में विपक्षी सांसद निलंबित किए गए। उस वक्त राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष नहीं थे, पर बोलने न देने और माइक बंद कर देने के आरोप तब भी लगे थे। किसी भी सदन का संचालन अध्यक्ष की जिम्मेदारी है, पर सत्तापक्ष और विपक्ष की परस्पर समझदारी और सम्मान भाव से ही सदन सुचारु रूप से चल सकता है, लेकिन वे तो एक-दूसरे को फूटी आंख नहीं सुहाते। सत्तापक्ष के विरुद्ध विपक्ष की आक्रामकता का नजला स्पीकर पर गिरा। अविश्वास प्रस्ताव की परिणति जानते हुए ही विपक्ष ने मत विभाजन नहीं मांगा, लेकिन इससे यह सच नहीं बदलता कि स्पीकर पर विपक्ष का विश्वास नहीं है। अतीत में स्पीकर की भूमिका के अनुभव मिश्रित रहे हैं।

जिस ब्रिटेन से हमारी संसदीय प्रणाली प्रेरित है, वहां स्पीकर किसी दल के सदस्य नहीं होते। अपने देश में भी कभी लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने पर नीलम संजीव रेड्डी ने कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। इस्तीफा दिए बिना भी दोनों पक्षों का सम्मान हासिल करते हुए सुचारु सदन संचालन के सोमनाथ चटर्जी और पीए संगमा सरीखे उदाहरण हैं, लेकिन अब बढ़ते तनाव से इस संस्था की साख प्रभावित होने लगी है। यह राजनीतिक दलों की सामूहिक चिंता का विषय होना चाहिए। व्यक्ति आते-जाते रहेंगे, लेकिन संस्थाओं की साख पर आंच नहीं आने देनी चाहिए।

मुख्य चुनाव आयुक्त के विरुद्ध महाभियोग का नोटिस राजनीतिक टकराव का विस्तार है। कभी मत्रपत्रों की लूट तो अब ईवीएम पर संदेह के जरिये चुनाव प्रक्रिया की शुचिता और विश्वसनीयता पर भी सवाल उठते रहे हैं, लेकिन इस तरह कठघरे में खड़ा कभी नहीं किया गया। मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्त की नियुक्तियां हमेशा केंद्र सरकार करती है। पसंदीदा नौकरशाहों की नियुक्ति के आरोप भी लगते रहे हैं। नवीन चावला की कांग्रेस से नजदीकियों के तब तमाम उदाहरण दिए गए थे। मनोहर सिंह गिल को तो कांग्रेस ने राज्यसभा सदस्य और केंद्र में मंत्री भी बनाया। फिर अब क्यों बात मुख्य चुनाव आयुक्त के विरुद्ध महाभियोग के नोटिस तक पहुंच गई?

चंडीगढ़ नगर निगम मेयर चुनाव में निर्वाचन अधिकारी की धांधली और फिर सर्वोच्च न्यायालय की सख्ती का घटनाक्रम ज्ञानेश कुमार के कार्यकाल से पहले का है। हां, कुछ नियम-कानूनों में संशोधन अवश्य हुए हैं, जिन्हें विपक्ष पारदर्शिता से विचलन बताता है, पर उन्हें न्यायपालिका में चुनौती दी जा सकती है। चुनाव आयोग से विपक्ष के ताजा टकराव के मूल में एसआइआर मुख्य मुद्दा है। अतीत में भी मतदाता सूचियों का शुद्धिकरण होता रहा है, लेकिन इस बार जैसी अफरातफरी कभी नहीं मची।

इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम भी कभी नहीं कटे। शायद इसलिए कि इस बार आइआर की जगह एसआइआर कराया जा रहा है। ऐसे विशेष सघन पुनरीक्षण से पहले सभी दलों और राज्य सरकारों से चर्चा न करने से उठे सवालों का जवाब तो चुनाव आयोग ने नहीं दिया है, लेकिन मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण से लेकर चुनाव प्रक्रिया को बेहतर बनाने संबंधी कदमों को सर्वोच्च न्यायालय आयोग का अधिकार बता चुका है।

बिहार से शुरू एसआइआर विवाद के बंगाल पहुंचने तक सर्वोच्च न्यायालय कई बार सुनवाई कर चुका है। कुछ मामलों में सर्वोच्च न्यायालय ने चुनाव आयोग को सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश भी दिए। बंगाल में राज्य सरकार और चुनाव आयोग के बीच मोर्चा खुल जाने की स्थिति में सर्वोच्च न्यायालय ने एसआइआर की निगरानी के लिए न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति के निर्देश दिए। प्रक्रियागत जटिलताओं के बावजूद एसआइआर असंवैधानिक नहीं है। फिर भी टकराव का मुख्य चुनाव आयुक्त के विरुद्ध देश में पहली बार महाभियोग के नोटिस तक पहुंच जाना गंभीर सवाल खड़े करता है।

महाभियोग की जटिल प्रक्रिया के चलते विपक्ष की इस मुहिम की सफलता संदिग्ध ही है। निष्पक्ष एवं स्वतंत्र चुनाव कराने के लिए जिम्मेदार चुनाव आयोग के मुखिया तथा लोकसभा के अध्यक्ष पर विपक्ष का अविश्वास लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं हैं। यह चिंता प्रधानमंत्री मोदी और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के एजेंडा में भी सर्वोपरि होनी चाहिए।

-धनंजय राजौरा

महापौर ने किया जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के अंतर्गत जन सहभागिता सुनिश्चित करने एवं शहरवासियों में स्वच्छता का संदेश देने हेतु आज दिनांक 20 मार्च को नगर निगम महापौर गीता दुर्गेश अग्रवाल ने स्वच्छता अभियान का शुभारंभ किया। मंडूक पुष्कर तालाब पर श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया। उल्लेखनीय है कि शासन निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान 30 जून तक चलाया जाएगा।

अभियान के उद्देश्य

- जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार करना
- नदियों में मिलने वाले नालों के शोधन की कार्य योजना तैयार कर क्रियान्वयन प्रारंभ करवाना
- जल ग्रहण संरचनाओं तालाब/ नदी/ बावड़ी का संवर्धन एवं उन्हें अतिक्रमण मुक्त करना
- नाले नालियों की साफ सफाई एवं सौंदर्यकरण करना
- शहर में अधिक से अधिक रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली स्थापित करवाना
- नगरीय क्षेत्र में हरित क्षेत्र विकसित करवाना
- मानसून में किए जाने वाले पौधारोपण हेतु आवश्यक तैयारी करना
- जल संरक्षण में युवाओं की अमृत मित्र भारत पोर्टल पर भागीदारी को सुनिश्चित करवाना
- शहर में सार्वजनिक स्थानों पर गर्मियों में शुद्ध पेयजल व्यवस्था हेतु जन सहयोग से सार्वजनिक प्याऊ की व्यवस्था करवाना।

विचार

- विधायक एवं महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत निगम सीमा क्षेत्र की जल संरचनाओं, कुआ, तालाब, बावडी व अन्य जलाशयों की साफ सफाई एवं उनका संरक्षण का कार्य धरातल पर किया जायेगा।
- अभियान के अन्तर्गत महापौर द्वारा उपस्थितजनों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई।

इस अवसर पर उपस्थित

- निगम स्वच्छता ब्राण्ड एम्बेसडर महेश सोनी, अमित राव पवार उनकी टीम
- शहर जनप्रतिनिधि गण
- नागरिक गण
- शासकीय आशासकीय संस्थाओं के कर्मचारी
- निगम अधिकारी कर्मचारी की टीम

चैत्री नवरात्रि पर निगम आयुक्त दलीप कुमार ने की पूजन

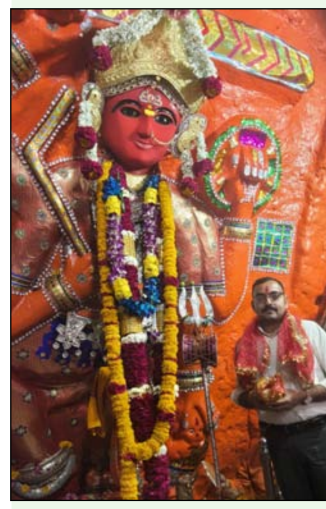

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। चैत्री नवरात्रि के प्रथम दिवस पर निगम आयुक्त दलीप कुमार ने माता टेकरी पर विराजित मां तुलजा भवानी एवं मां चामुंडा माता की पूजन कर माता से आशीर्वाद लिया। उन्होंने देवास शहर की सुख-समृद्धि और शहर वासियों के स्वस्थ जीवन की कामना की। चैत्री नवरात्रि के पावन अवसर पर माता का आशीर्वाद लिया गया।

अज्ञात पिकअप ने बाइक को मारी टक्कर, इलाज कराने जा रहे तीन लोग घायल

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के कबूलपुर जोड़ पर एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। यहां इलाज के लिए शाजापुर आ रहे बाइक सवार तीन लोगों को एक अज्ञात पिकअप वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। घटना के बाद डायल 112 की टीम ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को समय पर जिला अस्पताल पहुंचाया। मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार को राजगढ़ जिले के थाना लीमा चौहान क्षेत्र के ग्राम प्याना निवासी देवकरण 30 वर्ष पिता रामप्रसाद अहिरवार, शांति बाई 50 वर्ष पति रामप्रसाद अहिरवार निवासी प्याना और श्यामू बाई 35 वर्ष पति ओमप्रकाश अहिरवार निवासी टूटाहेड़ी बाइक पर सवार होकर शाजापुर आ रहे थे। बताया जा रहा है कि तीनों लोग शांति बाई का इलाज कराने के लिए प्याना से शाजापुर की ओर निकले थे। इसी दौरान रास्ते में कबूलपुर जोड़ के समीप एक तेज रफ्तार अज्ञात पिकअप वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार तीनों लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आरोपी पिकअप चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया।

राहगीरों द्वारा घटना की सूचना डायल 112 को दी गई। सूचना मिलते ही ड्यूटी पर तैनात आरक्षक 95 अभिषेक और वाहन पायलट महेंद्र सिंह जादौन तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने बिना समय गंवाए तीनों घायलों को डायल 112 वाहन की मदद से शाजापुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां फिलहाल उनका इलाज जारी है। पुलिस अब अज्ञात पिकअप वाहन और उसके चालक की तलाश कर रही है।

गणगौर पर्व की अनुपम छटा, बाबा ओंकारेश्वर ने धरा गणगौर का रूप

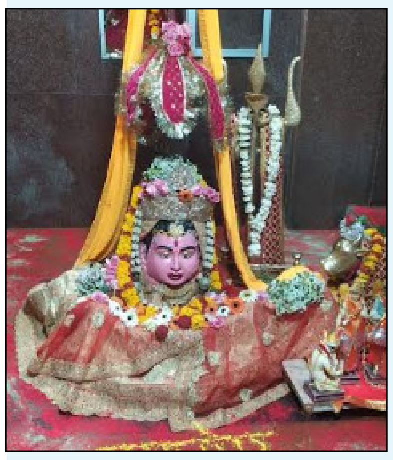

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मालवा-निमाड़ के प्रमुख और लोक आस्था के पर्व गणगौर की छटा अब शिवालयों में भी गहराई से देखने को मिल रही है। आस्था, प्रेम और उल्लास के इस पावन पर्व पर शहर में एक अद्भुत और अलौकिक दृश्य देखने को मिला, जब देवाधिदेव महादेव स्वयं गणगौर के रूप में सजकर भक्तों को दर्शन देने के लिए विराजमान हुए। शहर के प्रसिद्ध बाबा ओंकारेश्वर मंदिर में भगवान शिव का अत्यंत मनमोहक और विशेष श्रृंगार किया गया। मंदिर के मुख्य पुजारी ओमप्रकाश गोस्वामी ने अपनी कला और अगाध भक्ति का संगम करते हुए बाबा ओंकारेश्वर को गणगौर (ईसर-गौरा) के मनभावन रूप में सजाया। गणगौर का पर्व मूल रूप से भगवान शिव (ईसर) और माता पार्वती (गौरा) के अखंड प्रेम, श्रद्धा और सुहाग का प्रतीक माना जाता है। इसी आध्यात्मिक भाव को जीवंत करते हुए पुजारी ओमप्रकाश गोस्वामी द्वारा शुक्रवार को किए गए आकर्षक श्रृंगार ने हर किसी का मन मोह लिया। भगवान को भात, रंग-बिरंगे परिधानों, आभूषणों और पुष्पों से सुसज्जित कर गणगौर का स्वरूप दिया गया। इस अनोखे श्रृंगार में भगवान भोलेनाथ की छवि देखते ही बन रही थी। श्रृंगार पूर्ण होने के पश्चात जैसे ही दर्शनार्थ मंदिर के पट खुले, बाबा ओंकारेश्वर के इस नयनाभिराम और दुर्लभ रूप के दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं का तांता लग गया। बड़ी संख्या में महिला और पुरुष श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर भगवान के इस मनमोहक स्वरूप के दर्शन किए। श्रृंगार दर्शन के पश्चात ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच बाबा की विशेष महाआरती उतारी गई और श्रद्धालुओं ने भगवान ओंकारेश्वर से क्षेत्र की सुख-शांति, समृद्धि और कल्याण की मंगल कामना की।

मधुमक्खियों का तांडव, जंगल में बकरी चरा रहे एक ही परिवार के 4 लोग घायल, अस्पताल में भर्ती

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। रोजमर्रा की तरह जंगल में बकरियां चराने गया एक परिवार शुक्रवार को अचानक मधुमक्खियों के खौफनाक हमले का शिकार हो गया। जंगल में स्थित एक देव स्थान पर किसी श्रद्धालु द्वारा जलाई गई धुनी के धुएं से भड़की मधुमक्खियों ने परिवार पर इस कदर कहर बरपाया कि चीख-पुकार मच गई। इस जानलेवा हमले में एक ही परिवार के चार सदस्य बुरी तरह घायल हो गए हैं। ग्रामीणों की सतर्कता से उनकी जान बच सकी और फिलहाल सभी का जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

अचानक हुआ हमला, संभलने का नहीं मिला मौका- घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम गोपीपुर लोहरवास की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव का एक परिवार शुक्रवार को अपनी बकरियां लेकर पास के जंगल में गया हुआ था। प्रत्यक्षदर्शियों और परिजनों ने बताया कि जंगल में स्थित एक बड़े पेड़ पर मधुमक्खियों का विशाल छत्ता लगा हुआ था। उसी पेड़ के नीचे स्थित देव स्थान पर किसी ने धुनी लगा दी थी जिसके धुएं और हवा के झोंके के कारण मधुमक्खियां अचानक उग्र हो गईं और उन्होंने पास ही मौजूद मदनलाल 70 वर्ष, उनकी पत्नी उमराव बाई 65 वर्ष, रोहित 17 और शिवानी 18 वर्ष पर हमला बोल दिया। यह हमला इतना भीषण था कि पीड़ितों को वहां से भागने या संभलने तक का मौका नहीं मिला। मधुमक्खियों के झुंड ने उन्हें चारों तरफ से घेरकर शरीर पर कई जगह डंक मारे।

ग्रामीणों ने देसी जुगाड़ से बचाई जान- मधुमक्खियों के हमले से घबराए घायलों की चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद अन्य ग्रामीण तुरंत मौके पर दौड़े। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ग्रामीणों ने समझदारी दिखाई और तुरंत घास-फूस जलाकर धुआं किया। अन्य देसी तरीकों और धुएं की मदद से किसी तरह मधुमक्खियों को वहां से भगाया गया और घायलों को उनके चंगुल से छुड़ाया गया।

इमरजेंसी वार्ड में चल रहा है इलाज- घटना के तुरंत बाद ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को एक वाहन के जरिए शाजापुर जिला अस्पताल लाया गया। घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें बिना देरी किए इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कर लिया है। अस्पताल के डॉक्टरों का कहना है कि मधुमक्खियों के जहर (डंक) के कारण घायलों के शरीर पर काफी सूजन आ गई है और उन्हें तेज बुखार की शिकायत है। हालांकि, राहत की बात यह है कि फिलहाल सभी की हालत स्थिर बनी हुई है और वे विशेषज्ञ डॉक्टरों की सघन निगरानी में हैं।

शाजापुर की मीना जाटव ने रचा इतिहास, विक्रम विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने स्वर्ण पदक से नवाजा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। संघर्ष और समर्पण जब अटूट संकल्प से मिलते हैं, तो सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित होते हैं। ऐसा ही कुछ कर दिखाया है शाजापुर की होनहार छात्रा मीना जाटव पति जसवंत जाटव ने। सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय (विक्रम विश्वविद्यालय), उज्जैन द्वारा आयोजित वर्ष 2026 के भव्य दीक्षांत समारोह में मीना जाटव को एम.ए. हिंदी साहित्य में संपूर्ण विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर स्वर्ण पदक और उपाधि से सम्मानित किया गया। उज्जैन के कालिदास अकादमी संकुल में आयोजित इस समारोह में प्रदेश के राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति और शिक्षा जगत की दिग्गज हस्तियों की मौजूदगी में मीना जाटव को मंच पर आमंत्रित किया गया। राज्यपाल ने उन्हें स्वर्ण पदक पहनाया और उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया। वहीं मुख्यमंत्री ने उनकी इस शैक्षणिक उपलब्धि की सराहना करते हुए इसे महिला सशक्तिकरण का जीवंत उदाहरण बताया। मीना जाटव, जो कि शाजापुर निवासी जसवंत जाटव की धर्मपत्नी हैं, स्थानीय बालकृष्ण शर्मा नवीन (बी.के.एस.एन.) स्नातकोत्तर महाविद्यालय, शाजापुर की नियमित छात्रा रही हैं। उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत के बल पर हिंदी साहित्य की जटिलताओं को न केवल समझा, बल्कि एम.ए. की परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त कर विश्वविद्यालय की प्रावीण्य सूची में शीर्ष स्थान हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि से कॉलेज प्रबंधन और सहपाठियों में हर्ष की लहर है। एक विवाहित महिला के रूप में घरेलू जिम्मेदारियों को निभाते हुए उच्च शिक्षा में स्वर्ण पदक प्राप्त करना कोई साधारण उपलब्धि नहीं है। मीना जाटव ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पति जसवंत जाटव और परिवार के निरंतर सहयोग को दिया है। उन्होंने बताया कि परिवार के प्रोत्साहन और कॉलेज के प्राध्यापकों के मार्गदर्शन के बिना यह मुकाम पाना कठिन था।

खेत के रास्ते पर पत्थर डालने को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष, जमकर चले लाठी-डंडे, तीन घायल, एक की हालत गंभीर

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के शुजालपुर सिटी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नरोला में खेत के रास्ते का विवाद अखाड़े में तब्दील हो गया। रास्ते पर पत्थर डालने की मामूली बात ने इतना तूल पकड़ा कि दोनों पक्षों के बीच जमकर लट्ठबाजी हुई। सरेआम चले लाठी-डंडों के इस खूनी संघर्ष में दोनों पक्षों के लोगों को चोटें आई है। इनमें से एक युवक की हालत नाजुक होने पर उसे प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया है। इस पूरी घटना का लाठियां भांजते हुए एक वीडियो भी सामने आया है। पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कहासुनी से शुरू हुआ विवाद, फिर चलने लगीं लाठियां- प्राप्त जानकारी के अनुसार, नरोला निवासी 54 वर्षीय प्रेमनारायण मालवीय अपने बेटे राजकुमार और भतीजे इमरत सिंह के साथ खेत जाने वाले रास्ते पर पत्थर डलवा रहे थे। इसी दौरान गांव के ही रईस बेग, अनस बेग, लाला बेग और आमीन बेग मौके पर पहुंच गए और वहां पत्थर डालने का विरोध करने लगे। शुरुआत में दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस हुई, लेकिन देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और नौबत मारपीट तक आ गई। दोनों तरफ से लाठी-डंडे निकल आए। इस हिंसक झड़प में इमरतसिंह गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अस्पताल ले जाया गया। वहां उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया।

वीडियो वायरल, पांच पर एफआईआर- इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दोनों पक्षों के बीच खुलेआम लाठी-डंडे चलते हुए देखे जा सकते हैं। पुलिस इस वायरल वीडियो की भी जांच कर रही है। शुजालपुर सिटी थाना पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए फरियादी पक्ष की शिकायत पर रईस बेग, अनस बेग, लाला बेग, आमीन बेग और नामदार बेग के खिलाफ मारपीट और जातिसूचक गालियां देने सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल घायलों का उपचार जारी है और पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

पायनियर पब्लिक स्कूल द्वारा जल मंदिर का शुभारंभ

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। गर्मी के मौसम में आमलोगों की प्यास बुझाने के लिए पायनियर पब्लिक स्कूल बेरछा रोड द्वारा परंपरागत रूप से शीतल जल मंदिर का शुभारंभ किया गया। संस्था प्राचार्य विमल जैन ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी विद्यालय परिवार द्वारा स्कूल परिसर के बाहर बेरछा रोड पर शीतल जल मंदिर प्याऊ का शुभारंभ नगरपालिका अध्यक्ष प्रेम जैन के आतिथ्य में किया गया। इस मौके पर मुख्य रूप से नगरपालिका सभापति प्रतिनिधि सतीश राठौर, पार्षद महेश कुशवाह, स्कूल संचालक मंगल नाहर, किशनलाल विश्वकर्मा, संस्था प्रभारी अंजू शुक्ला, विशाल परिहार, अंजू शुक्ला, सारिका भावसार, विद्या सोनी, रानी चन्द्रवंशी, फाल्गुनी सोनी, अनीता शर्मा, आंचल शुक्ला, निशा मंडलोई एवं राधिका जोशी सहित स्कूल स्टाफ के सदस्य उपस्थित थे।

हाइवे निर्माण में भारी लापरवाही, गड्ढे में गिरे डायल-112 के पायलट, एक दिन पहले ही कांग्रेस ने जताया था विरोध

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में चल रहे हाइवे निर्माण कार्य में सुरक्षा मानकों की घोर अनदेखी लोगों की जान पर भारी पड़ रही है। निर्माण कंपनी की लापरवाही का आलम यह है कि विपक्ष के कड़े विरोध और चेतावनियों के बावजूद हालात जस के तस बने हुए हैं। इसी मनमानी का ताजा शिकार डायल-112 के एक पायलट हुए हैं, जो ड्यूटी पर जाते समय दुर्घटना की चपेट में आ गए।

अंधेरे और बिना बैरिकेडिंग के कारण हुआ हादसा- प्राप्त जानकारी के अनुसार, डायल-112 के पायलट अनिल परमार सुबह करीब 5.30 बजे अपनी ड्यूटी के लिए शाजापुर से मक्सी की ओर जा रहे थे। इसी दौरान लालघाटी थाना क्षेत्र में वे हादसे का शिकार हो गए। दरअसल, मौके पर पुल निर्माण के लिए सड़क किनारे गहरी खुदाई की गई है, लेकिन निर्माण कंपनी द्वारा वहां न तो कोई चेतावनी (संकेत) बोर्ड लगाया गया है और न ही सुरक्षा के लिए कोई बैरिकेडिंग की गई है। सुबह के अंधेरे में वाहन चालकों को इस गहरी खाई का अंदाजा नहीं लग पाता, जो इस दुर्घटना का मुख्य कारण बना।

बीते दिनों पहले ही कांग्रेस ने किया था प्रदर्शन- गौरतलब है कि निर्माण कंपनी की इसी लापरवाही और लगातार हो रहे हादसों की आशंका को लेकर बीते दिनों कांग्रेस पार्टी द्वारा मौके पर विरोध प्रदर्शन किया गया था। प्रदर्शन के माध्यम से प्रशासन और कंपनी को चेताया गया था, लेकिन इसके बावजूद सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किए गए। कंपनी की इसी अनदेखी का परिणाम इस नए हादसे के रूप में सामने आया है।

डायल-112 की टीम ने दिखाई तत्परता, अस्पताल में भर्ती- घटना की सूचना मिलते ही लालघाटी थाने की डायल-112 टीम तुरंत मौके पर पहुंची। राहत और बचाव कार्य में आरक्षक लाखन सिंह और पायलट किरण मौर्य ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घायल अनिल परमार को फौरन जिला चिकित्सालय शाजापुर पहुंचाया। फिलहाल वहां उनका उपचार जारी है।

प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग- लगातार हो रहे इन घटनाओं से स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों में भारी आक्रोश है। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि निर्माण कंपनी पर लगाम कसी जाए और कार्यस्थल पर सुरक्षा के कड़े मानक तत्काल सुनिश्चित कराए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह के जानलेवा हादसों को टाला जा सके।

विलुप्त होती गौरैया को सहेजने की मुहिम, शहीद पार्क में पक्षियों के लिए लगाए 101 सकोरे

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कभी हमारे घरों के आंगन में फुदकने वाली और अपनी चहचहाहट से सुबह का मीठा अहसास कराने वाली नन्ही गौरैया आज कंक्रीट के जंगलों में अपना आशियाना तलाश रही है। बढ़ते शहरीकरण और फ्लैट कल्चर ने इस नन्ही जान से उसका आंगन छीन लिया है। विकास की अंधी दौड़ में कटते पेड़ों और हरियाली की कमी ने पक्षियों को उदास और बेघर कर दिया है। इसी निराश गौरैया को वापस बुलाने और भीषण गर्मी में पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए विश्व गौरैया दिवस पर शाजापुर में एक सराहनीय पहल की गई। शुक्रवार को विश्व गौरैया दिवस के मौके पर समन्वित ई-गौरैया टीम द्वारा एबी रोड स्थित शहीद पार्क में पक्षी संरक्षण का अनूठा उदाहरण पेश किया गया। टीम के सदस्यों ने पर्यावरण और पक्षी संरक्षकों को 101 मिट्टी के सकोरे वितरित किए और उन्हें पार्क के विभिन्न पेड़ों पर व्यवस्थित रूप से लगाया गया, ताकि गर्मी के मौसम में बेजुबान पक्षियों को दाना-पानी मिल सके।

2018 से लगातार जारी है भगीरथ प्रयास- गौरैया संरक्षण की दिशा में समन्वित ई-गौरैया टीम साल 2018 से शाजापुर जिले में लगातार सक्रिय है। टीम केवल सकोरे ही नहीं बांटती, बल्कि जन जागरूकता का भी काम करती है। विद्यालयों में बच्चों को गौरैया संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए पत्रिकाओं के माध्यम से रचनात्मक प्रस्तुतियां दी जाती हैं। इसके साथ ही, हर साल ग्रीष्मकाल में टीम के सदस्य घरों के आंगन, मंदिर-मस्जिद, स्कूल-कॉलेज, कार्यालयों और उद्यानों में जाकर पक्षियों के लिए सकोरे बांधने का काम प्रमुखता से करते हैं। सकोरे वितरण और जागरूकता के इस पुनीत कार्यक्रम में टीम के संयोजक लोकेश राठौर के नेतृत्व में बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे। इनमें प्रमुख रूप से दीपक शर्मा, मनोज दुबे, संजय सोनी, जगदीश भावसार, महेश शर्मा, आत्माराम गुर्जर, ओंकारसिंह चंदाना, कमलेश नागर, नंदकिशोर विश्वकर्मा, कुलदीप करन आदी।

तप से ईश्वर की भक्ति मिलती है सुविधा से नहीं- महामंडलेश्वर भास्करानंद जी महाराज

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सदगुरू के प्रति श्रद्धा और विश्वास जीवन की दशा और दिशा दोनों बदल देता है। जो गुरु के बताए मार्ग पर चलता है वही ईश्वर की कृपा प्राप्त कर सकता है। श्री मद भागवत जहां होती वहा तीर्थों का कुंभ होता है। भागवत में सत चित आनंद के दर्शन है। नवरात्रि में श्रीमद भागवत कथा ज्ञान गंगा का श्रवण सात दिनों करता है वो वर्ष भर के लिए ईश्वर की कृपा का पात्र बन जाता है। नवरात्रि में अपने इष्ट की साधना करने वाला करता है चिंतन करता है चिंता नहीं। संसार की बाते आपको बिखेरती और कथा सत्संग आपको निखारती है। आप जितनी बार कथा सुनोगे उतना ही भक्ति के रस का आनंद प्राप्त करोगे। कथा एक ऐसा अमृत है जिसे सिर्फ मनुष्य को मिल सकता है। तप से ईश्वर की भक्ति मिलती है सुविधा से नहीं सुविधा को प्राप्त करने वाला स्वार्थी होता है वो अर्थ और काम का सदुपयोग अगर धर्म की मर्यादा में रह कर करेगा तो आपका धन पुण्य में लगेगा ये आध्यात्मिक विचार चौत्र नवरात्रि में केला देवी मंदिर परिसर में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के प्रथम दिवस पर महामंडलेश्वर भास्करानंद जी महाराज ने व्यक्त करते हुए अनेक आध्यात्मिक दृष्टांत के साथ श्रीमद् भागवत के महत्तम का गहराई के साथ बहुत ही सुंदर वर्णन किया।

महर्षि गौतम जयंती पर गौतम आश्रम में हुआ समाज गौरव वरिष्ठ जनों का सम्मान

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। न्याय दर्शन के प्रणेता सप्त ऋषि मंडल के महर्षि गौतम की जयंती पर गौतम वंशज गुर्जर गौड़ ब्राह्मण नगर सभा एवं महर्षि गौतम सेवा ट्रस्ट द्वारा गौतम आश्रम में आयोजित महोत्सव समारोह में समाज के गौरव वरिष्ठ जन एवं प्रतिभाओं का सम्मान हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि प्रांतीय महासभा के पूर्व अध्यक्ष , पर्यावरणविद ज्ञान प्रकाश तिवारी भोपाल , अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के जिला अध्यक्ष दिनेश मिश्रा, पार्षद दीपेश कानूनगो एवं अखिल भारतीय गुर्जर गौड़ ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एम एम मोदी ने महर्षि गौतम की पूजा अर्चना की एवं दीप प्रज्वलन कर समारोह का शुभारंभ किया।

अतिथियों का स्वागत नगर सभा अध्यक्ष संतोष दुबे, सचिव अमित पंडित, ट्रस्ट अध्यक्ष एम एम दुबे, महिला सभा अध्यक्ष अनुपमा पाठक, युवक संघ अध्यक्ष प्रखर शर्मा ,उत्सव समिति अध्यक्ष रविशंकर व्यास ने किया। इस अवसर पर नगर सभा द्वारा 70 वर्ष से अधिक की आयु के समाज के वरिष्ठ जनों का सम्मान किया । पश्चात वरिष्ठ दंपतियों की विवाह की स्वर्ण जयंती 50 वी परिणय वर्ष गांठ पर मंगला चरण के साथ सम्मान किया गया । साथ ही ज्ञान प्रकाश तिवारी , एम एम दुबे, कमल दुबे ,एवं डॉ एन पी दुबे को समाज गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। विशिष्ट प्रतिभा सम्मान के अंतर्गत 7 वर्षीय बालक वृद्धिक सिद्धार्थ दुबे उज्जैन को लिखी गई अनूठी पुस्तक का अतिथियों ने विमोचन कर नन्हे साहित्यकार बालक वृद्धिक दुबे का सम्मान किया गया ।

महोत्सव में राजेश तिवारी एवं बसंत व्यास के नेतृत्व में आयोजित सांस्कृतिक समारोह एवं प्रतियोगिता के प्रतिभागी बालक ,बालिकाओं को अतिथि द्वारा पुरस्कृत किया गया।

एम एम दुबे परिवार द्वारा संयोजित इस महोत्सव में राजेश जोशी उपाध्यक्ष गिरधर शर्मा डॉ.आर.के शर्मा,डॉ.संजय तिवारी डॉ.दामोदर उपाध्याय, डॉ. नर्मदाप्रसाद दुबे ,श्रीमती मधु शर्मा ,मंडल अध्यक्ष भाजपा,संजय त्रिवेदी ,अशोक पाठक,अतुल मोदी सचिव युवक संघ गोपाल शर्मा पुनीत उपाध्याय ,कैलाश जोशी संतोष जोशी आदित्य व्यास प्रवेश उपाध्याय हेमंत शर्मा सुधीर शर्मा बड़ी संख्या में समाज महिला पुरुष परिवार सहित उपस्थित थे । कार्यक्रम का संचालन मीडिया प्रभारी चेतन उपाध्याय ने किया तथा आभार नवीन दुबे ने माना।

बलात्कार के प्रकरण में फरार आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

आरोपी 45 दिनो से था फरार

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। पुलिस मुख्यालय के आदेश पर पुलिस अधीक्षक उज्जैन प्रदीप शर्मा के कुशल निर्देशन मे जिले मे अपर्हत बालक-बालिकाओ की दस्तयाबी हेतु पुलिस मुख्यालय द्वारा आपरेशन मुस्कान अभियान चलाया जा रहा है । इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अभिषेक रंजन, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस बड़नगर महेन्द्र सिंह परमार के कुशल मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी बडनगर अशोक कुमार पाटीदार व टीम द्वारा नाबालिक बालिका को बहला फुसलाकर भगा कर ले जाने एवं उसके साथ बलात्कार करने वाले आरोपी को दिनांक 20.03.2026 को गिरफ्तार किया गया ।

पुलिस कार्यवाही- दिनांक 31.01.2026 को फरियादीया ने हाजीर थाना आकर अपनी नाबालिक पुत्री उम्र 15 साल को किसी अज्ञात आरोपी द्वारा बहला-फुसला कर ले जाने की सूचना दी थी फरियादीया की सूचना पर से थाना बडनगर पर अप.क्र .46/31.01.26 धारा 137(2) बीएनएस दर्ज कर विवेचना मे लिया गया । प्रकरण में दिनांक 02.02.2026 को अपर्हता बालिका को दस्तयाब किया गया था । घटना से बाद से ही आरोपी कान्हा पिता प्रकाश डोडियार जाति भील उम्र-20 साल निवासी शिक्षक कालोनी बड़नगर फरार चल रहा था । जिसे दिनांक 19.03.26 को मुखबिर सूचना पर से पुलिस टीम के द्वारा आरोपी कान्हा पिता प्रकाश डोडियार जाति भील उम्र-20 साल निवासी शिक्षक कालोनी गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया ।

सराहनीय भूमिका- उक्त प्रसंशनीय कार्य में थाना बड़नगर पुलिस टीम निरीक्षक अशोक कुमार पाटीदार, उनि चांदनी पाटीदार, प्रआर.प्रदीप डामोर, प्रआर. हेमराज खरे आर. कैलाश गरवाल ,मआर. ज्योति हाड़ा की सराहनीय भुमिका रही।

तिगजपुर गांव मनाया महर्षि गौतम जयंती महोत्सव

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया ग्राम तिंगजपुर में स्थानीय गुर्जरगौड़ ब्राह्मण समाज धर्मशाला में आराध्य देव महर्षि गौतम जयंती के उपलक्ष्य स्थानीय समाजजनों द्वारा महर्षि गौतम जी का प्रातः पूजन अर्चन किया एवं शाम को महा आरती एवं हनुमान चालीसा के पाठ का आयोजन भी किया गया इसके पश्चात समस्त समाज जनों को महाप्रसादी(भोजन) का वितरण किया गया इस अवसर पर सतीश तिवारी, रामबाबू तिवारी, प्रदीप (राम) तिवारी, गिरीश त्रिवेदी,आशुतोष व्यास,दिनेश तिवारी,शेषनारायण तिवारी, मनोज जोशी, देवकीनंदन तिवारी, कमल शर्मा सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

श्रीमद् भागवत कथा 27 मार्च से प्रारंभ होने के पूर्व कथा स्थल का भूमि पूजन किया

कथा श्रवण करने के लिए अपील हेतु प्रचार वाहन को हरी झंडी देकर रवाना किया

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री सांवरिया सेठ जन कल्याण सेवा संस्था उन्हेल के द्वारा आगामी 27 मार्च से श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन नवीन बस स्टैंड पर दोपहर 12 बजे से 4 तक भागवत आचार्य पंडित भीमाशंकर शास्त्री के मुखारविंद से होगी एवं 30 मार्च रात्रि 8 बजे सांवरिया सेठ भक्ति गोकुल शर्मा के द्वारा कथा पंडाल पर भव्य भजन संध्या आयोजन के साथ ही 1 अप्रैल को निशुल्क 52 कन्याओं का विवाह संपन्न होगा। इस अवसर कथा स्थल नवीन बस स्टैंड पर कथा स्थल का भूमि पूजन मंत्र उच्चारण के साथ पंडित रवि शंकर शर्मा के मुखारविंद से कमल खींची, नारद खींची द्वारा संपन्न किया गया। कथा श्रवण हेतु भक्तों को कथा श्रवण के लिए प्रचार वाहन हेतु संस्था के संस्थापक बलराम खींची, दिलीप मोदी, कैलाश विपट, नंदराम धाकड़, विमल जैन, महेश परमार, रामलाल धाकड़, नारद खींची, तेजूलाल जटिया सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

भाटपचलाना पुलिस ने 4 जुआरियों को किया गिरफ्तार, 1 हुआ फरार

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा द्वारा जिले में लगातार अपराधों पर अंकुश लगाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक उज्जैन के निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक रंजन, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस खाचरौद श्रीमति आकांक्षा बेछोटे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी भाटपचलाना सतेन्द्र सिंह चौधरी व उनकी टीम के द्वारा लगातार थाना क्षेत्र में अवैध क्रिया कलाप करने वाली अपराधियों के विरूध्द कड़ी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक-19.3.226 को भाटपचलाना पुलिस द्वारा मुखबिर कि सुचना पर ग्राम सुन्दराबाद जंगल में हार-जीत का दाव लगाकर कुछ व्यक्ति जुआ खेल रहे है। जिस पर टीम बनाई जाकर दबिश देते ग्राम सुन्दराबाद जंगल से जुआ खेलते 4 आरोपीगणो को पकड़ा गया है। वही 1 आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भाग गया । जिसकी तलाश कि जा रही है। आरोपीगणो के कब्जे से नगदी 36/- रुपए व ताश के 52 पत्ते जप्त किए गए है। आरोपीगणो के विरुद्ध थाना भाटपचलाना पर जुआ अधिनियम के अन्तर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया है।

1-किशनसिहं पिता धुलसिह राजपुत निवासी ग्राम जलोदसंजर

पकड़े गए आरोपीगण- 2-भरत पिता भवरलाल चौधरी निवासी ग्राम सुन्दराबाद

3- जितेन्द्र पिता हुकुमसिह राजपुत निवासी ग्राम जलोदसंजर

4-धारामिह पिता फतेसिहं मोंगिया निवासी ग्राम सुन्दराबाद

फरार आरोपी- महिपालसिह पिता शम्भुसिह राजपुत निवासी ग्राम सुन्दराबाद

सराहनीय भूमिका- उत्तः प्रसंशनीय कार्य में थाना प्रभारी सतेन्द्र सिंह चौधरी, सउनि शैतानसिह डिन्डोर, प्रआर. हरगोबिन्दसिहं, प्रआर. परमिंदर यादव, आर. विजय जाट, आर. राजेश सोयल, आर. सुनील चौधरी।

महालक्ष्मी इलेक्ट्रॉनिक प्रतिष्ठान के शुभारंभ पर प्रेस क्लब की ओर से किया गया स्वागत

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। भाटपचलाना में महालक्ष्मी इलेक्ट्रॉनिक एंड फर्नीचर के नवीन प्रतिष्ठान के भव्य शुभारंभ पर प्रतिष्ठान संचालक अमन कुमार जैन नितेश कुमार जैन एवं मानव अधिकार मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव राजेश जैन कटलेचा का प्रेस क्लब की ओर से पत्रकार शंकरलाल बोरीवाल एवं महिपालसिंह द्वारा पुष्प मालाए पहनाकर उनका भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर पत्रकार श्री बोरीवाल ने कहा कि इतने बड़े महालक्ष्मी प्रतिष्ठान के यहां शुभारंभ होने से क्षेत्र के नागरिकों को आसानी से समस्त प्रकार के उच्च क्वालिटी के इलेक्ट्रॉनिक एवं फर्नीचर से संबंधित सामान यहां उपलब्ध होगा और नागरिकों को इलेक्ट्रिक सामान खरीदी के लिए इधर-उधर बड़नगर रतलाम उज्जैन नहीं भटकना पड़ेगा। इस दौरान पूर्व सरपंच भंवरसिंह देवड़ा पुलिस विभाग के अजयपाल सिंह राठौर अनूप कटलेचा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थें।

गणगौर कूलपाती चल समारोह का श्री खाटू श्याम सेना ट्रस्ट ने किया स्वागत

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया अकोदिया नगर में इन दिनों 16 दिवसीय गणगौर पर्व की धूम मची हुई है प्रतिदिन महिला मंडल द्वारा फुलपाति चल समारोह निकाले जा रहे हैं गुरुवार को अग्रवाल समाज अकोदिया एवं माहेश्वरी समाज महिला मंडल द्वारा गणगौर कुलपाति चल समारोह निकाला गया जिसका शिवाजी मार्केट पहुंचने पर श्री खाटू श्याम सेना ट्रस्ट अकोदिया एवं महिला मंडल द्वारा स्टॉल लगाकर प्रदेश अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल जिला अध्यक्ष डॉक्टर सुशील कुमार गेहलोत के नेतृत्व में आइसक्रीम का वितरण कर स्वागत किया गया इस अवसर पर नगर मीडिया प्रभारी संजय शर्मा दीपक अग्रवाल गोलू गुप्ता महिला मंडल नगर अध्यक्ष मीनाक्षी चौरासिया जिला अध्यक्ष बिंदु सोनी तहसील महामंत्री वर्षा कुशवाह जिला मीडिया प्रभारी रीना सोनी ममता धाकड़ मेघा खत्री सहित बड़ी संख्या में श्याम प्रेमी उपस्थित थे।

दमदार लेखनी चलाने के लिए अक्सर व्यक्तिगत हितों का त्याग करना पड़ता है- चंद्रभान सिंह सोलंकी

स्वतंत्र प्रेस क्लब बदनावर की कमान मनीष शर्मा के हाथों में कमान, विनय नाहर बने सचिव

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पत्रकारिता समाज का आईना है और इस आईने को साफ रखने की जिम्मेदारी उन कंधों पर होती है जो निष्पक्षता और साहस के साथ कलम चलाते हैं। इसी संकल्प को दोहराते हुए गुरुवार को स्वतंत्र प्रेस क्लब बदनावर के चुनाव प्रक्रिया का आयोजन स्थानीय प्राचिश्री होटल एवं रेस्टोरेंट में गरिमामयी वातावरण में संपन्न हुआ।

बैठक के मुख्य वक्ता और संस्था के वरिष्ठ संरक्षक चंद्रभान सिंह सोलंकी ने अपने उद्बोधन में पत्रकारिता की वर्तमान दशा और दिशा पर गंभीर प्रकाश डाला। उन्होंने एक दार्शनिक सूत्र देते हुए कहा, जिसका वर्तमान उत्कृष्ट है, उसका भविष्य स्वतः ही स्वर्णिम होगा। निवर्तमान अध्यक्ष धर्मेंद्र अग्निहोत्री ने अपने तीन वर्षों के कार्यकाल में संस्था के वर्तमान को अनुशासन और समर्पण से संवारा है। अब जिम्मेदारी मनीष शर्मा की है कि वे इस संस्था के भविष्य को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं। सोलंकी ने दो टूक शब्दों में कहा कि ÷प्रेस क्लब का अध्यक्ष पद कोई फूलों की सेज नहीं, बल्कि काँटों भरा ताज है। यहाँ दमदार लेखनी चलाने के लिए अक्सर व्यक्तिगत हितों का त्याग करना पड़ता है और कई बार नुकसान भी उठाना पड़ता है, लेकिन समाज के हित में उठने वाली कलम ही एक पत्रकार की असली पहचान होती है।

निवर्तमान अध्यक्ष धर्मेंद्र अग्निहोत्री ने अपने तीन वर्षीय कार्यकाल का विस्तृत लेखा-जोखा (रिपोर्ट कार्ड) प्रस्तुत किया। उन्होंने भावुक मन से संस्था के साथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सदस्यों के सहयोग के बिना कोई भी संगठन मजबूत नहीं हो सकता। उनके कार्यकाल में प्रेस क्लब ने न केवल पत्रकारों के हितों की रक्षा की, बल्कि सामाजिक सरोकारों में भी अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज कराई।

चुनाव की औपचारिक प्रक्रिया के दौरान पत्रकार मनीष शर्मा के नाम का प्रस्ताव अध्यक्ष पद के लिए रखा गया, वहीं विनय नाहर का नाम सचिव पद के लिए प्रस्तावित किया गया। उपस्थित सभी वरिष्ठ पत्रकारों और युवा साथियों ने एक स्वर में करतल ध्वनि के साथ इन नामों का समर्थन किया। निर्विरोध निर्वाचन ने यह संदेश दिया कि बदनावर का पत्रकार जगत पूरी तरह एकजुट है। नियुक्ति की घोषणा होते ही समूचा सदन भारत माता की जय और पत्रकार एकता जिंदाबाद के नारों से गूँज उठा। नवनियुक्त पदाधिकारियों का वरिष्ठों द्वारा पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया गया।

बैठक का सफल संचालन वरिष्ठ पत्रकार पोपसिंह राठौड़ ने अपनी चिर-परिचित शैली में किया, जबकि कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन वरिष्ठ संरक्षक दिलीपसिंह चौहान ने किया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर पत्रकारिता जगत की प्रमुख विभूतियाँ उपस्थित रहीं, जिनमें चंद्रभान सिंह सोलंकी, दिलीप सिंह चौहान, धर्मेंद्र अग्निहोत्री, राकेश सिंह चौहान, गोपाल पाटीदार, डॉ. गोपाल सिंह ठाकुर, शिवशंकर रिंगनोदिया, प्रदीप पंवार, आशीष परमार, राजेश चौहान, दिलीप नागोरी, मुकेश राठौड़, राजू गजबाहिया और मोहित राठौड़ उपस्थित थे । सभी ने नवनियुक्त टीम को अपनी शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि आगामी समय में स्वतंत्र प्रेस क्लब बदनावर क्षेत्र की समस्याओं को प्रखरता से उठाएगा।

अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा महिला मंडल द्वारा निकाला फूल पाती चल समारोह

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा महिला प्रकोष्ठ अकोदिया एवं जिला इकाई शाजापुर द्वारा 16 दिवसीय गणगौर पर्व उत्साह के साथ मनाया जा रहा है मारवाड़ीयो में होली की दूज से 16 दिन का गणगौर पर्व शुरू होता है और चैत्र मास की तृतीया तिथि को समापन होता है महिलाए ईसर एवं गणगौर माता की पूजन करती है गुरुवार को अखिल भारतीय अग्रवाल महिला महासभा अकोदिया द्वारा फूल पाती चल समारोह निकाला गया जो श्री राम मंदिर से प्रारंभ होकर नगर के विभिन्न मार्गो से होते हुए श्री गणेश मंदिर पहुंचा चल समारोह में महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में शामिल होकर विभिन्न मनोरंजक गेम्स के माध्यम से उत्सव का आनंद लिया आयोजन में महिला महासभा जिला अध्यक्ष ममता अग्रवाल जिला संयोजिका रश्मि गोयल नगर अध्यक्ष हनि गुप्ता सरोज गोयल पुष्पा गोयल इंदिरा गोयल रीना गोयल वर्षा गोयल राधा अग्रवाल अलका गोयल मीना गोयल रचना अग्रवाल प्रज्ञा अग्रवाल चंदा गुप्ता आशा अग्रवाल राशि अग्रवाल आयुषी गोयल अंजलि गोयल प्रेरणा अग्रवाल सहित महिला महासभा की सदस्य पदाधिकारी उपस्थित थी।

बदनावर से पाखंड का अंतिम निशान भी मिटा

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्र में आस्था के नाम पर पाखंड की दुकान चलाने वाले तथाकथित शिवा बाबा के खिलाफ समाज और श्रद्धालुओं का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसी कड़ी में आज बदनावर क्षेत्र से पाखंडवाद के अंतिम अवशेष को भी पूरी तरह समाप्त कर दिया गया। धांगा बाबजी परिसर में शिवा बाबा के विज्ञापनों और बैनरों को पहले ही हटाया जा चुका था, लेकिन एक अंतिम बैनर अब भी शेष रह गया था। आज धांगा बाबजी के परम अनुयायी कमल सोनी ने सक्रियता दिखाते हुए उस अंतिम बैनर को भी जड़ से उखाड़ फेंका। इस कार्रवाई के साथ ही क्षेत्र में पाखंड फैलाने वाली इस दुकान का नामोन्शान पूरी तरह मिट गया है। विदित हो कि क्षेत्र के जागरूक नागरिक और धांगा बाबजी के भक्त लंबे समय से इस तरह के पाखंडी तत्वों का विरोध कर रहे थे। श्रद्धालुओं का मानना है कि वास्तविक शक्ति और आस्था धांगा बाबजी जैसे सिद्ध स्थानों में है, न कि ऐसे ढोंगी बाबाओं के विज्ञापनों में। बैनर हटाए जाने के दौरान उपस्थित लोगों ने जय धांगा बाबजी के गगनभेदी जयघोष किए और इस कदम को सच्चाई और शुद्ध आस्था की जीत बताया। श्री कमल सोनी के इस कार्य की क्षेत्र के प्रबुद्ध जनों ने सराहना की है।

श्री चिंतामण गणेश मंदिर में छप्पन भोग के साथ हुआ हिंदू नववर्ष का भव्य अभिनंदन

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, भारतीय संस्कृति के गौरवमयी हिंदू नववर्ष और गुड़ी पड़वा के पावन पर्व पर नगर के प्राचीन और आस्था के केंद्र श्री चिंतामण गणेश मंदिर में भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। प्रतिवर्ष की गौरवशाली परंपरा का निर्वहन करते हुए इस वर्ष भी भगवान श्री गणेश जी महाराज को छप्पन भोग लगाकर राष्ट की सुख-समृद्धि की मंगलकामना की गई।

गुरुवार तड़के से ही मंदिर परिसर में उत्सव का वातावरण निर्मित हो गया था। विद्वान पंडित श्याम सिद्ध के आचार्यत्व में भगवान श्री चिंतामण गणेश एवं माता रिद्धि-सिद्धि का विशेष महाअभिषेक संपन्न हुआ। अभिषेक के दौरान गणेश अथर्वशीर्ष के सस्वर मंत्रोच्चार और वेदोक्त ऋचाओं के पाठ से पूरा वातावरण गुंजायमान हो उठा। इस पवित्र अनुष्ठान का मुख्य यजमान पद अमित पंडित परिवार ने प्राप्त किया, जिन्होंने सविधि पूजन-अर्चन कर भगवान का दुग्धाभिषेक किया। हिंदू नववर्ष के स्वागत में भगवान गणेश का विशेष आकर्षक श्रृंगार किया गया था। मस्तक पर तिलक और स्वर्ण आभूषणों से सुसज्जित प्रतिमा के दर्शन मात्र से भक्त भाव-विभोर हो रहे थे। शाम के समय भगवान के सम्मुख छप्पन भोग की भव्य झांकी सजाई गई, जिसमें विभिन्न प्रकार के मिष्ठान, फल, सूखे मेवे और पारंपरिक व्यंजनों का समावेश था। केसरिया और श्वेत आभा के बीच सजी इस प्रसादी ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया।

शाम ठीक 7ः00 बजे मंदिर में महाआरती का आयोजन हुआ। ढोल-नगाड़ों, शंख ध्वनि और झालरों की गूंज के साथ जब आरती शुरू हुई, तो पूरा मंदिर परिसर गणपति बप्पा मोरया के जयकारों से गूँज उठा। इस अलौकिक दृश्य का साक्षी बनने के लिए बड़ी संख्या में मातृशक्ति और पुरुष श्रद्धालु उपस्थित रहे। महाआरती के पश्चात उपस्थित जनसमूह के बीच छप्पन भोग की प्रसादी का वितरण किया गया, जिसे ग्रहण करने के लिए भक्तों में भारी उत्साह देखा गया।

पंडित श्याम सिद्ध ने उपस्थित श्रद्धालुओं को नव संवत्सर की शुभकामनाएं देते हुए एक विशेष घोषणा की। उन्होंने बताया कि आगामी वर्ष में इस उत्सव को और अधिक भव्य रूप दिया जाएगा। अगले हिंदू नववर्ष पर छप्पन भोग प्रसादी के साथ-साथ 1100 दीपकों का भव्य दीपोत्सव आयोजित किया जाएगा, जिससे मंदिर की प्राचीरें जगमग होंगी और दीप प्रज्वलन कर नए वर्ष का अभिनंदन किया जाएगा। दिनभर चले इस धार्मिक उत्सव में नगर के गणमान्य नागरिकों सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भगवान के दरबार में शीश नवाकर नए वर्ष के लिए मंगल आशीष प्राप्त किया।

मंडी प्रशासन ने गुड़ी पड़वा पर किसानों और व्यापारियों का किया स्वागत

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हिन्दू नववर्ष और गुड़ी पड़वा के पावन अवसर पर मंडी बोर्ड के निर्देशों का पालन करते हुए, बड़वाह मंडी प्रशासन ने एक अनूठी पहल की। सामान्यतः अवकाश का दिन होने के बावजूद, किसानों की सुविधा और आर्थिक हितों को ध्यान में रखते हुए मंडी में नीलामी कार्य निरंतर जारी रखा गया। मंडी की स्थापना के बाद यह पहला अवसर था जब गुड़ी पड़वा के पर्व पर किसानों का तिलक लगाकर और मुंह मीठा कराकर स्वागत किया गया। उत्सव के इस माहौल में मंडी के भारसाधक अधिकारी श्री सत्यनारायण दर्रो एवं मंडी सचिव श्री योगेश बर्वे ने स्वयं नीलामी स्थल पर उपस्थित होकर नए वर्ष के उपलक्ष्य में किसानों और व्यापारियों का अभिनंदन किया।

नीलामी की शुरुआत बेहद सकारात्मक रही, जहाँ ग्राम ओखला के प्रथम कृषक श्री बब्लू रतन का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया गया। उनकी गेहूं की फसल की पहली बोली 2626 रुपये प्रति क्विंटल के उच्चतम दर पर लगी, जिसे श्री गोविंद ट्रेडर्स द्वारा क्रय किया गया।

मंडी परिसर में केवल व्यापार ही नहीं, बल्कि सामाजिक सौहार्द का दृश्य भी देखने को मिला। व्यापारियों के सक्रिय जनसहयोग से नुक्ती प्रसादी का वितरण किया गया। मंडी में अपनी उपज बेचने आए किसानों, व्यापारियों, तुलावटियों और हम्मालों सहित उपस्थित जनसमूह को दोने में प्रसादी बांटकर नववर्ष की शुभकामनाएं दी गईं।

इस सफल आयोजन में मंडी कर्मचारियों और तुलावटियों का विशेष सहयोग रहा। नीलामी के दौरान क्षेत्र के कई प्रतिष्ठित व्यापारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रांगण प्रभारी श्री गोपाल चौहान ने नीलामी प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न कराई और क्षेत्र के किसानों से अपील की कि वे अपनी कृषि उपज को मंडी प्रांगण में ही लाकर विक्रय करें ताकि उन्हें सही मूल्य और सुरक्षा प्राप्त हो सके।

बस स्टैंड पर मातृपितृ प्याऊ का शुभारंभ किया

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हिन्दू नववर्ष गुड़ीपड़वा के अवसर पर बस स्टैंड पर मातृ पितृ प्याऊ का शुभारंभ तर्कसंग्रह परिवार द्वारा किया गया। प्याऊ का शुभारंभ नन्हे अली एजेंट बस स्टैंड द्वारा किया गया। प्याऊ का शुभारंभ स्व. श्री सत्यनारायण - गीताबाई पाटीदार एजेंट (सत्तू दा) की स्मृति में किया गया। इस अवसर पर पूर्व सीएमओ सुरेशचंद्र त्रिवेदी, पूर्व नप अध्यक्ष अभिषेक टल्ला मोदी, बलराज सिंह सोलंकी, जितेंद्र मोदी, सुरेश राठौर, मुन्ना गुरु, तर्कसंग्रह परिवार के प्रमुख मनोज पाटीदार, रितेंद्र सिंह सोलंकी, पार्षद प्रतिनिधि संतोष चौहान, नरेंद्र यादव, अतुल बाफना, बजरंगी, प्रकाश आदि उपस्थित थे। बस स्टैंड पर सैकड़ो बसों में हजारों यात्री प्रतिदिन सफर करते हैं और गर्मी के दिनों में उन्हें पानी के लिए दुकानों पर इधर-उधर भटकना पड़ता है ।मातृ पितृ प्याऊ की स्थापना होने से यात्रियों एवं रहवासियों को ठंडा पानी सुलभता से उपलब्ध होगा । अंत में आभार मनोज पाटीदार ने माना।

आस्था के आंगन में कुदरत का कहर, बैजनाथ महादेव मेले में बिखरे सपने

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मालवा की धरा पर आस्था का प्रतीक श्री बैजनाथ महादेव मेला इस वर्ष अपने 130वें गौरवशाली वर्ष में प्रवेश कर चुका है। 15 मार्च से शुरू हुए इस ऐतिहासिक मेले में चारों ओर उत्साह और उल्लास का माहौल था। लेकिन गुरुवार सायंकाल प्रकृति ने ऐसा रुख बदला कि खुशियों के इस मेले में अचानक सन्नाटा और मायूसी पसर गई। गुरुवार कल शाम जब श्रद्धालु बाबा बैजनाथ के दर्शन कर मेले का आनंद ले रहे थे, तभी अचानक आसमान में काले बादलों ने डेरा डाल लिया। देखते ही देखते तेज आँधी, ओलावृष्टि और मूसलाधार बारिश ने पूरे मेला क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया। यह केवल मौसम का बदलाव नहीं था, बल्कि उन हजारों मेहनतकशों के लिए एक त्रासदी थी जो अपनी छोटी-छोटी दुकानों और झूलों के माध्यम से साल भर की रोजी-रोटी का जुगाड़ करने यहाँ आए थे।

मेले में सजी दुकानें ताश के पत्तों की तरह बिखर गईं। मिट्टी के खिलौने बेचने वालों से लेकर कपड़े और घरेलू सामान के व्यापारियों तक, सबका सामान पानी में तरबतर हो गया। सबसे हृदयविदारक दृश्य उन झूला संचालकों और मजदूरों का था, जिनके पास न रहने को पक्की छत थी और न ही सूखे बिस्तर।

ऐसी विपरीत और विचलित कर देने वाली परिस्थितियों में श्रीमती मीना शेखर जी यादव एक रक्षक के रूप में सामने आईं। उन्होंने केवल प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी नहीं कीं, बल्कि एक सजग और संवेदनशील नागरिक का धर्म निभाया। श्री बैजनाथ मंदिर प्रांगण के पिछले हिस्से में तत्काल विशाल रसोई का प्रबंध कराया गया। यह सुनिश्चित किया गया कि मेले में आया कोई भी दुकानदार या श्रमिक भूखा न सोए। रात के अंधेरे और ठंड के बीच गरमा-गरम भोजन ने इन प्रभावित लोगों को एक आत्मिक संबल प्रदान किया। बारिश के कारण जिनके बिस्तर और कपड़े भीग चुके थे, उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती रात काटने की थी। श्रीमती यादव ने चंद्र लीला पैलेस में इन सभी के ठहरने की व्यवस्था करवाई, जिससे छोटे बच्चों और बुजुर्गों को इस ठिठुरन भरी रात में सुरक्षा और गर्माहट मिल सकी। अक्सर आपदा के समय राहत कार्यों में देरी देखी जाती है, लेकिन यहाँ पद के साथ निष्ठा का अद्भुत समन्वय देखने को मिला। श्रीमती मीना शेखर यादव की इस संवेदनशीलता ने यह संदेश दिया कि नेतृत्व केवल आदेश देने का नाम नहीं, बल्कि विपदा में अपनों का हाथ थामने का नाम है। मेले में आए दुकानदारों की आँखों में कल जहाँ आँसू थे, वहीं आज इस सहयोग के बाद एक कृतज्ञता का भाव है। बैजनाथ महादेव के इस पावन परिसर में कल रात ईश्वर की कृपा केवल मंदिर के गर्भगृह में ही नहीं, बल्कि सेवा के उन हाथों में भी दिखाई दी, जो बेसहारा लोगों की मदद के लिए उठे थे।

निर्माण कार्य प्रारम्भ करने की सूचना देना है अनिवार्य, सूचना नहीं देने पर हो सकती है कार्रवाई

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रम विभाग द्वारा निर्माण स्थलों पर सुरक्षा एवं स्वस्थ कार्यस्थल बनाने और श्रमिकों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का समुचित लाभ पहुंचाने के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल अंतर्गत निर्माण स्थलों पर श्रमिकों के लिए सुरक्षा व्यवस्था एवं सुरक्षा अधिकारियों की अनिवार्य उपस्थिति के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। श्रम सेवा पोर्टल मोबाइल ऐप पर निर्माण स्थल का पंजीयन विवरण, कर्मचारियों की संख्या, स्थान (लोकेशन) सहित अन्य आवश्यक जानकारी एकत्र की जा रही है, जिस पर नियोजक श्रमिकों के लिए उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं की जानकारी दे सकते है।

भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण अधिनियम 1996 के प्रावधानों अनुसार किसी भवन या अन्य सनिर्माण कार्य प्रारंभ करने से कम से कम 30 दिन पूर्व उस क्षेत्र में, जहां प्रस्तावित भवन या अन्य सनिर्माण कार्य किया जाना है, अधिकारिता रखने वाले निरीक्षक को स्थल, सुरक्षा उपाय सहित समस्त आवश्यक जानकारी साँझा करना अनिवार्य है। निर्माण स्थलों की जानकारी या सूचना एमपीबीओसीडब्ल्यू के ऑनलाइन पोर्टल या जिला श्रम कार्यालय के माध्यम से दी जा सकती है।सूचना न देने पर निरीक्षण के दौरान नियम उल्लंघन माना जा सकता है और नियोक्ता पर जुर्माना / कार्रवाई भी हो सकती है। अधिनियम के प्रावधानो अनुसार यदि कोई नियोजक, धारा 46 के अधीन भवन या अन्य संनिर्माण कार्य के प्रारंभ की सूचना नहीं देता है, तो उसे कारावास; जिसकी अवधि तीन महीने तक की हो सकेगी या जुर्माना; जो दो हजार रुपए तक अथवा दोनों हो सकता है।

कंट्रोल रूम नंबर 18002338888 पर करें शिकायत या दें जानकारी

विभाग ने यह भी कहा है कि ऐसे किसी भी निर्माण स्थल की सूचना देने के लिए कंट्रोल रूम नंबर-18002338888 पर भी सम्पर्क कर सकते है। निर्माण कार्य का पंजीयन नहीं किये जाने पर नागरिक इस टोल फ्री नंबर पर जानकारी देकर शिकायत दर्ज करा सकेंगे।

आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना से डेयरी व्यवसाय का सुनहरा अवसर

रीवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। पशुपालन विभाग द्वारा दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना लागू की गई है। इस योजना में 75 प्रतिशत राशि बैंक ऋण के माध्यम से दी जाती है। शेष 25 प्रतिशत राशि हितग्राही को अंशदान के रूप में देनी होती है। योजना में 7 वर्षों तक 5 प्रतिशत ब्याज की प्रतिपूर्ति अनुदान का भी लाभ दिया जाता है। इस संबंध में संयुक्त संचालक डीएस बघेल ने बताया कि योजना के लिए पशुपालक के पास कम से कम 5 पशु और एक एकड़ कृषि भूमि होना आवश्यक है। पशुओं की संख्या में वृद्धि होने पर उसी के अनुपात में कृषि भूमि का निर्धारण किया जाता है। योजना की एक इकाई में 5 भैंस होने पर 4 लाख 25 हजार रुपए तथा 5 शंकर नस्ल की गाय होने पर 3 लाख 82 हजार रुपए एवं देशी गाय होने पर 2 लाख 43 हजार 750 रुपए इकाई लागत निर्धारित की गई है। 10 दुधारू पशुओं के होने पर 10 भैंसों में 8 लाख 40 हजार, शंकर गाय के लिए 7 लाख 51 हजार रुपए तथा 10 देशी गाय के लिए 4 लाख 75 हजार रुपए इकाई लागत निर्धारित की गई है। इस योजना में सामान्य वर्ग के पशुपालक को परियोजना लागत का 25 प्रतिशत अधिकतम एक लाख 25 हजार रुपए मार्जिन मनी सहायता के रूप में दिया जाता है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के हितग्राही को परियोजना लागत का 33 प्रतिशत अधिकतम 2 लाख रुपए मार्जिन मनी के रूप में दिया जाता है। पशुपालन विभाग के माध्यम से प्रकरण बैंकों में भेजे जाते हैं। बैंक से प्रकरण स्वीकृत होने के बाद हितग्राही को इकाई लागत की राशि प्रदान की जाती है। इस योजना में इकाई लागत की 75 प्रतिशत राशि पर बैंक की कुल ऋण राशि में 5 प्रतिशत वार्षिक ब्याज अनुदान दिया जाता है।

सूर्योपासना और महानाट्य से जीवंत हुआ विक्रमादित्य का शौर्य

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय नववर्ष विक्रम सम्वत् 2083 के शुभारंभ अवसर पर आज पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में कोटी सूर्योपासना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन सृष्टि आरंभ दिवस, वर्ष प्रतिपदा तथा विक्रम सम्वत् 2083 के शुभारंभ के पावन अवसर पर केंद्र और राज्य सरकार के विज़न भारत वर्ष के नव जागरण और विकास की सतत यात्रा को समर्पित था।

सम्राट विक्रमादित्य के नाट्य मंचन ने जीता दिल- कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सम्राट विक्रमादित्य के जीवन और न्यायप्रिय शासन पर केंद्रित एक भव्य महानाट्य का मंचन रहा। यह प्रस्तुति केशव लीला एजुकेशन एण्ड वेलफेयर सोसायटी, उज्जैन के कलाकारों द्वारा दी गई। नाटक में सम्राट विक्रमादित्य की वीरता, ज्ञान और लोक-कल्याणकारी विज़न को जीवंत किया गया, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस आदर्श नाट्य प्रस्तुति ने भारतीय संस्कृति और इतिहास की गौरवशाली गाथा को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

युवाओं को मिली गौरवशाली इतिहास की जानकारी- नई पीढ़ी को भारतीय काल-गणना और सांस्कृतिक महत्व से जोड़ने के लिए कार्यक्रम के दौरान भारत का नववर्ष विक्रम सम्वत पुस्तिका का वितरण किया गया।

सम्राट विक्रमादित्य का काल था भारत का स्वर्ण युग- श्री पाटीदार- कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक श्री बालकृष्ण पाटीदार ने संबोधित करते हुए सभी को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, आज का दिन हमारे लिए गर्व का विषय है क्योंकि हम उस महान सम्राट विक्रमादित्य के नाम से जुड़े विक्रम सम्वत् का शुभारंभ मना रहे हैं, जिनके काल को भारत का स्वर्ण युग कहा जाता था।

अकोदिया: दामोदर धाम मंदिर में 14वीं वर्षगांठ पर आयोजन, भगवान दामोदर का चल समारोह निकला, विशाल भंडारे में भक्तों ने पाई प्रसादी

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया के झीन कॉलोनी स्थित दामोदर धाम मंदिर में गुरुवार को भगवान दामोदर की 14वीं वर्षगांठ मनाई गई। इस अवसर पर भव्य चल समारोह और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।

चल समारोह से पूर्व मंदिर में भगवान दामोदर और टेकचंद जी महाराज की महाआरती की गई। भगवान का विशेष श्रृंगार कर उन्हें 56 भोग अर्पित किए गए।

भगवान दामोदर और टेकचंद जी महाराज की पालकी पर सवार होकर चल समारोह दामोदर धाम मंदिर से प्रारंभ हुआ। इसमें ढोल-बाजे के साथ बड़ी संख्या में दर्जी समाज के महिला-पुरुष और बच्चे शामिल हुए। श्रद्धालु भजनों पर नृत्य करते हुए चल रहे थे।

चल समारोह सब्जी बाजार, अहिंसा द्वार, टप्पा चौराहा, मेन बाजार, शिवाजी मार्केट और विनायक चौराहा होते हुए वापस दामोदर धाम मंदिर पहुंचा। मार्ग में जगह-जगह जनप्रतिनिधियों और व्यापारियों ने पालकी का स्वागत किया और भगवान दामोदर की पूजा-अर्चना की।

मंदिर पहुंचने पर महाआरती की गई, जो रमेश चंद्र गोठी जाधव परिवार की ओर से संपन्न हुई। इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की।

इनके द्वारा बताया गया- भगवान टोकचंद जी महाराज की आज स्थापना के 14 वर्ष पूर्ण हो गए हैं चैत्री नवरात्रि एकम के आज 14 वर्ष पूर्ण हो गया है भगवान की पूजा अर्चना की जाती है एवं 56 भोग प्रसादी एवं भंडारे का आयोजन भी किया जाता है।

डबरा के अद्वितीय नवग्रह मंदिर की सेवाएं अब दुनिया के सबसे बड़े भक्ति प्लेटफॉर्म 'श्री मंदिर' ऐप पर, दिव्यांगों और दूर-दराज के भक्तों के लिए बनेगा वरदान

श्री मंदिर ऐप के माध्यम से अब विश्वभर के श्रद्धालु कर सकेंगे डबरा के नवग्रह मंदिर में ऑनलाइन पूजा और चढ़ावा सेवा

डबरा/ग्वालियर। मध्यप्रदेश के डबरा में स्थित विश्व प्रसिद्ध नवग्रह मंदिर ने डिजिटल अध्यात्म की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। अब इस भव्य मंदिर की पूजा सेवाएं विश्व के सबसे बड़े भक्ति प्लेटफॉर्म 'श्री मंदिर ऐप' पर उपलब्ध होंगी। इस साझेदारी के माध्यम से दुनिया भर के करोड़ों श्रद्धालु अब अपने मोबाइल के जरिए घर बैठे नौ ग्रहों के दोष निवारण, अभिषेक और विशेष चढ़ावा सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। साथ ही, श्रद्धालु अब श्री मंदिर ऐप के माध्यम से डबरा के इस भव्य नवग्रह मंदिर में सीधे दान भी अर्पित कर सकेंगे।'श्री मंदिर ऐप' पर पूजा संपन्न होने के बाद भक्तों को डिजिटल माध्यम से पूजा और संकल्प का वीडियो भी भेजा जाता है, जिससे पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता और भक्तों की अटूट श्रद्धा बनी रहती है।

श्री मंदिर ऐप- तकनीक और श्रद्धा का संगम श्री मंदिर ऐप वर्तमान में दुनिया का सबसे बड़ा और विश्वसनीय हिंदू भक्ति ऐप है, जो तकनीक और श्रद्धा का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है। यह प्लेटफॉर्म दुनिया के किसी भी कोने में बैठे भक्तों को भारत के मंदिरों से जोड़ता है, जहाँ पर भक्त ऑनलाइन पूजा और चढ़ावा सेवाओं का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। विशेष रूप से, यह पहल उन दिव्यांगजनों और बुजुर्गों के लिए एक ईश्वरीय वरदान साबित हुई है, जो शारीरिक अक्षमता या स्वास्थ्य कारणों से मंदिर तक की यात्रा करने में असमर्थ हैं। श्री मंदिर ऐप के माध्यम से वे बिना किसी बाधा के अपनी आस्था को पूर्ण कर सकते हैं और मंदिर की दिव्य ऊर्जा का अनुभव कर सकते हैं।

मंदिर की अद्वितीय महिमा और वैज्ञानिक आधार- डबरा का यह नवग्रह मंदिर मात्र एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि ज्योतिष और वास्तु शास्त्र का जीवंत उदाहरण है।इतना ही नहीं, इस स्थान की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह पूरे एशिया का एकमात्र ऐसा मंदिर है जहाँ सभी नवग्रह अपनी-अपनी पत्नियों के साथ विराजमान हैं। ऐसी पूर्णता और गृहस्थ स्वरूप में नवग्रहों के दर्शन अन्यत्र कहीं सुलभ नहीं हैं। 108 स्तंभों पर टिका यह मंदिर 27 नक्षत्रों की ऊर्जा को समाहित करता है।

इसकी विशिष्ट गोलाकार संरचना और केंद्र में स्थित सरोवर सौर ताप को संतुलित कर परिसर में गहरी शांति और सकारात्मकता का संचार करते हैं। साथ ही, 9000 वर्ग फुट में फैली नक्षत्र वाटिका ध्यान और आत्मिक शांति के लिए एक शक्तिशाली केंद्र के रूप में विकसित की गई है, जो भक्तों को मानसिक तनाव से मुक्त कर अपनी अंतरात्मा से जुड़ने का अवसर प्रदान करती है।

परशुराम लोक न्यास के ट्रस्टी ने इस अवसर पर कहा, डबरा का नवग्रह मंदिर सनातन धर्म और ज्योतिष विज्ञान का संगम है। श्री मंदिर ऐप जैसे विश्व स्तरीय प्लेटफॉर्म से जुड़कर अब इस मंदिर की महिमा सात समुद्र पार तक पहुँचेगी। इससे न केवल डबरा को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर स्थान मिलेगा, बल्कि लाखों भक्तों के जीवन से ग्रहों के कष्टों का निवारण भी सुलभ हो सकेगा।

श्री मंदिर ऐप के संस्थापक प्रशांत सचान ने कहा, हमारा उद्देश्य भारत के प्राचीन मंदिरों की आध्यात्मिक शक्ति को वैश्विक स्तर पर सुलभ बनाना है। डबरा के नवग्रह मंदिर को वैश्विक स्तर पर पहुँचाना हमारे लिए गर्व की बात है। यह सेवा विशेष रूप से उन दिव्यांग भक्तों के लिए एक आशीर्वाद है जो शारीरिक रूप से मंदिर नहीं पहुँच पाते। अब वे विश्व में कहीं से भी पूरी निष्ठा के साथ ऑनलाइन पूजा और चढ़ावा सेवा कर सकते हैं, जिससे उनकी आस्था और मंदिर के बीच की दूरी समाप्त हो जाएगी।

तीन दिवसीय वार्षिक उत्सव प्रतिभा-2026 का हुआ समापन

रीवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय रीवा परिसर में आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक उत्सव ÷प्रतिभा 2026÷ का समापन हुआ। मंच पर हर चेहरे, हर विचार और हर अभिव्यक्ति में प्रतिभा झलकती दिखाई दी। तीन दिनों तक परिसर रचनात्मकता, बौद्धिकता और सांस्कृतिक चेतना का जीवंत केंद्र बना रहा, जहाँ युवा मनों ने अपनी संवेदनाओं को शब्द, रंग, स्वर और अभिनय के माध्यम से अभिव्यक्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ परिसर निदेशक डॉ. सत्येंद्र डेहरिया एवं एडजंक्ट प्रोफेसर जयराम शुक्ला ने किया। इस अवसर पर डॉ. डेहरिया ने कहा कि प्रतिभा केवल प्रतियोगिताओं में जीतने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह स्वयं को पहचानने और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझने की प्रक्रिया है। शिक्षा तब पूर्ण होती है, जब उसमें संवेदना और संस्कार का समावेश हो। यही 'प्रतिभा' जैसे आयोजनों का वास्तविक उद्देश्य है। समारोह में श्री शुक्ला ने अपने साहित्यिक अंदाज में विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि ÷शब्दों की दुनिया में वही आगे बढ़ता है, जिसके भीतर जिज्ञासा जिंदा रहती है। पत्रकारिता केवल खबर लिखना नहीं, बल्कि समय की धड़कनों को सुनना और समाज की आत्मा को शब्द देना है। आप सभी अपने भीतर उस संवेदनशीलता को बचाए रखें, जो आपको भीड़ से अलग पहचान दिलाती है। उद्घाटन दिवस की सुबह रंगों के सौंदर्य से सजी रंगोली प्रतियोगिता से आरंभ हुई। छात्र-छात्राओं ने भारतीय संस्कृति, प्रकृति और सामाजिक विषयों को रंगों के माध्यम से जीवंत कर दिया। इसके पश्चात फीचर लेखन प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने शब्दों के माध्यम से समाज, संस्कृति और समकालीन जीवन के विविध आयामों को संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत किया।

संकल्प से समाधान अभियान के तहत छनेरा में आज लगेगा शिविर

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। संकल्प से समाधान अभियान के तहत प्रत्येक व्यक्ति को उसकी पात्रता के अनुसार सरकार की योजनाओं से लाभान्वित करने का प्रयास किया जा रहा है। जिला पंचायत के सीईओ डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा ने बताया कि इस अभियान के तृतीय चरण में विकासखंड स्तर पर शिविर आयोजित होंगे। इन विकासखंड स्तरीय शिविरों में प्राप्त आवेदनों का अधिकारियों द्वारा निराकरण किया जाएगा। तृतीय चरण के लिए आयोजित शिविर प्रातः 11 से दोपहर 3 बजे के बीच आयोजित होंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नगर परिषद छनेरा और जनपद पंचायत हरसूद के नागरिकों की सुविधा के लिए 20 मार्च को जनपद पंचायत हरसूद के परिसर में शिविर आयोजित किया जाएगा। इसके बाद पंधाना विकासखंड की पंचायत और नगर पंचायत पंधाना के नागरिकों की सुविधा के लिए 23 मार्च को जनपद पंचायत पंधाना के परिसर में शिविर आयोजित किया जाएगा। खालवा विकासखंड के ग्रामीणजनों के लिए जनपद पंचायत खालवा के परिसर में 24 मार्च को शिविर आयोजित होगा। जनपद पंचायत छैगांवमाखन क्षेत्र की पंचायत के ग्रामीणजनों की सुविधा के लिए 25 मार्च को जनपद पंचायत परिसर छैगांवमाखन में शिविर आयोजित होगा। इसी तरह बलड़ी विकासखंड की पंचायत के ग्रामीणों की समस्याओं के लिए जनपद पंचायत बलड़ी के परिसर में 26 मार्च को शिविर आयोजित होगा।

रोशनी में 19.78 करोड़ रू. लागत का सामुदायिक कला भवन सह प्रशिक्षण केन्द बनेगा

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। खंडवा जिले के खालवा विकासखंड के ग्राम रोशनी में 19.78 करोड़ रूपये लागत से सामुदायिक कला भवन सह प्रशिक्षण केन्द्र का निर्माण कराया जाएगा। प्रदेश के जनजातीय कार्य विभाग के मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने इस संबंध में गुरुवार को सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता में मीडिया प्रतिनिधियों को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस भवन में 50 सीटर सर्व सुविधायुक्त महिला छात्रावास निर्माण कराया जाएगा। इसके अलावा 50 सीटर सर्व सुविधायुक्त पुरुष छात्रावास का निर्माण भी कराया जाएगा। इस भवन में आदिवासी वर्ग के युवाओं को सांस्कृतिक संरक्षण एवं रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण दिलाने की व्यवस्था की जाएगी।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा दो आदतन अपराधियों को छह माह के लिए जिला बदर करने के आदेश जारी

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी नेहा मीना द्वारा मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1990 की धारा 5 (क, ख) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिले में लोक-शांति एवं सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने की दृष्टि से दो आदतन अपराधियों को छह माह की अवधि के लिए जिला बदर किए जाने के आदेश जारी किए गए हैं।

जारी आदेशानुसार अनावेदक शाहनवाज उर्फ सन्नाटा पिता मोईनुद्दीन कुरेशी, उम्र 25 वर्ष, निवासी कैलाश मार्ग झाबुआ तथा नरवल पिता जुवानसिंह मेडा, उम्र 21 वर्ष, निवासी वागनेरा को आदेश प्राप्ति के 24 घंटे के भीतर झाबुआ जिले की राजस्व सीमा सहित समीपवर्ती जिले धार, रतलाम, आलीराजपुर एवं बड़वानी की राजस्व सीमाओं से बाहर जाना होगा। यह आदेश छह माह की अवधि तक प्रभावशील रहेगा। इस अवधि में सक्षम न्यायालय की पूर्व लिखित अनुमति के बिना संबंधित क्षेत्रों में प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

पुलिस अधीक्षक, जिला झाबुआ द्वारा अनावेदक शाहनवाज उर्फ सन्नाटा पिता मोईनुद्दीन कुरेशी, उम्र 25 वर्ष, निवासी कैलाश मार्ग झाबुआ थाना झाबुआ के विरूद्ध मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5 (क. ख) अंतर्गत प्रतिवेदन प्रस्तुत कर अवगत कराया गया है कि, अनावेदक आपराधिक प्रवृत्ति का होकर इसके विरूद्ध लडाई-झगडा, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट, नकबजनी चोरी के कुल 13 अपराध पंजीबद्ध होकर अनावेदक विगत वर्ष 2016 से आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय है। इसके आपराधिक कृत्य विधिमान्य व्यवस्था को प्रभावित करने वाले है। इसकी आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु प्रतिबंधात्मक कार्यवाही भी की गई। किन्तु इसके आचरण में कोई सुधार परिलक्षित नहीं हुआ हैं, अपितु इसकी आपराधिक गतिविधियों में और अधिक वृद्धि हुई है। आमजन अनावेदक के विरूद्ध रिपोर्ट लिखाने एवं साक्ष्य देने से डरते है। इससे आमजन भयभीत है जिसके कारण शांति एवं सुरक्षा का आसन्न संकट उत्पन्न हो गया है। अतः कस्बा झाबुआ एवं आसपास के क्षेत्र के समाजजनों की परिशांति तथा अनावेदक के दुष्कृत्यों को देखते हुए इसका जिला झाबुआ एवं सीमावर्ती जिले रतलाम, आलीराजपुर, धार की राजस्व सीमाओं से जिला बदर किया जाना आवश्यक हो गया है। ताकि आम जनता एवं क्षेत्र मे लोक-शांति बनी रहे।

अनावेदक नरवल पिता जुवानसिंह मेडा, उम्र 21 वर्ष, निवासी वागनेरा थाना कालीदेवी के विरूद्ध मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5 (क.ख) अंतर्गत प्रतिवेदन प्रस्तुत कर अवगत कराया गया है कि, अनावेदक वर्ष 2015 से थाना कालीदेवी एवं झाबुआ क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय है। इसके आपराधिक कृत्य लोक शांति को प्रभावित करने वाले है। इसकी आपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण हेतु प्रभावी प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई एवं निगरानी में भी लाया गया, किन्तु इसके उपरांत भी इसके आचरण में कोई सुधार परिलक्षित नहीं हुआ है। अपितु इसकी आपराधिक गतिविधियों में और अधिक वृद्धि हुई है। साथ ही इसके कृत्यों से आम आदमी को अपने व्यापार-व्यवसाय, दैनिक क्रिया कलापों तथा सामान्य जीवन यापन में समस्या उत्पन्न हो गई है। आम जन अनावेदक तथा इसके रक्त संबंधियों की दबंगई, पूर्व के आपराधिक रिकार्ड के कारण भयवश इनके विरुद्ध थाने पर रिपोर्ट लिखाने व न्यायालय में साक्ष्य देने से कतराते है। अनावेदक तथा इसका परिवार संगमत होकर लगातार क्षेत्र की लोक प्रशांति को भंग कर कानून व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न करने में लगे है। अनावेदक अपने सगे भाई रमजु पिता जुवानसिंह मेडा जिसके विरूद्ध कुल 30 अपराध, परसु पिता जुवानसिंह मेडा जिसके विरूद्ध कुल 15 अपराध, परवल पिता जुवानसिंह मेडा जिसके विरूद्ध कुल 14 अपराध, तब्बत पिता जुवानसिंह मेडा जिसके विरूद्ध कुल 03 अपराध, माँ धापुबाई पति जुवानसिंह मेडा जिसके विरूद्ध 06 अपराध, भाभी आशा पति रमजु मेडा के विरूद्ध 03 अपराध पंजी है। जिनमें मुख्यतः डोडा चूरा की तस्करी, अवैध शराब की तस्करी, हत्या का प्रयास, मारपीट, चोरी, नकली नोट खपाने (चलाने), शासकीय एवं वन भूमि पर थाना कालीदेवी क्षेत्र के ग्राम वागनेरा, हत्यादेली, छापरी, रूपारेल, कस्बा कालीदेवी के जनसामान्य पर विपरीत प्रभाव पड रहा है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

महाकाल मंदिर में बदलेंगे महानिर्वाणी अखाड़े का महंत

स्वास्थ्य कारणों से विनीत गिरि का इस्तीफा मंजूर, उज्जैन पहुंचेंगे अखाड़े के पंच

महंत विनीत गिरी (जैकेट), थानापति करणगिरी (साफे मे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर मंदिर में भस्म आरती से जुड़ा एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। महानिर्वाणी अखाड़े के मुख्य महंत पद पर नए संत की नियुक्ति की तैयारी पूरी हो चुकी है। हरिद्वार से आए थानापति करण गिरि इस पद के सबसे प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। उनके अलावा तीन अन्य साधुओं के नामों पर भी विचार किया जा रहा है, लेकिन अंतिम मुहर एक ही नाम पर लगेगी।

करीब 6 वर्षों से मुख्य महंत के रूप में सेवा दे रहे महंत विनीत गिरि ने आखिरकार स्वास्थ्य कारणों से पद छोड़ दिया है। उन्होंने तीसरी बार अपना इस्तीफा भेजा था, जिसे इस बार अखाड़े के शीर्ष संतों ने स्वीकार कर लिया। रीढ़ की हड्डी में एल-2 और एल-5 स्तर की गंभीर समस्या के चलते वे नियमित रूप से भस्म आरती नहीं कर पा रहे थे।

प्रतिनिधि कर रहे थे भस्म आरती- बीते कुछ समय से महंत विनीत गिरि की जगह उनके प्रतिनिधि महंत शिवांग गिरि ही बाबा महाकाल को भस्म अर्पित कर रहे थे। इससे पहले भी विनीत गिरि दो बार पद छोड़ने की इच्छा जता चुके थे, लेकिन तब अखाड़े के पंचों ने उनका इस्तीफा खारिज कर दिया था। इस बार उनकी बिगड़ती सेहत को देखते हुए निर्णय लिया गया।

जल्द होगी चादर विधि, उज्जैन पहुंचेंगे संत- जल्द ही महानिर्वाणी अखाड़े के वरिष्ठ संत श्री महंत मनोज गिरि, मृत्युंजय भारती, प्रेमपुरी और गोपाल गिरि,उज्जैन पहुंचेंगे। यहां नए महंत के चयन के बाद परंपरागत चादर विधि के जरिए औपचारिक नियुक्ति की जाएगी।

चार थानापतियों में मुकाबला- अखाड़े ने उज्जैन में चार थानापति नियुक्त किए हैं, जिनमें से ही नया मुख्य महंत चुना जाएगा इनमें मुख्य रूप से महंत गणेशपुरी (30 वर्षों का अनुभव),

महंत राधेश्यामपुरी (6 वर्षों से सेवा), महंत शिवांग गिरि (वर्तमान में भस्म आरती कर रहे), करण गिरि (हरिद्वार से आए, सबसे मजबूत दावेदार) सूत्रों के मुताबिक, करण गिरि का नाम सबसे आगे चल रहा है और उन्हीं के मुख्य महंत बनने की संभावना सबसे अधिक है।

ओंकारेश्वर में भी होगा बदलाव- ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग में भी महंत पद पर बदलाव तय माना जा रहा है। यहां के वर्तमान महंत कैलाश भारती पहले ही इस्तीफा दे चुके हैं। उज्जैन में नियुक्ति के बाद अखाड़े के पंच ओंकारेश्वर में भी नया महंत नियुक्त करेंगे। यहां मृत्युंजय भारती और मनोज गिरि के नाम चर्चा में हैं।

गुरुग्राम शिफ्ट होंगे विनीत गिरि- महंत पद से निवृत्त होने के बाद विनीत गिरि अब गुरुग्राम स्थित महानिर्वाणी अखाड़े की गोशाला की जिम्मेदारी संभालेंगे। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के लार मठ से भी उनका जुड़ाव बना रहेगा।

जानकारी और मनोरंजन का पर्व उज्जैन में तीन दिवसीय चौपाल महोत्सव का शुभारंभ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्रामीण समाज को एक मंच पर लाकर मनोरंजन और किसान सम्मान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आगर रोड स्थित चौपाल सागर में 20 ,21, 22 मार्च को आयोजित होने वाले चौपाल महोत्सव का शुभारंभ कृषि उपज मंडी सचिव श्री गोयल पूर्व विधायक डॉ रामलाल मालवीय के कर कमलो द्वारा फीता काटकर आगंतुक अतिथियों की उपस्थिति में सरस्वती पूजन व प्रज्वलित कर किया गया। महोत्सव का मुख्य आकर्षण महिंद्रा, टाटा एग्री को ,और जेके टायर जैसी कंपनिया रही जिनके द्वारा नवीनतम तकनीक का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के दौरान किसानों को आधुनिक कृषि पद्धतियों से अवगत कराने व सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई, तथा तथा उत्कृष्ट किसानों को साल श्रीपाल व मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महिंद्रा कमर्शियल के वाइस प्रेसिडेंट श्री महेश कुलमी, श्री प्रतिक देसाई, टाटा एग्री को चिफ़ श्री संजय अग्रवाल, जेके टायर के मेहुल बारोट, आईटीसी रिटेल मैनेजर निखिल शर्मा, आईटी हब इंचार्ज राकेश पांडे, मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

दुर्घटना में घायल ड्राइवर की मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। दो दिन पहले सड़क दुर्घटना में घायल ड्राइवर की उपचार के दौरान निजी अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया है मामले की जांच ब्यावरा पुलिस को भेजी जाएगी। अंजू श्री कॉलोनी में रहने वाला अनिल पिता तुलसीराम आयशर चलने का काम करता है 17 मार्च को वह आयशर लेकर राजगढ़ की और जा रहा था इसी दौरान पीछे से ट्रक ने टक्कर मार दी थी। अनिल की गाड़ी सामने चल रहे वाहन से टकरा गई थी। जिसमें वह बुरी तरह घायल हो गया था। स्थानीय पुलिस ने उसे शासकीय अस्पताल पहुंचाया था। दुर्घटना की जानकारी लगने पर परिजन ब्यावरा पहुंचे थे, जहां से अनिल को उपचार के लिए उज्जैन निजी अस्पताल लाया गया था। जहां रात में अनिल की मौत हो गई। नानाखेड़ा थाना पुलिस ने सूचना मिलने पर मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया है।

रामघाट पर मना सृष्टि आरंभ उत्सव, ड्रोन-लेजर शो से जगमगाया उज्जैन

सीएम डॉ. मोहन यादव बोले—सिंहस्थ 2028 में दुनिया देखेगी सनातन संस्कृति का वैभव, विक्रमादित्य की परंपरा आज भी प्रेरणा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। हिंदू नववर्ष और गुड़ी पड़वा के मौके पर धर्मनगरी उज्जैन में विक्रमोत्सव के तहत रामघाट और दत्त अखाड़ा घाट पर भव्य सृष्टि आरंभ उत्सव आयोजित हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मौजूदगी में हुए इस आयोजन में आस्था, संस्कृति और आधुनिक तकनीक का अनूठा संगम देखने को मिला।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन केवल एक शहर नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति की आत्मा है। मां शिप्रा के तट पर बसी इस नगरी की महिमा अनादि काल से बनी हुई है। उन्होंने कहा कि जो भी यहां आता है, उसका जीवन धन्य हो जाता है। सीएम ने सम्राट विक्रमादित्य का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी विद्वता, वीरता और दानशीलता आज भी समाज को प्रेरित करती है। उन्होंने विदेशी आक्रांताओं को परास्त कर सुशासन की मिसाल कायम की थी। आज उसी गौरव को आगे बढ़ाते हुए प्रदेशभर में विक्रमोत्सव मनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि जहां दुनिया ड्रोन तकनीक का उपयोग युद्ध के लिए कर रही है, वहीं उज्जैन में इसी तकनीक के जरिए देवी-देवताओं की झलक प्रस्तुत कर संस्कृति और आस्था का संदेश दिया जा रहा है।

सिंहस्थ 2028 की तैयारियां तेज- मुख्यमंत्री ने बताया कि आगामी सिंहस्थ को ऐतिहासिक बनाने के लिए तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। उज्जैन से जुड़े मार्गों को फोरलेन और सिक्सलेन किया जा रहा है। शिप्रा तट पर करीब 30 किलोमीटर लंबे नए घाट विकसित किए जा रहे हैं। साथ ही उज्जैन को औद्योगिक रूप से भी विकसित किया जा रहा है। विक्रम उद्योगपुरी और मेडिकल डिवाइस पार्क जैसे प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। नया एयरपोर्ट और हेलीकॉप्टर सेवाएं शुरू करने की भी योजना है, जिससे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

विशाल मिश्रा के गीतों पर झूमे श्रोता- कार्यक्रम की शुरुआत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुई। इसके बाद प्रसिद्ध पार्श्व गायक विशाल मिश्रा ने अपनी मधुर आवाज से माहौल भक्तिमय कर दिया। हजारों श्रद्धालु देर रात तक कार्यक्रम का आनंद लेते रहे।

ड्रोन-लेजर शो और आतिशबाजी बनी आकर्षण का केंद्र- उत्सव का सबसे खास आकर्षण ड्रोन शो, लेजर शो और भव्य आतिशबाजी रही। शिप्रा तट का आसमान रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठा। ड्रोन शो के जरिए धार्मिक और सांस्कृतिक दृश्यों का जीवंत प्रदर्शन किया गया, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

पंचांग और ग्रंथों का विमोचन- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विक्रम पंचांग 2083, कला पंचांग सहित कई धार्मिक और सांस्कृतिक ग्रंथों का विमोचन भी किया।

उज्जैन को मिली नई पहचान- सृष्टि आरंभ उत्सव ने एक बार फिर साबित किया कि उज्जैन आस्था के साथ आधुनिक आयोजन क्षमता में भी अग्रणी है। इस आयोजन ने शहर को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई है। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

कॉफी क्लब के बाहर अभिभाषक पर जानलेवा हमला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बीती रात 10-30 बजे के लगभग ट्रेजर बाजार के पास युवा अभिभाषक पर पति-पत्नी और उनके साथियों ने पुराने विवाद को लेकर जानलेवा हमला कर दिया। युवा अभिभाषक गंभीर घायल हुआ है जिसका निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। नानाखेड़ा थाना पुलिस ने बताया कि ट्रेजर बाजार के समीप कॉफी क्लब बना हुआ है जहां विश्वविद्यालय मार्ग पर रहने वाला अभिभाषक यश पिता योगेश भार्गव 27 वर्ष अपने दोस्त के साथ कॉफी पीने पहुंचा था। कॉफी क्लब पर ही आशीष सरवन और उसकी पत्नी भी आए हुए थे। दोनों ने यश भार्गव को देखा तो अपने पास साथ अन्य साथियों को बुला लिया। कुछ देर बाद यश अपने दोस्त के साथ कॉफी क्लब से बाहर आया तो आशीष ने अपनी पत्नी और साथियों के साथ मिलकर जानलेवा हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल होने पर अभिभाषक यश को उपचार के लिए निजी अस्पताल ले जाया गया। मामले की जानकारी लगने पर पुलिस अस्पताल पहुंची घायल यश के बयान दर्ज कर आशीष और उसकी पत्नी के साथ अन्य के खिलाफ जानलेवा हमले की धारा में प्रकरण दर्ज किया गया। आया जा रहा है कि जनवरी माह में यश और आशीष के बीच शादी के दौरान गाड़ी पार्किंग को लेकर विवाद हुआ था। उसे दौरान काफी कहा सुनी हुई थी लेकिन मामले को कुछ लोगों ने शांत कर दिया था उसी विवाद को लेकर आशीष ने अपने साथियों के साथ मिलकर रात में यश पर हमला किया है। थाना प्रभारी नरेंद्र यादव के अनुसार हमला करने वालों की तलाश की जा रही है जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।

जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम खेड़ावदा में जल अर्पण कार्यक्रम आयोजित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शुक्रवार को जल जीवन मिशन अंतर्गत ग्राम खेड़ावदा में सरपंच श्रीमती नर्मदाबाई मांगीलाल जी, उपसरपंच, पंचगण, श्री महेश रजक , आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता एवं ग्राम वासियों और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग उपखंड खाचरोद के कर्मचारियों की उपस्थिति में जल अर्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नल जल योजना को सुचारू रूप से चलाने, जल कर वसूली, साफ एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने, एफटीके के माध्यम से जल परीक्षण करने के लिए चर्चा की गई।

श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया भगवान झूलेलाल प्रकटोत्सव

सीएम डॉ. मोहन यादव व अभिनेत्री जयाप्रदा ने दिखाई रैली को हरी झंडी, शाम को भजन संध्या, महाआरती व मेले में उमड़ा जनसैलाब

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंधी समाज के आराध्य देव भगवान झूलेलाल का प्रकटोत्सव शुक्रवार को शहर में पूरे श्रद्धा, उत्साह और धार्मिक वातावरण के बीच धूमधाम से मनाया गया। सुबह से शुरू हुए कार्यक्रम देर रात तक भक्ति, संस्कृति और उल्लास से सराबोर रहे।

प्रकटोत्सव की शुरुआत गीता कॉलोनी स्थित वरुण देव अखंड ज्योति झूलेलाल मंदिर में विधि-विधान से ध्वजारोहण और महाआरती के साथ हुई। इसके बाद भव्य वाहन रैली निकाली गई, जिसमें दोपहिया, चारपहिया वाहनों के साथ ई-रिक्शा पर सवार श्रद्धालु झूलेलाल के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़े। रैली में पारंपरिक वेशभूषा में सजे युवक-युवतियों ने आकर्षण बढ़ाया।

रैली टावर चौक पहुंची, जहां मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और बॉलीवुड अभिनेत्री जयाप्रदा ने केसरिया झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। इस दौरान दोनों ने समाजजनों को प्रकटोत्सव की शुभकामनाएं दीं। रैली शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए इंदिरा नगर स्थित झूलेलाल ग्राउंड पहुंचकर समाप्त हुई।

शाम को भक्ति और उत्सव का संगम- शाम होते-होते उत्सव का रंग और गहरा हो गया। मंदिर परिसर में आयोजित भजन संध्या में गायक सुंदर लालवानी ने भगवान झूलेलाल के भजनों की प्रस्तुति दी, जिस पर श्रद्धालु देर तक झूमते रहे। पूरा वातावरण भक्ति संगीत से गुंजायमान हो उठा। इधर, चेटीचंड महापर्व के तहत सतराम सिंधी कॉलोनी स्थित झूलेलाल उद्यान में मुख्य आयोजन हुआ। यहां भगवान झूलेलाल की विशाल प्रतिमा के समक्ष महाआरती की गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। उद्यान को विशेष रूप से मुंबई और पुणे से मंगाए गए फूलों से सजाया गया था, वहीं आकर्षक रोशनी ने आयोजन को और भव्य बना दिया।

मेले में उमड़ी भीड़, व्यंजनों और झूलों का लिया आनंद- झूलेलाल उद्यान में लगे मेले में सिंधी समाज के पारंपरिक व्यंजनों के स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहे। लोगों ने कढ़ी-चावल, साई भाजी, और अन्य व्यंजनों का स्वाद लिया। बच्चों के लिए लगाए गए झूलों पर भी देर रात तक रौनक बनी रही।

कार्यक्रम के अंत में आकर्षक आतिशबाजी की गई, जिसने पूरे माहौल को उत्सवमय बना दिया। इसके बाद महाप्रसादी वितरण के साथ दिनभर चले इस भव्य प्रकटोत्सव का समापन हुआ।

पूरे आयोजन के दौरान शहर में श्रद्धा, संस्कृति और सामूहिक एकता का अद्भुत संगम देखने को मिला।

नॉनवेज नहीं बनने पर पत्नी-सास का फोड़ा सिर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आगर से आये पिता के लिए नॉनवेज नहीं बनने पर पति द्वारा पत्नी के साथ मारपीट की गई। बीच बचाओ में सास आई तो उसके साथ भी मारपीट कर घायल कर दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चिमनगंज थाना क्षेत्र के राज रॉयल में रहने वाली मंजू पति राकेश का विवाह आगर में हुआ था, कुछ साल पहले मंजू अपने चार बच्चों और पति के साथ मायके आ गई। पति ससुराल में रहकर रिक्शा चलाने लगा। द्वारा को अमावस्या होने पर पति राकेश के पिता सीताराम शिप्रा स्नान के लिए उज्जैन आए। पिता के आने पर राकेश ने पत्नी मंजू से कहा कि नॉनवेज बना ले। मंजू ने अमावस्या का हवाला देते हुए नॉनवेज बनाने से मना कर दिया। राकेश के पिता आगर लौट गए, उन्होंने पुत्र राकेश से कहा कि तेरे ससुराल आने पर उन्हें सम्मान नहीं मिला। इसी बात पर बीती शाम राकेश शराब पीकर घर लौटा और पिता को खाना बनाकर नहीं देने की बात पर विवाद करते हुए मंजू के साथ मारपीट शुरू कर दी। मंजू के साथ मारपीट होती देख उसकी मां नागू बाई बीच बचाओ करने आई तो दामाद राकेश ने सास की भी नही छोड़ा और पत्थर डंडे से पीट कर घायल कर दिया। दोनों घायल मां बेटी को उपचार के लिए चरक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मंजू के शिकायत पर पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।

उज्जैन में 1700 करोड़ के निवेश से 17 नई फैक्ट्रियां शुरू, 4000 युवाओं को मिलेगा रोजगार

विक्रम उद्योगपुरी और मेडिकल डिवाइस पार्क बन रहे विकास के नए केंद्र, स्थानीय युवाओं का पलायन रुकेगा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर अब धार्मिक नगरी के साथ-साथ औद्योगिक पहचान भी तेजी से बना रहा है। इस साल उज्जैन में औद्योगिक विकास को बड़ी गति मिलने जा रही है। विक्रम उद्योगपुरी और मेडिकल डिवाइस पार्क में करीब 1700 करोड़ रुपए के निवेश से 17 नई फैक्ट्रियों में उत्पादन शुरू होगा। इन इकाइयों के चालू होने से 4000 से अधिक लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है।

सबसे बड़ी बात यह है कि इन उद्योगों का सीधा फायदा स्थानीय युवाओं को मिलेगा। अब उन्हें नौकरी के लिए इंदौर, भोपाल या अन्य बड़े शहरों की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा। अपने ही जिले में रोजगार मिलने से उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और परिवार के साथ रहने का अवसर भी मिलेगा।

विक्रम उद्योगपुरी में दिख रही बड़े निवेश की तस्वीर- विक्रम उद्योगपुरी इस समय औद्योगिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। यहां इस साल 9 बड़ी औद्योगिक इकाइयां उत्पादन शुरू करने जा रही हैं। इनमें सबसे बड़ा निवेश पेप्सीको इंडिया होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड का है, जो करीब 1225 करोड़ रुपए से प्लांट स्थापित कर रही है। यह इकाई पेय पदार्थों के लिए फ्लेवर तैयार करेगी और पूरी तरह तैयार हो चुकी है। इसके अलावा सिंपलीको इंडस्ट्रीज पर्यावरण अनुकूल कागज की प्लेटें बनाएगी। जेके लाइफकेयर सेंटर्स और क्रांटसोलर टेक्नोलॉजीज दवाइयों और गैस से जुड़े उत्पादों का निर्माण करेंगे। क्रांटसोलर द्वारा प्लास्टिक टैंक और बॉक्स भी तैयार किए जाएंगे।

खाद्य उद्योग में माहेश्वरी नमकीन प्रोडक्ट बनाएंगे, वहीं केमेरिक्स लाइफ साइंसेज दवाइयों के निर्माण में योगदान देगी। प्लेग्रो टॉयज इंडिया खिलौने और फर्नीचर तैयार करेगी। मेटल फॉर्जर एंड फैब्रिकेटर्स इंजन के पुर्जे बनाएंगे, जबकि स्काईलाइन इंडस्ट्रीज औद्योगिक क्रेन और मशीन उपकरण तैयार करेगी।

मेडिकल डिवाइस पार्क से स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूती- उज्जैन का मेडिकल डिवाइस पार्क भी तेजी से आकार ले रहा है। यहां 8 नई इकाइयां उत्पादन शुरू करने जा रही हैं, जिससे चिकित्सा उपकरण निर्माण को नई ताकत मिलेगी।

क्लिनीसप्लाइज इंडिया कैथेटर और अन्य मेडिकल उपकरण बनाएगी। वीआरएम मॉलिक्यूलर एंड न्यूक्लियर मेडिसिंस विशेष दवाओं का निर्माण करेगी। एचसी लाइफलाइन सिरिंज और कैनुला तैयार करेगी, जबकि केआरएम हेल्थकेयर जांच किट बनाएगी।

माइक्रोजन हेल्थकेयर संक्रमण रोकने वाले उत्पाद और हड्डियों से जुड़े इम्प्लांट बनाएगी। मीपल टेक्नोलॉजीज महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े उपकरण तैयार करेगी। श्रीजी पॉलिमर्स इंसुलिन डिवाइस और स्प्रे पंप बनाएगी, जबकि बायोलाइन इंडिया ब्लड कलेक्शन और ब्लड बैग से जुड़े उपकरणों का निर्माण करेगी।

स्थानीय युवाओं के लिए बड़ा अवसर- इन सभी उद्योगों के शुरू होने से रोजगार के नए द्वार खुलेंगे। करीब 4000 से ज्यादा युवाओं को सीधे रोजगार मिलेगा, जबकि अप्रत्यक्ष रूप से भी बड़ी संख्या में लोगों को काम मिलने की संभावना है। इससे उज्जैन में आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी और स्थानीय बाजार को भी मजबूती मिलेगी।

औद्योगिक शहर बनने की ओर उज्जैन- प्रदेश सरकार द्वारा उज्जैन को औद्योगिक रूप से विकसित करने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश के अनुकूल माहौल के कारण बड़ी कंपनियां यहां आ रही हैं।

एमपीआईडीसी के कार्यकारी संचालक राजेश राठौड़ के अनुसार, विक्रम उद्योगपुरी और मेडिकल डिवाइस पार्क में बढ़ते निवेश से उज्जैन आने वाले समय में प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक शहरों में शामिल होगा।

शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर चल रहा था धोखाधड़ी का खेल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर चल रहे धोखाधड़ी के खेल का पर्दाफाश पुलिस द्वारा किया गया है। फर्जी एडवाइजरी कंपनी संचालित कर रहे तीन संचालकों को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया गया है। तीनों से पूछताछ जारी है।

बड़नगर थाना प्रभारी अशोक पाटीदार ने बताया कि कस्बे में किराये से स्काय कमोडिटीज प्रायवेट लिमिटेड नाम से ऑफिस संचालित होने की सूचना मिली थी। जहां लोगों को स्टॉक मार्केट में निवेश कर मुनाफे का झांसा देकर ठगी की जा रही थी। सूचना पर एसआई हेमंत कटारे, चांदनी पाटीदार, एएसआई सरदार भगोरा,आरक्षक महेश मौर्या, अजय चौहान, मनोहर मोहरी,ज्योति हाडा के साथ दबिश दी गई। जहां 12 लोग मिले। जिसमें 9 महिला और 3 युवक थे। जिन्हे हिरासत में लिया गया और मौके से मोबाईल, दस्तावेज और लेपटॉप बरामद किये गये। पूछताछ करने पर सामने आया कि उक्त ऑफिस का संचालन श्लोक पिता शैलेन्द्र विकल 28 साल, शास्वत पिता शैलेन्द्र विकल 26 साल निवासी आदर्श नगर उज्जैन और उबैत पिता अफसीन कुरैशी 26 साल निवासी राजा प्रताप मार्ग बदनावर धार द्वारा किया जा रहा है। उनके दस्तावेजों में 4 कॉपियों में मोबाइल नम्बर दर्ज मिले। जिन पर कॉल कर लोगों को निवेश का झांसा दिया जाता था और मुनाफा होने पर कमीशन काट राशि देने की बात कहीं जाती थी। मामले में तीनों संचालकों के खिलाफ धारा 318 (1), 319 (1), 61 (2), 3 (5) बीएनएस के साथ सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66-डी, 72, 72-ए में प्रकरण दर्ज किया गया है।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के 30वें राष्ट्रीय अधिवेशन कार्यालय का शुभारंभ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के 30वें राष्ट्रीय अधिवेशन की तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में आयोजन कार्यालय का विधिवत शुभारंभ नानाखेड़ा स्थित हर्षदीप बिजनेस पार्क में संपन्न हुआ। यह एक दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन 12 अप्रैल 2026 रविवार को राजस्थान के पावन अतिशय क्षेत्र चांदखेड़ी में आयोजित किया जाएगा। इस बार आयोजन की जिम्मेदारी उज्जैन रीजन को सौंपी गई है।

पोस्टर एवं ऑनलाइन पंजीयन फॉर्म का विमोचन- राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी प्रशांत चौधरी ने बताया कि अधिवेशन को लेकर सभी स्तरों पर व्यापक तैयारियां प्रारंभ हो चुकी हैं। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं मंगलाचरण से हुई। अतिथियों के स्वागत सत्कार के पश्चात अधिवेशन के पोस्टर एवं ऑनलाइन पंजीयन हेतु गूगल फॉर्म का विमोचन किया गया।

सामूहिक सहयोग से ऐतिहासिक बनेगा आयोजन- शुभारंभ के अवसर पर फेडरेशन के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायका ने कहा कि पदाधिकारियों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति यह संकेत दे रही है कि यह अब तक का सर्वश्रेष्ठ अधिवेशन होगा। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अश्विन कासलीवाल ने कहा कि पिछले राष्ट्रीय अधिवेशन की जिम्मेदारी उज्जैन के सम्यक् ग्रुप ने बखूबी निभाई थी। उन्हें पूर्ण विश्वास है कि उज्जैन रीजन इस बार इस अधिवेशन को और भी अधिक भव्य बनाएगा। वहीं, कॉन्फ्रेंस चेयरमैन हितेष जैन 'परम' ने कहा कि सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का सामूहिक सहयोग ही इस अधिवेशन की सफलता की कुंजी है। इस अवसर पर अध्यक्षीय सलाहकार आशीष जैन सुतवाला, उज्जैन रीजन अध्यक्ष नवीन जैन, रीजन सचिव मनीष जैन, रीजन एवं कॉन्फ्रेंस कोषाध्यक्ष रत्नेश जैन सहित उज्जैन, देवास एवं इंदौर के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन विमल जैन ने किया।